6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 09:29 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 30 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 100, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 5 रुपये

■ शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज - 12

■ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी - 12

■ तूफान दितवा ने पकड़ी गति आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट - 13

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा - 14

पासिंग आउट परेड

वाराणसी छावनी स्थित 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर (जीटीसी) में शनिवार को सैन्य परम्पराओं के अनुरूप अग्निवीरों की भव्य शपथ-परेड सम्पन्न हुई। कुल 353 अग्निवीरों ने पवित्र भगवद्गीता पर हाथ रखकर राष्ट्रध्वज की मर्यादा बनाए रखने और देश की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने का संकल्प लिया। समारोह में सैन्य अनुशासन, उत्साह और गौरव का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। सैन्य अधिकारियों के साथ सभी अग्निवीरों ने सामूहिक फोटोग्राफी भी कराई। ● एजेंसी

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट से उड़ानें प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी

- एयरबस ने कहा- दुनियाभर के 6000 विमानों को अपग्रेड की जरूरत
- जेटब्लू का विमान ऊंचाई से अचानक नीचे आने के बाद मिली थी गड़बड़ी

भारत समेत दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा।

जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। यूरोप की सुरक्षा एजेंसी ने

कहा कि जापान में 65 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी। अमेरिकन एयरलाइंस के पास ए320 बेड़े के करीब 480 विमान हैं, जिनमें से 209 को अपडेट की जरूरत है। दुनिया भर में करीब 6000 प्रभावित विमानों को सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत है। कुछ विमानों में हार्डवेयर को भी ठीक करना पड़ सकता है। कुल 8100 से ज्यादा ए320 परिवार के विमान सेवा में हैं।

भारतीय एयरलाइंस ने बेड़े के 80 प्रतिशत विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा किया : डीजीसीए

नई दिल्ली। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से ए320 बेड़े के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड शुरू कर दिया, ताकि एक संभावित विमान नियंत्रण समस्या को ठीक किया जा सके। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि प्रभावित 338 विमानों में 80 प्रतिशत में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं। इस वजह से कई उड़ानों में देरी हुई, जबकि कुछ को रद्द करना पड़ा। विमानन नियामक के ताजा आंकड़ों के अनुसार इंडिगो और एयर इंडिया ने कोई उड़ान रद्द नहीं की, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 4 उड़ाने रद्द कीं। शनिवार शाम 5:30 बजे तक कुल 338 में 270 विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा हो चुका था। इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से 184 पर अपग्रेड पूरा हो चुका है। एयर इंडिया के 113 में 69 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 में 17 विमानों में अपग्रेड पूरा हो चुका था। यह अपग्रेड दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में एयरलाइंस के बेस पर किया जा रहा है। सभी प्रभावित विमानों का अपग्रेड 30 नवंबर सुबह 5:29 बजे तक पूरा करना है।

ब्रीफ न्यूज

स्वदेशी 'स्टील्थ फ्रिगेट' तारागिरि भारतीय नौसेना को सौंपा गया

नई दिल्ली। अत्याधुनिक युद्ध क्षमताओं से लैस स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। नीलगिरि-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) के चौथे पोत और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरे जहाज 'तारागिरि' को 28 नवंबर को मुंबई स्थित एमडीएल में भारतीय नौसेना को सौंपा गया। यह युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नेशनल हेराल्ड: अदालत ने मामले में आदेश 16 दिसंबर तक टाला

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में दायर ईडी के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के संबंध में अपना आदेश शनिवार को टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आदेश सुनाए जाने की तारीख 16 दिसंबर तक टाल दी है। निदेशालय ने कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ-साथ दिवंगत पार्टी नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस तथा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' पर साजिश एवं धन शोधन का आरोप लगाया है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने लगभग 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की उन संपत्तियों का अधिग्रहण किया जो नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र प्रकाशित करने वाले 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' की हैं।

प. बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन का नाम बदल लोकभवन किया

कोलकाता। प. बंगाल के राज्यपाल बोस ने केंद्र सरकार के एक निर्देश को लागू करते हुए शनिवार को कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, गृह मंत्रालय के 25/11/2025 के पत्र के अनुरूप, यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के राजभवन, फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राजभवन परिसरों का नाम संशोधित करके लोक भवन कर दिया गया है।

जरूरतमंद इलाज कराएं, धन की कमी को नहीं बनने देंगे बाधा : योगी

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को किया आश्वस्त

- अधिकारियों को निर्देश, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि कराई जाए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को आश्वस्त किया है कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। स्पष्ट कहा कि बिना चिंता किए उच्चीकृत अस्पतालों में इलाज कराएं, भरपूर आर्थिक मदद मिलेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान योगी ने उक्त बातें कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने मंदिर परिसर में एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग (खासकर महिलाएं) स्वयं या परिजनों के गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे।

एक बिटिया ने अपनी मां के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मनुहार की तो योगी ने कहा, चिंता मत करो, इलाज कराओ, पैसे की व्यवस्था कर दी जाएगी। अन्य को भी इसी आत्मीयता से भरोसा दिया कि इलाज के लिए सभी की पर्याप्त मदद की जाएगी।

जनता दर्शन में महिलाएं स्वयं या परिजनों के बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंची।

जमीन कब्जा या दबंगई पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

उत्तराखंड से जुड़े दिल्ली बम धमाके के तार, जांच एजेंसियों ने इमाम समेत तीन को उठाया

संवाददाता, हल्द्वानी/नैनीताल

- मुख्य आरोपी से जुड़े मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से हल्द्वानी का सुराग मिला था
- नैनीताल के तल्लीताल के इमाम से भी पुलिस ने की तीन घंटे तक पूछताछ

अमृत विचार : दिल्ली बम धमाके की जांच कर रहीं एजेंसियों ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र से बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम कासमी और उसके सहयोगी नजर कमाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वहीं, इमाम के रिश्तेदार और नैनीताल में तल्लीताल क्षेत्र की मस्जिद के इमाम मोहम्मद नईम से भी तल्लीताल पुलिस ने देर रात तक गहन पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस को लाल किले के बाहर हुए धमाके के मुख्य आरोपी से जुड़े मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से हल्द्वानी का एक सुराग मिला था, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम और बिजली मैकेनिक नजर कमाल को शनिवार भोर होने से पहले ही हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कत्याल और सीओ लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल के नेतृत्व में लालकुआं, कालाढूंगी, हल्द्वानी, मुखानी और काठगोदाम थानों से बड़ी संख्या में पुलिस बल बनभूलपुरा पहुंचा। शनिवार को बिलाली मस्जिद और इमाम के घर के आसपास कड़ी सुरक्षा रही। इमाम आसिम मूल रूप से रामपुर (यूपी) के टांडा दड़ियाल का निवासी है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। सुरक्षा एजेंसियों के साथ एसटीएफ और लोकल पुलिस ने कार्रवाई की है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में बिलाली मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस फोर्स।

रामपुर के दढ़ियाल का रहने वाला है मौलाना आसिम

दढ़ियाल। एनआईए की गिरफ्तार में आया मौलाना आसिम रामपुर के कोतवाली टांडा क्षेत्र की नगर पंचायत दढ़ियाल का निवासी है। सूचना पाकर परिवार के सदस्य हल्द्वानी के लिए रवाना हो गए हैं। मौलाना आसिम पिछले दस वर्ष से हल्द्वानी में रह रहा था। मौलाना मोहम्मद आसिम 10 वर्ष पूर्व हल्द्वानी की एक मस्जिद में इमामत करते थे।

सीबीआईसी के नए चेयरमैन बनाए गए विवेक चतुर्वेदी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है।

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी को चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे। अग्रवाल 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और उनके पास जांच कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है।

उप्र में एसआईआर प्रक्रिया तीन महीने बढ़ाने को याचिका दायर

नई दिल्ली। उप्र में जारी मतदाता सूचियों के एसआईआर की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य में चार सप्ताह में 15.35 करोड़ मतदाताओं का एसआईआर कराना प्रशासनिक रूप से असंभव है और इससे बड़ी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। भारतीय किसान यूनियन आजाद ट्रस्ट ने याचिका में इस कवायद की अवधि तीन महीने बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि गलत तरीके से नाम हटाए जाने से बचा जा सके, ग्रामीणों को परेशानी न हो, सूचियों का सटीक पुनरीक्षण किया जा सके।

तत्काल सुनवाई वाले मामले दो दिनों में होंगे सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक दिसंबर से मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं तथा मामलों के सूचीबद्ध और उल्लेख के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं।

परिपत्र के अनुसार, वादियों को तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले अपने मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नए मामले स्वतः ही सूचीबद्ध हो जाएंगे। परिपत्र में कहा गया है, व्यक्तियों की स्वतंत्रता से जुड़े सभी नए मामले और जहां तत्काल अंतरिम आदेश की मांग की गई है और मामले का सत्यापन हो चुका है, अगले दो कार्यदिवसों के भीतर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इसमें कहा गया, सभी जमानत याचिकाओं का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए, अग्रिम प्रति प्रतिवादी (भारत संघ/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश) के संबंधित नोडल अधिकारी/स्थायी वकील को दी जानी चाहिए। परिपत्र के अनुसार, अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, बंदी प्रत्यक्षीकरण, बेदखली और तोड़फोड़ की कार्रवाई से संबंधित असाधारण रूप से जरूरी मामले में, जो निर्धारित तिथि पर सूचीबद्ध होने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, अनुरोध सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे के बीच किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, किसी भी वरिष्ठ वकील को किसी भी अदालत के समक्ष मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत बोले- 1 दिसंबर से लागू होगी यह व्यवस्था

10 माह की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, क्षत-विक्षत शव मिला

संवाददाता, बहराइच

- बहराइच में कोतवाली देहात इलाके के खोरिया सफीक की घटना

अमृत विचार : जिले के कोतवाली देहात इलाके में स्थित खोरिया सफीक ग्राम में शुक्रवार की देर रात मां के साथ सो रही 10 माह की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजनों व ग्रामीणों ने भेड़िया का पीछा किया। घर से करीब 800 मीटर दूर खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। कोतवाली देहात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रावस्ती के गिलौला इलाके के रहने वाले रामचंद्र की पत्नी रमादेवी चार दिन पूर्व अपने मायके खोरिया सफीक आई थी। शुक्रवार की रात वह अपनी 10 माह की बच्ची सुनीता के साथ फूस के मकान में सो रही थी। तभी रात करीब एक बजे भेड़िया बच्ची को जबड़े में दबाकर उठा ले गया। उसकी आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजन जंगली जानवर के पीछे भागे। करीब दो घंटे के बाद घर से लगभग 800 मीटर दूर बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना पर कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। वन रेंजर ने बताया कि पगचिह्न से यह भेड़िया नहीं, बल्कि अन्य जंगली जानवर का हमला लग रहा है। फिलहाल हम इसकी जांच कर रहे हैं।

भेड़िया के हमले में घायल बालक की मौत

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर तीन के मजरे मल्लाहन पुरवा में शुक्रवार की देर शाम भेड़िया ने घर के बाहर खेल रहे स्टार (पांच वर्ष) पुत्र रोशन कुमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बच्चे के दोनों हाथ को भेड़िया चबा गया था। घायल बालक को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया था। वहां से गंभीर हालत में उसे लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विचार

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- देश की परंपरा ने सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित, विवाद हमारे स्वभाव में नहीं

मुंबई, एजेंसी

- नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में की शिरकत

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में उलझना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने भाईचारे एवं सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया है। भागवत ने नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में कहा कि राष्ट्र की अवधारणा के मामले में भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूलतः भिन्न है। उन्होंने कहा, हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं।

विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। एकजुट रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी

परंपरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। भागवत ने कहा, एक बार कोई मत बन जाने के बाद उससे अलग कोई भी विचार अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे 'वाद' कहकर पुकारने लगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की अवधारणा को लेकर भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा, वे राष्ट्र की हमारी अवधारणा को समझ नहीं पाते, इसलिए उन्होंने इसे 'राष्ट्रवाद' कहना शुरू कर दिया। 'राष्ट्र' की हमारी अवधारणा पश्चिमी अवधारणा से भिन्न है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं।

विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता अहंकार या अभिमान से नहीं, बल्कि लोगों के बीच गहरे अंतर्संबंध और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से उपजी है। उन्होंने कहा, हम सब भाई हैं, क्योंकि हम भारत माता की संतान हैं। हमारे बीच धर्म, भाषा, खान-पान, परंपराओं या राज्यों जैसे किसी मानव-निर्मित तत्व के आधार पर विभाजन नहीं है। विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते हैं, क्योंकि हमारी मातृभूमि की यही संस्कृति है। उन्होंने उस ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया जो विवेक की ओर ले जाता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि व्यावहारिक समझ और सार्थक जीवन जीना केवल जानकारी रखने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है - यह ऐसी अनुभूति है, जो क्षणिक सफलता के विपरीत जीवनभर बनी रहती है।

एआई का नियंत्रण हमारे पास हो

इस बीच, भागवत ने कार्यक्रम में युवा लेखकों से कहा कि एआई जैसी प्रौद्योगिकी का आगमन रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसका इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण हमारे पास होना चाहिए और हमें अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। एआई का उपयोग मानवता के हित में और मनुष्य को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

ADVERTORIAL

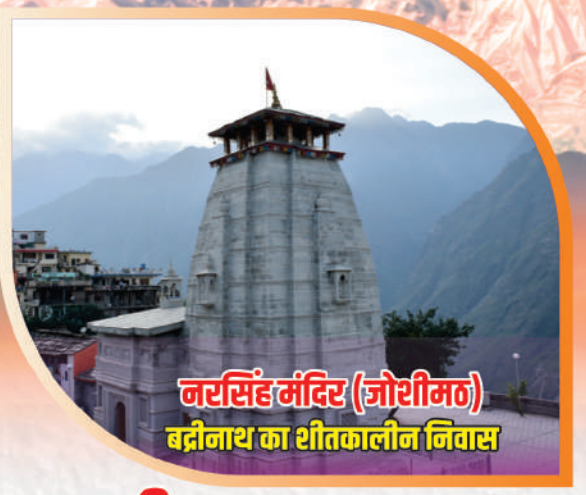

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

" माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है। "

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

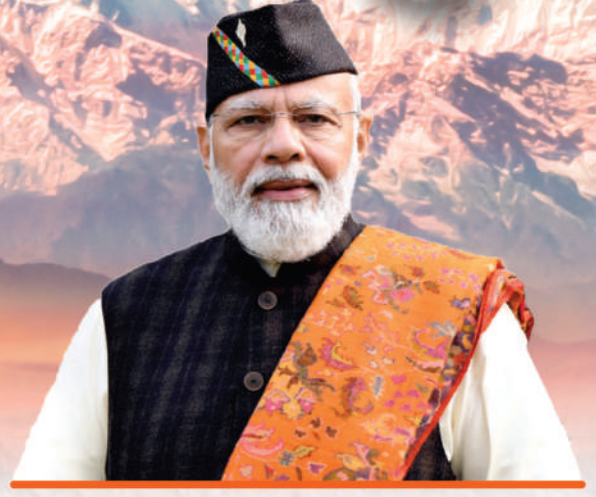

" 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। "

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को "सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण" बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

विंटर वंडरलैंड – बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

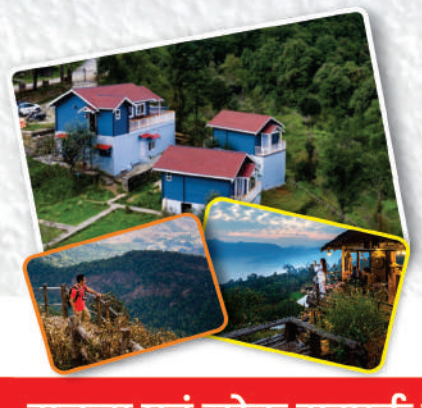

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स, पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—हर अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका, होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवसर भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नया रास्ता मिलता है।

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा स्नेह मिलता है और स्थानीय लोगों को एक स्थायी आजीविका का मार्ग।

मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाजुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ खरीदने के लिए आवंटित करें।

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के लिए स्थानीय लोगों से सहायता लें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

आज का मौसम

रविवार को मौसम खुला रहने का अनुमान है। आंशिक रूप से धूप खिली रहने से ठंड का असर कम रहेगा।

26.0°	10.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 42	सूर्यास्त 05 : 17

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

तत्कालीन तहसीलदार के आरोप संदिग्ध, शिक्षक वैभव बरी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा कोतवाली में करीब तीन साल पहले तत्कालीन तहसीलदार/ एआरओ अनिल सरोज ने प्राथमिक स्कूल महसौनापुर के प्रधानाध्यापक वैभव राजपूत के खिलाफ धारा 323, 504 भारतीय दंड संहिता व 134 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट में सुनवाई हुई तो आरोपी के विरुद्ध कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं हुआ। घटना संदिग्ध प्रतीत होने की वजह से शिक्षक को दोष मुक्त कर दिया गया।

जिला कचहरी में निर्णय आने के बाद सेल्फी लेते शिक्षक वैभव राजपूत व अधिवक्ता अवधेश मिश्र व आदित्य दुबे। अमृत विचार

अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन/ एसीजेएम विपिन यादव ने निर्णय में कहा है कि अभियुक्त को संदेह का लाभ प्राप्त होगा और दोषमुक्त किया जाता है। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश मिश्र व आदित्य दुबे ने बताया कि तत्कालीन सहायक रिटर्निंग ऑफिसर/ तहसीलदार ने 29 जनवरी 2022 को दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि 197 तिर्वा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 347 महसौनापुर प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण करने गया था।

- सहायक निर्वाचन अधिकारी अनिल सरोज ने तिर्वा कोतवाली में दर्ज कराई थी रिपोर्ट
- विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान पीएस महसौनापुर का है मामला

आरटीआई से मिली जीत में राहत

बचाव पक्ष ने निर्वाचन विभाग से जनसूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत जानकारी मांगी। वैभव राजपूत की ड्यूटी मतदान कार्मिक के तौर पर लगी या नहीं इसके अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध नहीं हैं। पीठासीन अधिकारी का दायित्व है कि वह साइन बोर्ड लगाए। दूसरी ओर लोक प्रतिनिधित्व की धारा 134 के तहत रिपोर्ट भी हर किसी पर दर्ज नहीं हो सकती।

पुलिस ने नहीं दिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज

वैभव राजपूत ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज विवेचना में शामिल नहीं किए तो उन्होंने निकालकर न्यायालय में दिए। उनके बरी होने के बाद महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष गुंजन भदौरिया व यूटा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह भदौरिया ने सत्य व शिक्षक के अधिकारों की जीत बताया।

इस दौरान गांव गुलरिया निवासी व प्रधानाध्यापक (अब कंपोजिट विद्यालय किनौरा में शिक्षक वैभव राजपूत) ने निर्वाचन कार्य में बाधा उत्पन्न की। कहा कि अपूर्ण साइन बोर्ड को सही कराने की जिम्मेदारी उसकी नहीं है। न ही इसे सही करने देगा जो लिखा है वही सही है। तत्कालीन तहसीलदार ने इसे अभद्र, अमर्यादित आचरण कहा। विवेचक एसआई रफत मुर्तजा ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। आरोपी ने न्यायालय में हाजिर होकर जमानत कराई। साथ ही हाईकोर्ट से स्थगन आदेश भी मिला। दूसरी ओर जब बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने बयान लिए तो तत्कालीन तहसीलदार ने कहा कि निरीक्षण के दौरान सुरक्षा गार्ड, अर्दली, निर्वाचन में सहायता करने गए थे लेकिन उनके नाम याद नहीं है। याद नहीं कि वैभव की ड्यूटी थी या नहीं। पदाभिहीत का काम प्रधानाध्यापक ही करता है। साइन बोर्ड बनवाने का दायित्व बीएलओ, आरओ, एआरओ व बूथ से संबंधित अधिकारी या कर्मचारी का है। वैभव पर कोई दबाव साइन बोर्ड सही कराने के लिए नहीं डाला। आरओ (तत्कालीन एसडीएम) ने एसएचओ को केस दर्ज करने के लिए कहा था। दिन का मामला बताकर रात साढ़े 11 बजे रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

न्यूज ब्रीफ

सम्मानित हुए बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ

गुरसहायगंज, कन्नौज। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को लेकर शनिवार को ब्लाक तालग्राम कार्यालय परिसर में समय से पूर्व कार्य करने वाले भाग संख्या 305 के बीएलओ शिक्षक संदीप कुमार व भाग संख्या 542 के बीएलओ शिक्षामित्र जितेंद्र कुमार को एसडीएम ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी, बीडीओ उमाशंकर शाहू व बीईओ तालग्राम रमेश चन्द्र चौधरी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सीडीपीओ अमित मिश्रा, एडीओ रविप्रताप, एआरपी ऋषि अग्निहोत्री, अबरार मोहम्मद, दीपक कुमार व मोहित कुमार मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

गुरसहायगंज, कन्नौज। ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौत हो गई। समधन स्थित हाईवे के निकट कानपुर से कासगंज जा रही ट्रेन की चपेट में आने से लगभग 35 वर्षीय अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। गार्ड ने ट्रेन रोक कर शव को गोरी नवादा गुमटी पर छोड़ दिया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने शव की शिनाख्त के प्रयास कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ई-स्टांप एवं ई-कोर्ट फीस सुविधा केंद्र का शुभारंभ

छिबरामऊ, कन्नौज। तहसील के रजिस्ट्री ऑफिस में ई-स्टांप एवं ई-कोर्ट फीस सुविधा केंद्र का शुभारंभ एआईजी स्टांप श्रीमती सुषमा व उपनिबंधक विशाल गुप्ता ने किया। एआईजी स्टांप ने बताया इस केंद्र के माध्यम से नागरिक अब आसानी से ई स्टांप पेपर खरीद सकेंगे और अदालती शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। स्टॉक होल्डिंग के कानपुर मंडल नोडल अधिकारी लव त्रिपाठी व असिस्टेंट मैनेजर आशीष वर्मा मौजूद रहे।

बाबा नीमकरोरी के जन्मोत्सव पर भंडारा

छिबरामऊ। पीपल चौराहा स्थित श्री विजय नाथ मंदिर के पास बाबा नीम करोरी महाराज के जन्मोत्सव पर समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष प्रियतेश तोमर के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पुनीत आयोजन में आर्यन गुप्ता, गोविंद यादव, रोहित गुप्ता, सुशांत गुप्ता, मोनू वर्मा, विपिन वर्मा, अंशु वर्मा सहित गणमान्य नागरिकों ने सहयोग किया।

आईटी सेल भाजपा की मानीटरिंग सेल का मंत्री ने किया निरीक्षण

कन्नौज। भाजपा मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के लिए संचालित आईटी मानीटरिंग सेल टीम का कन्नौज सदर विधायक एवं समाज कल्याण मंत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान एसआईआर फार्म भरने की प्रक्रिया को देखा। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के लिए संचालित मानीटरिंग आईटी सेल का सदर विधायक एवं मंत्री असीम अरुण ने जिलाध्यक्ष वीर सिंह के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत कन्नौज जनपद में कार्य की प्रगति परखी। इस अवसर पर आईटी सेल से श्याम दुबे, पीयूष शुक्ला, सनी दुबे, उदय शुक्ला, प्रेम शंकर तिवारी, विमल ठाकुर रहे।

विधायक को दिया खाटू श्याम निशान यात्रा का आमंत्रण

छिबरामऊ, कन्नौज। श्री खाटू श्याम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने विधायक अर्चना पांडेय को 5 दिसंबर को निकलने वाली खाटू श्याम निशान यात्रा का आमंत्रण देकर इस विशाल कार्यक्रम में सहयोग की अपील की।

दो ट्रेनी आईएएस के हवाले तहसील फिर भी पिछड़ा

तिर्वा आया अव्वल तो दूसरे नंबर पर सदर विधानसभा क्षेत्र

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। वर्ष 1997 में कन्नौज को जनपद का दर्जा मिलने के बाद पहली बार सदर तहसील में एसडीएम व तहसीलदार दोनों पदों की जिम्मेदारी प्रशिक्षु आईएएस के हवाले है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की हर रोज मॉनीटरिंग हो रही है। डिजिटाइजेशन को लेकर फीडिंग भी चल रही है। दो ट्रेनी आईएएस अधिकारी होने के बाद भी शनिवार दोपहर तक सदर तहसील का दूसरा नंबर था, जबकि तिर्वा पहले स्थान पर पहुंच गया। छिबरामऊ क्षेत्र फिसड्डी हो गया।

सदर तहसील कन्नौज का मुख्य द्वार। अमृत विचार

- एसआईआर को लेकर हर रोज चल रही ऑनलाइन फीडिंग
- कन्नौज तहसील का मामला छिबरामऊ क्षेत्र फिसड्डी

बताया गया है कि जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 1522 बूथ व इतने ही बीएलओ हैं। कुल 12 लाख 89 हजार 220 मतदाता हैं इसके सापेक्ष 12 लाख 83 हजार 921 गणना प्रपत्रों का वितरण हो गया है। इसके सापेक्ष कुल 07 लाख 01 हजार 533 गणना प्रपत्रों को पोर्टल पर फीड कर दिया गया है। विधानसभा 196 छिबरामऊ क्षेत्र में 2,56,826 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो गया है जो 53.47 फीसदी है। 197 तिर्वा विधानसभा इलाके के कुल 55.31 प्रतिशत गणना प्रपत्रों को फीड किया जा चुका है संख्या 2,11,147 है। इसी तरह विधानसभा कन्नौज 198 की प्रगति 54.69 फीसद और कुल 2,33,560 प्रपत्रों की फीडिंग हो गई है। तीनों विधानसभा क्षेत्र का कुल 54.42 फीसदी डिजिटाइजेशन हुआ है। दूसरी ओर गणना प्रपत्रों का वितरण 99.59 प्रतिशत हो गया है।

आज खुलेंगे सभी परिषदीय स्कूल, शिक्षक भी रहेंगे मौजूद

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- 04 दिसंबर तक पूरा होना है विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम
- बीएसए ने बीएलओ का सहयोग करने के लिए जारी किया पत्र

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को समय से पूरा करने के लिए अफसर व कर्मी खासे परेशान हैं। जिले का तकरीबन हर विभाग मॉनीटरिंग व सहयोग के लिए लगा दिया गया है। एक ओर तो विभाग का भी काम पूरा करना का लक्ष्य है तो एसआईआर को लेकर भी सख्ती है। इस वजह से 30 नवंबर यानि आज जिले के सभी परिषदीय स्कूल खुले रहेंगे। दूसरी ओर डीआईओएस ने भी मतदान बूथ वाले सभी राजकीय अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक स्कूलों को खोलने का आदेश जारी किया है।

बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की वजह से 30 नवंबर को सभी प्राथमिक, जूनियर व कंपोजिट विद्यालय प्रतिदिन की तरह समय पर खुलेंगे। विद्यालयों में तैनात शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व कर्मचारी उपस्थित रहकर एसआईआर के कार्य में संबंधित बीएलओ का सहयोग करेंगे।

उन्होंने बताया कि विद्यालय का पूरा स्टाफ गणना प्रपत्र एकत्र कराने एवं डिजिटाइजेशन करने में भी पूरा सहयोग करेंगे। 04 दिसंबर तक यह अभियान पूरा किया जाना है इस वजह से समय से राष्ट्रीय कार्यक्रम पूरा करने में शिथिलता न बरती जाए।

दो पक्षों में मारपीट, गोली चली, दो लोग हुए घायल

संवाददाता,छिबरामऊ

अमृत विचार। शनिवार देर शाम नगर के मोहल्ला लाहौरी टोला में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश के चलते ईंट-पत्थर, लाठी-डंडे व गोली चली। दोनों तरफ से हुई मारपीट में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक पक्ष के घायल युवक मोहल्ला बिरतिया स्थित मिनारा मस्जिद के पास निवासी लकी पुत्र शाहनवाज ने आरोप लगाया कि वह शाम को घर लौट रहा था तभी दूसरे पक्ष के कुछ युवकों ने उसे घेरकर बेरहमी से पीटा। दूसरी ओर घायल सरताज पुत्र अब्दुल वाहिद निवासी धमेकालाल का कहना है कि लकी पक्ष के लोगों ने उसे बेवजह घेरकर मारा-पीटा। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक युवक तमंचा से फायर करते नजर आ रहा है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अवैध असलाह से फायरिंग करने का भी आरोप लगाया है। एक घायल ने तो खुद पर गोली लगने का दावा किया है। वहीं थाना प्रभारी विष्णु कांत तिवारी ने बताया कि दोनों पक्षों से ईंट-पत्थर चले हैं तथा एक-एक व्यक्ति घायल हुआ है। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। यहां हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों पक्षों की तरफ से तहरीर दी जा चुकी है। वहीं पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

सीसीटीवी फुटेज में तमंचे के साथ युवक।

तीन प्रतिभावानों के 'ह्यूमन हेल्पिंग रोबोट' ने रचा इतिहास

सफल छात्रों का उत्साह बढ़ाते प्रबंधक त्रिलोकीनाथ चतुर्वेदी, प्रधानाचार्य व विद्यालय स्टाफ, साथ में रोबोट। अमृत विचार

संवाददाता तिर्वा, कन्नौज

अमृत विचार। तिर्वा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रतिभावान छात्र आदर्श, यशवर्धन और देवराज ने तकनीकी जगत में नया इतिहास रच दिया है। विद्यालय की अटल टिंकरिंग लैब में तैयार किया गया इनका प्रोजेक्ट 'ह्यूमन हेल्पिंग रोबोट' राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ और लगातार दो बड़े मंचों पर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की।

छात्रों द्वारा बनाया गया यह रोबोट खनन (माइनिंग) के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में अत्यंत सहायक है। यह मानवरहित स्वायत्त रोबोट ड्रिलिंग, विस्फोट, सुरक्षित क्षेत्रों से अयस्क परिवहन जैसे कार्य करके मानव जीवन को जोखिम से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस प्रोजेक्ट को आई आई टी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 100 प्रोजेक्ट्स में नीति आयोग की ओर से टॉप 5 में स्थान मिला है। साथ ही 26 नवंबर को एस जी टी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम में आयोजित सयनर्जी 2025,टेक्नो ईस्ट में भी इस प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया गया और प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

दुर्घटना में बाइक सवार की मौत छात्रा घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। तेजी व लापरवाही चलाते हुए बाइक सवार ने साइकिल से घर लौट रही छात्राओं के टक्कर मार दी और खुद भी सड़क पर गिर गया। इससे बाइक सवार की मौत हो गई जबकि छात्रा घायल हो गई। परिजनों ने घायल छात्रा के नगर के सीएचसी में भर्ती कराया।

शनिवार की दोपहर करीब 03 बजे ग्राम गौहनाखेड़ा निवासी मोनू (30) पुत्र उमाशंकर बाजार करने के बाद बाइक से कटकैया मार्ग से लौट रहा था। तभी उसकी बाइक ग्राम टपकापुर के सामने अनियंत्रित हो गई और साइकिल से घर लौट रही छात्राओं से टकरा गई। इससे ग्राम भज्जापुर्वा निवासी कक्षा 09 की छात्रा माधुरी व सोनी घायल हो गई। मोनू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को देख स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर लग गई। घायल छात्रा को एंबुलेंस की मदद से नगर के सीएचसी में भर्ती कराया गया। समधन चौकी प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने शव का पंचनामा भरकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्यालय में शिक्षकों के साथ बैठक करते डीआईओएस पप्पू सरोज। अमृत विचार

कक्षा 09 के विद्यार्थियों का मिड लाइन असेसमेंट 15 दिसंबर को

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- डीआईओएस ने कार्यालय में राजकीय स्कूलों के शिक्षकों के साथ की बैठक

अमृत विचार। जिलेभर के सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 09 के छात्र-छात्राओं का 15 दिसंबर को सुबह 10 से साढ़े 11 बजे तक ''मिड लाइन असेसमेंट'' इम्तिहान कराया जाएगा। इसके लिए सभी प्रधानाचार्यों व स्कूलों के नोडल शिक्षकों की जिला विद्यालय निरीक्षक ने कार्यालय में बैठक ली।

शनिवार को हुई बैठक में डीआईओएस पप्पू सरोज ने कहा कि हिन्दी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विषय में परीक्षा होगी। इसमे ओएमआर शीट का प्रयोग होगा।

छात्र-छात्राओं का परख ऐप के माध्यम से लर्निंग आउटकम आधारित आंकलन किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के अधिगम स्तर का विश्लेषण कर उनकी कठिनाइयों/ अधिगम अंतर को चिह्नित कर उपचारात्मक शिक्षण के जरिए दूर किया जाएगा।

90 मिनट के समय में प्रत्येक विषय के 15-15 कुल 60 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। संचालन जिला समन्वयक समग्र शिक्षा अजय यादव ने किया व तकनीकी जानकारी सहायक लेखाकार अभिषेक मिश्रा ने दी। इस मौके पर नीतू गुप्ता, जितेंद्र यादव व शिवमोहन कुशवाहा भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने जैविक खाद बनाना सीखा

कन्नौज। 'हम बनेंगे हुनरमंद' कार्यक्रम के तहत ब्लॉक सदर क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय बेहरिन में एक दिवसीय कार्यशाला हुई। इसमें विद्यार्थियों ने सर्दियों में दालों से प्रोटीन युक्त सूप व जैविक खाद बनाना सीखा।

शनिवार को छात्रा अनुष्का, कार्तिक, नैन्सी व नारायण को लोहामढ़ की शिक्षिका रोशनी दुबे ने दालों से सूप बनाना सिखाया। बिलंदापुर नालाहार के शिक्षक अतुल दीक्षित ने मिट्टी से मूर्ति, स्कैच बनाना तो बहादुरपुर उज्जैना की प्रधानाध्यापक गुंजन भदौरिया ने पुराने अखबार से फूल व लिफाफे बनाने की बारीकियां बताईं। अध्यापक सुमित गुप्ता ने पुराने कपड़ों, रुई से पपेट निर्माण व हरीपुर्वा के प्रधानाध्यापक प्रदीप वर्मा ने जैविक खाद बनाना सिखाया। तालग्राम के शिक्षक आशुतोष दुबे ने बताया कि बच्चों की रुचि के अनुसार समूह विभाजित कर प्रशिक्षित शिक्षकों की सहायता से उनको विभिन्न कौशलों में पारंगत किया गया।

बहिष्कार — कलेक्ट्रेट पहुंचे सैकड़ों किसान, जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान

चकबंदी के विरोध में प्रदर्शन, 4 के बाद डीएम लगाएंगे चौपाल

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जलालाबाद में चकबंदी प्रक्रिया के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। इसका संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने 4 दिसंबर के बाद गांव में चौपाल लगाकर सुनवाई की बात कही।

शनिवार को सैकड़ो किसान चकबंदी विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी अनियमिताओं को लेकर चकबंदी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने की मांग कर रहे थे। इसके बाद जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अविनाश गौतम को सौंपा। कहा कि यदि चकबंदी प्रक्रिया पर रोक न लगी तो बड़ा आंदोलन करेंगे। हीरालाल ने कहा कि किसानों की जमीन की कटौती की जा रही है। कीमती जमीन को दोयम दर्जे में दिया जा रहा है। बिना सहमति उनके चक इधर से उधर कर दिए गए। चकबन्दी अधिकारी व कर्मचारी किसानों को आपस में भिड़ा रहे हैं। धन उगाही के आरोप भी लगाए। अतिरिक्त मजिस्ट्रेट ने जिलाधिकारी व चकबंदी अधिकारी से बात की। इसके बाद बताया कि जिलाधिकारी ने गांव में चार दिसंबर के बाद गांव में चौपाल लगाने की बात कही है। इसमें किसानों से बात करने के बाद कोई निर्णय लिया जायेगा।

कलक्ट्रेट में चकबंदी प्रक्रिया के विरोध में प्रदर्शन करते जलालाबाद के किसान। अमृत विचार

इस दौरान विनय अवस्थी, कल्लू दुबे, लोगी वर्मा, अमित वर्मा, शुभम दुबे, मनोज वर्मा, बीटू वर्मा, सुंदरलाल कुशवाहा, प्रधान मीना देवी, अमित दिवाकर, गोमती देवी, कल्लू दुबे, राहुल कुमार, कुशल बाबू, सोने लाल, आराधना देवी, मालती, मधु, कुसुमा समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन देते किसान यूनियन के पदाधिकारी। अमृत विचार

खाद संकट और नकली दवा से त्रस्त किसान, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

छिबरामऊ, कन्नौज। खाद की भारी किल्लत और नकली कीटनाशक दवाओं से परेशान किसानों में गुस्सा है। भारतीय किसान यूनियन (किसान) के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. रजनीश दुबे व जिला महासचिव आनंद तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि रबी फसल के लिए जरूरी यूरिया व डीएपी खाद की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। इस दौरान आनंद तिवारी, अभिषेक पाठक, शांतनु यादव, अखिलेश शाक्य, दिनेश चतुर्वेदी, रज्जन चतुर्वेदी, अनुज राजपूत, गौरव राजपूत, सौरभ ठाकुर, संतोष दुबे, रामकुमार आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने चार लोगों को किया जिला बदर

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 4 लोगों को जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। जिसमें जिला बदर किये गये अपराधियों में शिवराज पुत्र सीताराम निवासी लहोखर थाना दिबियापुर, रानू पांडेय पुत्र रामजी पांडेय निवासी मोहल्ला बनारसी दास थाना कोतवाली औरैया, प्रांशु चौबे पुत्र प्रमोद चौबे निवासी मोहल्ला बनारसी दास थाना कोतवाली औरैया एवं अवधेश शर्मा पुत्र रतीराम शर्मा निवासी खानजहांपुर चिरकुंआ थाना बिधूना को गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जिला बदर करने का फरमान जारी किया है। इन सभी अपराधियों पर विभिन्न थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हैं। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को निष्कासन अवधि के दौरान इन पर कड़ी नजर रखने एवं जनपद की सीमा में 06 माह तक प्रवेश न करने के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

मंदिर परिसर में खराब हैंडपंप।

कई महीनों से खराब हैंडपंप, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

फफूंद। ग्राम पंचायत केशमपुर में पिछले कई महीनो से बालाजी मंदिर के परिसर में लगा हैंडपंप खराब पड़ा है। जिसकी कई बार शिकायत की गई, मगर अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। जबकि हैंडपंप में री-बोर होना है। जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को दूसरी जगह से पानी लाना पड़ता है। ऐसे में इस समस्या को देखते हुए लोगों ने प्रधान से कहा। लेकिन प्रधान ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, जिससे लोगों में काफी नाराजगी दिखाई दे रही है। गांव के दीपचंद, राजकुमार, फूल सिंह, कैलाश बाबू, श्री कृष्ण, छोटे, कप्तान सिंह आदि ने बताया हैंड पंप में री-बोर होना है। इसके लिए कई बार बताया भी पर अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। समस्या को लेकर ब्लॉक भाग्य नगर के एडीओ संतोष तिवारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सचिव नंदराज यादव को मौके पर भेजेंगे और हैंडपंप में जो भी कमी होगी, उसकी जांच करा कर मरम्मत करवाएंगे।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की चली गई जान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- मंडी समिति के पास हादसा पुलिस ने ट्रक जब्त किया

अमृत विचार। शुक्रवार देर रात मंडी समिति के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। राहगीरों ने आनन-फानन घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पर डॉक्टरों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया।

बरमुपुर निवासी अंकुल पुत्र शिव कुमार फल का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता था, लेकिन कुछ समय से वह आढ़त पर काम कर रहा था। शुक्रवार रात वह किसी काम से मंडी समिति के पास सड़क किनारे खड़ा था। तभी अचानक एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे जिला अस्पताल औरैया पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे कानपुर ले गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंकुल अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में ले लिया है और उसके चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरसों तेल चोरी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। पुलिस ने सरसों तेल चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 7,240 लीटर चोरी का फॉर्च्यून सरसों तेल, एक टाटा ट्रक, एक हुंडई क्रेटा कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद तेल की कीमत 4.11 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने कोतवाली में वार्ता के दौरान बताया कि 20 नवंबर 2025 को जय हनुमान ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी अंकित गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मुरैना से गोरखपुर के लिए 15 लीटर के 1705 टीन सरसों तेल से भरा एक ट्रक भेजा गया था। इस ट्रक का चालक

पुलिस के हत्थे चढ़े तेल चोरी के आरोपी। अमृत विचार

आरोपियों के कब्जे से बरामद हुआ सामान। अमृत विचार

- पुलिस ने 7,240 लीटर तेल और ट्रक व कार बरामद

रहमुद्दीन था, लेकिन ट्रक निर्धारित समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंचा और चालक का मोबाइल भी बंद मिला। इसके बाद कोतवाली औरैया में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में कोतवाली औरैया, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। 29 नवंबर की रात चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी रहमुद्दीन को कानपुर देहात से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने तेल चोरी की बात कबूल की। रहमुद्दीन की निशानदेही पर पुलिस ने उरई स्थित एक मील से अन्य तीन आरोपियों को चोरी के तेल और क्रेटा कार के साथ गिरफ्तार किया। जांच में साक्ष्य मिलने के बाद क्रेटा कार सहित अन्य सामान को सीज कर दिया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने ट्रक में तेल के कनस्तर भरकर चोरी किए थे और उन्हें उरई में स्टॉक कर दिया था।

उन्होंने कुछ तेल फुटकर में बेच भी दिया था। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह, उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह, उपनिरीक्षक राममनोज द्विवेदी, समित चैधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

गणना प्रपत्र न देने वालों के घरों पर नोटिस लगाएं

जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर बीएलओ को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने एसआईआर को सफलतापूर्वक समय से पूर्ण कराने के लिए कार्य की धीमी प्रगति वाले नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्डों (बनारसी दास पश्चिमी, खानपुर) में पहुंचकर दरवाजे-दरवाजे दस्तक देते हुए गणना प्रपत्र प्राप्त होने तथा प्रविष्टियां पूर्ण कर जमा किए जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त की और कहा कि इस कार्य के लिए सभी का सहयोग जरूरी है तभी कार्य सही रूप से सफलता पूर्वक समय से संपन्न होगा।

उन्होंने कहा कि कार्य में जरा सी लापरवाही होने पर लोगों को शिकायत का अवसर मिलेगा इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि ड्यूटी में तैनात कार्मिक सुपरवाइजर आदि किए गए/ किए जा रहे कार्य की प्रतिदिन अपने स्तर से समीक्षा करें। यदि कहीं कोई किसी कारण से गणना प्रपत्र वितरण/ जमा करने की प्रक्रिया अधूरी है तो उसे तत्काल पूर्ण करें। उन्होंने बीएलओ सहित संबंधित को निर्देशित किया कि जिनके द्वारा किसी कारण से गणना प्रपत्र वापस नहीं दिए जा रहे उनके दरवाजे पर नोटिस चस्पा करें और अपनी पंजिका में संबंधित के संबंध में टिप्पणी भी अंकित करें। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की कार्यवाही से किसी भी दशा में छूटने न पाए और यदि किसी के द्वारा यह अवगत कराया जा रहा है वह अपने अन्यत्र स्थान पर मतदाता के रूप में रहेगा तो इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप कार्रवाई करें।

वार्डों का निरीक्षण करते डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

साथ-साथ यह भी बताएं कि दो स्थानों पर मतदाता होना अपराध की श्रेणी में होगा। इसलिए वह एक ही स्थान पर मतदाता बनने की कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र में इस कार्य में अच्छा सहयोग करने वाले सभासद को उसके क्षेत्र में विकास कार्यों को कराए जाने के लिए अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की जाएगी। इसके बाद डीएम ने ग्राम पंचायत भाऊपुर में पहुंचकर गणना प्रपत्रों की कम प्रगति पर संबंधित बीएलओ को निर्देश दिए कि गणना प्रपत्र जमा करने का कार्य कल सायं तक प्रधान सहित अन्य के साथ सहयोग प्राप्त करते हुए शत-प्रतिशत पूर्ण करें। साथ ही गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कल विशेष अभियान के अंतर्गत अवशेष कार्य पूर्ण कर लिया जाए। इस अवसर पर प्रभारी तहसीलदार सदर प्रकाश चौधरी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद राम आसरे कमल, सुपरवाइजर, बीएलओ, ग्राम प्रधान, सभासद सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

गौआश्रय स्थलों में सर्दी से बचाव की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- डीएम ने ऑनलाइन मीटिंग के दौरान मातहतों को दिए निर्देश

अमृत विचार। डीएम डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने जूम मीटिंग के माध्यम से कार्यों की समीक्षा के दौरान गौआश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंशों को सर्दी से बचाव हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं यथा टाट पट्टी सहित अलाव आदि की व्यवस्थाएं समय रहते हुए पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कहा कि ग्राम प्रधानों व पंचायत सचिव आदि से संपर्क किया जाए जिससे व्यवस्थाएं यथावत सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद की प्री मैट्रिक व अनुसूचितजाति /जनजाति की छात्रवृत्ति फीडिंग /संस्थाओं द्वारा अग्रसारित की प्रक्रिया न किए जाने के कारण पोर्टल पर प्रगति प्रदर्शित नहीं हो रही है इसके लिए संबंधित विद्यालयों से संपर्क कर तत्काल अग्रसारित कराए जाने की प्रक्रिया पूर्ण कराएं जिस प्रगति सुनिश्चित हो सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह कल दिनांक 30 नवंबर को संचालित होने वाले विशेष अभियान में रुचि लेकर बूथवार कार्य की प्रगति का भ्रमणशील रहकर अवलोकन करते हुए पूर्ण कराएं। जिससे कार्य निर्धारित समय में समाप्त हो सके। उन्होंने समस्त तहसीलदारों को यह भी निर्देश दिए कि प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक कार्य के संपादन के उपरांत तहसील पहुंचकर शेष कार्य पूर्ण करते हुए प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान आमजन को यह भी अवगत करा दें कि यदि गणना प्रपत्र दो स्थान से भरा जाता है और मतदाता बनते है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके इसलिए गणना प्रपत्र एक स्थान से ही मतदाता बनने के लिए भरें। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए कंट्रोल रूम टोल फ्री नं. 1950 एवं दूरभाष संख्या - 05683-249533 के संबंध में भी लोगों को अवगत करा दें, जिससे वह अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए समाधान करा सकें।

हमले के दोषी को 10 वर्ष की सजा, पांच हजार का अर्थदंड

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- सदर कोतवाली के कस्बा खानपुर का मामला
- अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पारुल जैन ने सुनाई सजा

अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के खानपुर गांव में 11 साल पुराने हमले के मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पारुल जैन ने गोली मारकर घायल करने के दोषी विवेक उर्फ लल्लू दीक्षित को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता चंद्रभूषण तिवारी ने बताया कि यह मामला वर्ष 2014 का है। वादी यूनिस ने सदर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 21 जून 2014 को दोपहर 12 बजे यूनिस अपने साले खलील अहमद के साथ औरैया से खानपुर जा रहे थे। खानपुर में धर्मशाला के पास पहुंचने पर विवेक उर्फ लल्लू दीक्षित और उसके पिता गोविंद नारायण दीक्षित ने उन्हें रोका। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए अवैध वसूली का प्रयास किया।

इसी दौरान विवेक ने जान से मारने की नीयत से यूनिस पर गोली चला दी, जो उसके साले खलील अहमद के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की और पिता-पुत्र के खिलाफ हमले का आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शुक्रवार को अपर जिला जज प्रथम पारुल जैन ने इस मामले में निर्णय सुनाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता चंद्रभूषण तिवारी ने दोषी को कठोर सजा देने की पैरवी की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी पिता गोविंद नारायण दीक्षित को दोषमुक्त कर दिया। वहीं, विवेक को दोषी मानते हुए 10 वर्ष के कारावास की सजा और पांच हजार रुपये का लगाया। अर्थदंड अदा न करने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। दोषी को जिला कारागार इटावा भेज दिया गया है।

चेकिंग कर 10 वाहनों के किए चालान

संवाददाता, रुरुगंज

औरैया-इटावा बॉर्डर पर चेकिंग करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। कुदरकोट पुलिस ने औरैया-इटावा बॉर्डर पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें 10 वाहनों का चालान किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देश पर चलाया गया।

कुदरकोट प्रभारी थानाध्यक्ष रामबालक शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस के पास बड़े स्तर पर यह संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले और संदिग्ध वाहनों को रोककर उनकी गहनता से जांच की गई। पुलिस टीम ने नियमों का पालन न करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस चेकिंग में कुल 10 वाहनों के चालान किए गए, जिससे यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। कुदरकोट प्रभारी थानाध्यक्ष रामबालक शुक्ला ने बताया लगातार संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

बैठक कर तय की राष्ट्रीय लोक अदालत की रणनीति

औरैया। जनपद न्यायाधीश मंयक चौहान, डीएम इन्द्रमणि त्रिपाठी, एसपी अभिषेक भारती, सैफ अहमद अपर जिला जज तृतीय, महेश कुमार अपर जिला जज/सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण व औरैया के समस्त न्यायिक अधिकारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई। इसमें राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर चर्चा की गई।

अपर जिला जज व सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकार के सिविल वाद, राजस्व वाद, क्रिमिनल कम्पाउण्डेबल दांडिक वाद, बिजली चोरी से संबंधित वाद, स्टाम्प वाद, श्रम संबंधी वाद, धारा 138 एनआई एक्ट के वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, नगर पालिका के वाद एवं बैंक रिकवरी एवं अन्य प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित वादों में अपील नही होती है। अतः आप समस्त जनपद वासियों से अपील की जाती है कि दिनांक 13 दिसम्बर दिन शनिवार को समय प्रातः 10 बजे से जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वादों को निस्तारित करा राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं और सुलभ न्याय पाएं।

पेंशनर्स ने सभाकर ज्ञापन सौंपा

बिधूना, औरैया। जिलाधिकारी कार्यालय औरैया परिसर में शनिवार को सेवा निवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा औरैया की आम सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी अविनाश चंद्र मौर्य को सौंपा गया।

आम सभा में वक्ताओं द्वारा आठवें वेतन आयोग में पुराने पेंशनरों को भी शामिल करने का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। कहा गया कि इसके बावजूद भी सरकार न मानी तो 15 दिसम्बर को राष्ट्र व्यापी प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम संचालन एसके. चौधरी संप्रेक्षक द्वारा किया गया। सभा में हरगोविन्द सिंह गुप्ता जिला मंत्री, प्रमोद चन्द्र त्रिपाठी, नूरहसन, राधेश्याम शाक्य आदि कैबिनेट के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर अखिलेश चंद्र दुबे पूर्व प्रधानाध्यापक, रामनरेश दुबे रामनरेश त्रिपाठी, रविंद्र प्रताप सिंह गौर पूर्व प्रधानाध्यापक, रामनाथ त्रिपाठी , जगदीश चन्द्र दुबे पूर्व प्रधानाचार्य, रामसेवक यादव, बालकराम राजपूत , लतीफ खाँन शेख पूर्व प्रधानाध्यापक आदि पेंशनरों ने भाग लिया।

जिला कार्यालय-यू0पी0 कोआपरेटिव फेडरेशन लि0, जनपद- हमीरपुर

पत्रांक:पी0सी0एफ0/जि0का0/दलहन-तिलहन/ई-टेण्डर/2025-26/299 दिनांक:- 28.11.2025

अल्पकालीन पुनः ई-टेण्डर-नोटिस

पी0सी0एफ0 में विपणन खरीफ वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत क्रय किये जाने वाले दलहन / तिलहन (**मूंगफली, मूंग, उरद एवं तिल**) के **परिवहन/ हैण्डलिंग/बोरा खरीद कार्य** हेतु चित्रकूटधाम, मण्डल बांदा के हमीरपुर के क्रय केन्द्रों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र मूल्य धरोहर धनराशि, निविदा विशिष्टीकरण, निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी https/etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी जिला प्रबन्धक पी0सी0एफ0 हमीरपुर के कार्यालय से अथवा **दूरभाष नं0- 8765985042** पर की जा सकती है।

जिला प्रबन्धक
पी0सी0एफ0, हमीरपुर

कार्यक्रम

रैपिड ग्लोबल स्कूल में शुरू हुई तीन दिवसीय स्पर्धा

तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता, बिधूना

प्रमाण पत्रों के साथ प्रतिभागी व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। रैपिड ग्लोबल स्कूल में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार की सुबह 5 किमी. क्रॉस कंट्री दौड़ से हुआ। इस अवसर पर एक्जू. डायरेक्टर अनुपम प्रताप सिंह भदौरिया, एजूकेशन डायरेक्टर दीप्ति कमल राठौर तथा प्रधानाचार्य प्रशांत दीक्षित ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता में 5 किलोमीटर बालक वर्ग में हर्षित 9 (ई) प्रथम स्थान, ओम अवस्थी 9 (ब) द्वितीय स्थान तथा हर्ष कुमार 12 (ब-1) तृतीय स्थान पर रहे। 2.5 किमी बालिका वर्ग में नैन्सी 9 (द) प्रथम स्थान, नीमन 10 (ई) द्वितीय स्थान तथा अंजू पाल 11 (ब) तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके उपरांत विद्यालय के एज्यू. डाय. अनुपम प्रताप सिंह भदौरिया, एजूकेशन डाय. दीप्ति कमल राठौर, प्रधानाचार्य प्रशांत दीक्षित ने रैपिड बैण्ड की धुन के साथ विद्यालय के हैड बॉय और हैड गर्ल ने मार्च पास्ट की जिसकी सलामी एज्यू. डाय. अनुपम प्रताप सिंह भदौरिया ने ली। इससे पूर्व दीप प्रज्ज्वलन कर विद्यालय के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया । खेल प्रतियोगिता प्रारम्भ करने से पूर्व विद्यालय के कक्षा 11 के छात्रों द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित कर पूरे क्रीडांगन में परिक्रमा की तत्पश्चात विधिवत कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसमें 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर की रेस, लेग रेस, सेक रेस, जलेबी रेस, टॉफी रेस, लम्बी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक आदि थे। साथ ही विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गये।

इसमें सीसीए चैम्पियन ब्रह्मपुत्र हाउस, मार्चपास्ट में यमुना हाउस प्रथम, ब्रह्मपुत्र हाउस द्वितीय, ओवर ऑल चैम्पियन यमुना हाउस प्रथम, नर्मदा हाउस द्वितीय रहे। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। एक्जू. डायरेक्टर अनुपम प्रताप सिंह भदौरिया ने अपने उद्बोधन में बच्चों को बताया कि अपनी काबलियत को पहचान कर बेहतर इंसान बनें कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य प्रशांत दीक्षित द्वारा अपने धन्यवाद ज्ञापन में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी अध्यापक, अभिभावक एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद जनपद कन्नौज

पत्रांक:- 3145/के0जे0/स0अनु0/2025-26 दिनांक: 27.11.2025

अल्प कालीन ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदार/कॉन्ट्रैक्टर/वेन्डर्स को सूचित किया जाता है कि शीत कालीन हेतु जलौनी लकड़ी की आवश्यकता है जिसके लिए समस्त आपूर्तिकर्ता/अधिकृत विक्रेता को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग/ निकाय निधि से प्राप्त धनराशि से निविदा आमंत्रित की जाती है जो निम्न टेण्डर शेड्यूल पर होगी। उक्त निविदाएं **www.etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

क्र0सं0	नगर पालिका परिषद कन्नौज		प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1	Tender Release			
		Tender Download	28.11.2025 16:00	05.12.2025 13:00
		Bid Submission	28.11.2025 16:00	05.12.2025 13:00
	Bid Opening		06.12.2025 15:00	

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
कन्नौज

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जसवंतनगर। क्षेत्र के ग्राम नगरियानाह में शनिवार को एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान 43 वर्षीय देवेंद्र पुत्र सुरेश चन्द्र के रूप में हुई है। देवेंद्र ने अचानक घर के आंगन में लगे जाल में कपड़े का सहारा लेकर फांसी लगा ली। घरवालों ने जब उसे फंदे पर लटका देखा तो चीख-पुकार मच गई। परिवारजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक शुभम वर्मा और कांस्टेबल आलोक मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

इटावा। थाना वैदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत नगला बुधु में एक युवक ने किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जनवेद सिंह 48 वर्ष पुत्र फूलन सिंह निवासी नगला बुधु ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, परिजनों द्वारा उसे यूपीयूएमएस सैफई में भर्ती कराया गया, जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया। थाना वैदपुरा पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया।

पराली जलाने पर 50 हजार का जुर्माना

महेवा। फसल के अवशेष जलाने पर बीस किसानों से 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूल कर कोषगार में जमा कराया गया। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी कृषि हर्ष कुमार ने बताया कि पूरे विकास खंड क्षेत्र में विभिन्न ग्रामों से किसानों द्वारा पराली जलाए जाने की सूचना पर संबंधित क्षेत्र का दौरा किया। मौके पर 20 ग्रामों में विभिन्न किसानों द्वारा खेतों में फसल अवशेष जलाए जाने की पुष्टि हुई। इसी परिपेक्ष में संबंधित किसानों से 50 हजार रुपये जुर्माने की धनराशि वसूल कर उसको कोषागार में जमा कराया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की गई जान

इटावा। थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत पंचशील गांव के पास सड़क दुर्घटना में रामू 25 वर्ष पुत्र सुनील कुमार निवासी चन्दरपुर थाना सिविल लाइन इटावा गम्भीर रूप से घायल हो गया। परिजनों द्वारा उसे यूपीयूएमएस सैफई में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना जसवंतनगर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया।

विद्युत पोल से टकराई कार,बालिका की मौत

इटावा। थाना पछायगांव क्षेत्र के अंतर्गत जैतपुर और उदी मोड़ के बीच कार बिजली के पोल से टकराने से एक बालिका की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना पछायगांव क्षेत्र के अंतर्गत जैतपुर और उदी मोड़ के बीच कार अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकरा गई जिससे कार में सवार माही 12 वर्ष पुत्री शैलेन्द्र निवासी नया पुरा गली नम्बर तीन जमुना रोड देहात कोतवाली भिंड मध्य प्रदेश गम्भीर रूप से घायल हो गई उसे तत्काल जिला अस्पताल लाया गया जहां इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर ने बालिका को मृत घोषित कर दिया। थाना पछायगांव पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। घटना से मृतका के परिवार में कोहराम मच गया।

गायों व कुत्तों को पहनाई गयी रेडियम बेल्ट

फर्रुखाबाद। सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय के नेतृत्व में यातायात प्रभारी सतेंद्र कुमार ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अन्ना गायों और कुत्तों को रेडियम बेल्ट पहनाई। रेडियम बेल्ट की खासियत यह है कि ये रात या कम रोशनी में दूर से चमकती हैं। इससे वाहन चालकों को समय रहते सड़क पर पशुओं की मौजूदगी का पता चल जाता है। पुलिस ने नागरिकों से सड़क सुरक्षा और पशु संरक्षण में सहयोग करने की अपील की।

व्यापार फेडरेशन ने धरना वापस लिया

फर्रुखाबाद। रेलवे रोड के निर्माण को लेकर व्यापार फेडरेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने विद्युत विभाग और नगर पालिका के प्रमुख पदाधिकारी से भेंट की। धरने की बात से अवगत कराया। दोनों ही विभागों से सार्थक आश्वासन दिया। इस पर आंदोलन को आश्वासन तिथि तक के लिए वापस लिया गया।

चोरी की शिकायत से नाराज होकर किशोर ने की थी हत्या

वृद्धा की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी किशोर गिरफ्तार

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

- दुकान से रुपया चोरी करने की शिकायत से नाराज होकर वारदात को दिया था अंजाम

अमृत विचार। क्षेत्र के मोहकम नगर खेड़ा सिंघावली ग्राम पंचायत जसोहन में बीते 19 नवंबर को गांव से ही कुछ दूरी पर स्थित सरसों के खेत से सरसों का साग लेने गई 75 वर्षीय वृद्धा राममूर्ति की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि इस नृशंस वारदात को किसी अपराधी ने नहीं, बल्कि गांव के ही एक नाबालिग ने योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया था। मामले के उजागर होने पर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। मामले की जड़ घटना से करीब 15 दिन पहले की एक चोरी से जुड़ी है।

पुलिस के अनुसार वृद्धा अपने ही घर में एक छोटी सी दुकान किए हुए है। घटना से करीब 15 दिन पूर्व नाबालिग ने राममूर्ति की गुल्लक से 40 रुपये चोरी कर लिए थे। चोरी करते समय राममूर्ति के पति सूरतराम ने उसे पकड़ लिया और पत्नी को बताया। महिला राममूर्ति ने यह बात आरोपी के पिता को बताई, जिसके बाद पिता ने बेटे की पिटाई की।

इस दौरान राममूर्ति ने बीच-बचाव कर नाबालिग को छुड़ाया और नाबालिक से चोरी किये 40 भी वापस कराये। इसी बात से आहत होकर नाबालिग के मन में उनके प्रति गहरी रंजिश पैदा हो गई, जो आगे चलकर हत्या की वजह बनी। जांच में पता चला कि उसी दिन से आरोपी राममूर्ति की दिनचर्या पर नजर रख रहा था। घटना वाले दिन राममूर्ति सरसों का साग लेने खेत की ओर गई थीं। तभी आरोपी साइकिल से वहां पहुंचा और बातचीत के बहाने उन्हें पास के दूसरे खेत में ले गया। वहां उसने पहले उन्हें धक्का देकर गिराया। फिर गला दबाकर बेहोश कर दिया और फिर ईंट से सिर पर कई वार कर उनकी हत्या कर दी।

वारदात की घटना ने पूरे गांव को हिला कर दिया था। थानाध्यक्ष कमल भाटी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नाबालिग को सिंघावली पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। सीओ आयुषी सिंह ने बताया कि आरोपी नशे की लत से ग्रसित है और अनुशासनहीनता के चलते 9वीं कक्षा से एक स्कूल से निकाल दिया गया था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए नाबालिग को संरक्षण गृह भेज दिया है।

पुलिस ने यात्री के गायब बैग को ढूंढ कर उसे सौंपा

जसवंतनगर इटावा। शनिवार को एक बैग, जिसमें लाखों रुपये के सोने के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन समेत कीमती सामान रखा था। बैग किसी वाहन में छूट गया था। मालिक की सूचना पर सक्रिय हुई जसवंतनगर पुलिस ने मात्र दो घंटे में खोया हुआ बैग और उसमें रखा कीमती सामान बरामद कर उसके मालिक को सौंप दिया।

थाना क्षेत्र के ही दीपक किसी काम से बस स्टैंड के सामने स्थित एक मैरिज होम के पास पहुंचे थे। उन्होंने अपना कीमती सामान से भरा बैग एक वाहन की छत पर रख दिया। काम निपटाकर लौटते समय वह बैग लेना भूल गए। कुछ दूरी जाने के बाद उन्हें बैग का ध्यान आया, लेकिन तब तक वाहन इटावा की ओर निकल चुका था और बैग गायब था। दीपक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कमल भाटी के निर्देश पर पुलिस टीम सक्रिय हो गई। सिपाही अवनीश यादव और अंकित कुमार सहित पुलिस कर्मियों ने संबंधित मार्ग के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बैग को ढूंढ लिया और उसे वापस कर दिया।

122 जोड़ों ने थामा एकदूजे का हाथ

कार्यालय संवाददाता इटावा

वर वधु को आशीर्वाद देतीं सदर विधायक सरिता भदौरिया। अमृत विचार

- सदर विधायक सरिता भदौरिया ने वर-वधू को दिया आशीर्वाद

अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कराया गया, जिसमें कुल 122 जोड़ों की शादी करायी गयी। इनमें एक मुस्लिम जोड़ा भी शामिल था। सभी जोड़ों की कन्याओं ने अपने अपने वर को मालायें पहनाई, मुस्लिम कन्याओं का मौलिवियों द्वारा मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार एवं हिन्दू कन्याओं का विवाह हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार सभी रस्में अदा कर करायी गयीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सदर विधायक सरिता भदौरिया ने सभी वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी जोड़े सलामत रहें। आगे आने वाला आप सबका जीवन सुखमय हो यही कामना है। उन्होने कहा कि जितने जोडे. आज विवाह के बन्धन में बंध रहे हैं पत्नी पति का, पति पत्नी का सम्मान करें, घर के बड़े बुजुर्गो का सम्मान कर उनका भी आशीर्वाद लें, जब आप एक दूसरे का सम्मान करेंगे तो समाज में आपका भी सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीब, निर्धन, परिवारों की पुत्रियों की शादी कराने का लिया गया निर्णय बहुत ही सराहनीय है। ऐसी कन्याओं की शादी कराना बहुत ही पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज में सामाजिक गतिशीलता लाना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले जरूरतमन्द, निराश्रित, निर्धन परिवारों को शासन द्वारा 1 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत है, जिसमें कन्या को अनुदान के रूप में 60 हजार हजार रुपये उसके खाते में प्रदान किये जा रहे हैं, इसके साथ 25 हजार रुपये का सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रुपये खाना आदि व्यवस्था में किया जाता है।

उक्त अवसर पर पूर्व विधायक भरथना सावित्री कठेरिया, सचिन यादव जिला पंचायत सदस्य, प्रदीप तिवारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी संध्या रानी बघेल, जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास प्रिया शर्मा, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव, खण्ड विकास अधिकारी चकरनगर सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

टीके से छूटे बच्चों को सूचीबद्ध कर डयू लिस्ट तैयार करें : डीएम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। पल्स पोलियो एसआईएनडी अभियान जिला टास्क फोर्स की बैठक जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि ग्राम स्तर, ब्लॉक स्तर एवं तहसील स्तर पर रैली निकाली जाए। उन्होंने कहा कि टीका उत्सव से पूर्व समस्त आशाओं द्वारा एएनएम के नेतृत्व में उनके क्षेत्र में 0-5 वर्ष तक के टीकाकरण से छूटे हुये सभी बच्चों को सूचीबद्ध करते हुये डयू लिस्ट तैयार किया जाना है। इस हेतु उनके वीएचआईआर रजिस्टर में उपलब्ध सूचनायें एवं घर-घर भ्रमण द्वारा एकत्रित सूचनाओं तथा यूविन आंकड़ों का उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि टीका उत्सव के दौरान नियोजित किये जाने वाले प्रत्येक सत्र के पूर्व आशा/लिंक वर्कर एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा घर-घर जाकर संवाद के माध्यम से समस्त ऐसे परिवारों जहा टीके से छूटे बच्चे उपलब्ध है, में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाये। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय आशा द्वारा समस्त टीकाकरण हेतु ड्यु बच्चों को निर्धारित टीकाकरण दिवस पर टीकाकरण हेतु बच्चे की मां पिता की आईडी पहचान पत्र एवं मोबाइल नम्बर के साथ लाया जायेगा ताकि यूविन पोर्टल पर आवश्यकतानुसार पंजीकृत करते हुये टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे जो पूर्व में टीका प्राप्त कर चुके हैं परन्तु यूविन पर पंजीकृत नहीं है, के माता-पिता को उनके टीकाकरण कार्ड एवं पंजीकरण हेतु आवश्यक दस्तावेज एवं मोबाइल नम्बर के साथ टीकाकरण सत्र पर आशा द्वारा लाना सुनिश्चित किया जाये।

नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले जाने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी को 28 नवंबर 2025 को शाम करीब 4 बजे बहला-फुसलाकर ले जाया गया था। खोजबीन करने पर पता चला कि नींव करोरी निवासी सुभाष दिवाकर का पुत्र अभिषेक उसकी बेटी को ले गया है। इस कार्य में राजू के पुत्र नंदू ने अभिषेक का सहयोग किया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच चैकी प्रभारी सूर्य प्रकाश उपाध्याय को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जाम में फंसे सांसद, कार छोड़ चले पैदल

संवाददाता बकेवर इटावा

जाम में फंसे सांसद जितेंद्र दोहरे। अमृत विचार

- जाम के कारण कार्यक्रम में देरी से पहुंचे

अमृत विचार। कस्बा बकेवर में शनिवार को लगा भीषण जाम, आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों के लिए भी परेशानी का कारण बन गया। समाजवादी पार्टी के सांसद जितेंद्र दोहरे की गाड़ी भी जाम में बुरी तरह फंस गई, जिसके बाद उन्हें मजबूर होकर लगभग एक किलोमीटर पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना पड़ा।

सांसद भरथना रोड स्थित बकेवर में नव निर्मित यात्री प्रतीक्षालय का उद्घाटन करने जा रहे थे। कार्यकर्ता और स्थानीय नेता कई घंटों से सांसद के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे, परंतु नेशनल हाईवे पुल के नीचे, लखना-बकेवर मार्ग और भरथना मार्ग पर लगे भारी जाम के कारण उनका काफिला इटावा से आते समय आगे नहीं बढ़ सका। स्थिति बिगड़ने पर सांसद जितेंद्र दोहरे ने सुरक्षा कर्मियों के साथ वाहन छोड़कर पैदल ही कार्यक्रम स्थल की ओर रुख किया। लोगों ने बताया कि सांसद ने तेज कदमों से करीब एक किलोमीटर का रास्ता तय किया। उनके पहुंचते ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सांसद ने यात्री प्रतीक्षालय का फीता काटकर शुभारंभ किया।

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में निर्माण कार्यों, भारी वाहनों की आवाजाही और अव्यवस्थित ट्रैफिक प्रबंधन के चलते आए दिन जाम लगता है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है। उद्घाटन के दौरान सांसद ने कहा कि इस यात्री प्रतीक्षालय से आम लोगों को राहत मिलेगी और वह जल्द ही संबंधित विभागों से बातचीत कर जाम की समस्या का समाधान करवाएंगे।

खेत में नुकसान को लेकर महिला को पीटा

ताखा। थाना ऊसराहार क्षेत्र के गुजराती नगरिया निवासी विजय सिंह ने खेत संबंधी विवाद को लेकर पड़ोसी अनिल कुमार व उसके परिवार पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर उसका खेत भीमसेन के घर के सामने स्थित है, जिसकी उसने तारबंदी कर रखी है। आरोप है कि अनिल कुमार व उसके परिजन आए दिन खेत में घुसकर नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उसकी सरसों की फसल प्रभावित हो रही है। विजय सिंह ने बताया कि खेत को नुकसान पहुंचाने की शिकायत उसने अपनी पत्नी पूजा के साथ मिलकर की थी। इसी बात से नाराज होकर 28 नवंबर दोपहर को अनिल, उसकी पत्नी और भीमसेन की पत्नी ने गाली-गलौज करते हुए उन पर हमला कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट में उसकी पत्नी पूजा को चोटें आईं।

स्लीपर बसों व ट्रकों की चेकिंग दो ट्रक सीज

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के निर्देशन में शनिवार को अमित त्यागी सहायक आयुक्त (राज्य कर) सचल दल फतेहगढ़ के साथ स्लीपर बसों में माल ढोने की शिकायत पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बिना प्रपत्र माल ढोते हुए स्लीपर बस संचालित नहीं पाई गई।

इसके अतिरिक्त तीन ट्रकों में ओवर हाइट माल लदा होने के आरोप में चालान किया गया तथा दो ओवरलोड ट्रक भी सीज किये गये। परिवहन विभाग द्वारा आज की कार्रवाई में 11 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1.27 रुपये लाख का जुर्माना लगाया गया। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डीएम ने कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देते डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में एसआईआर अभियान में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सम्मान समारोह में 192 कायमगंज विधानसभा के 17 बीएलओ, 193 अमृतपुर के 5 बीएलओ, 194 फर्रुखाबाद के 6 बीएलओ व 195 भोजपुर विधानसभा के 17 बीएलओ को माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर जिलाधिलारी द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिलारी ने कार्य पूर्ण करने बाले सभी बीएलओ की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि आपने राष्ट्रीय महत्व के कार्य को समय से पूर्ण किया है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

विद्युत विभाग ने एक लाख से अधिक बकाया वसूला

फर्रुखाबाद। नवाबगंज नगर के मुख्य बाजार मार्ग पर विद्युत विभाग ने एक चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान विभाग की टीम ने एक लाख रुपये से अधिक के बिजली बिल बकाया वाले उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे और उनके मीटर उखाड़कर बिजली घर में जमा कराए। इस दौरान टीम ने एक लाख रुपये भी जमा किए। नोडल अधिकारी गोपाल मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई बकायादारों के खिलाफ की गई है। इस कार्रवाई से बकायादारों में हडकंप मच गया है। मिश्रा ने यह भी बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बिल में गड़बड़ी है या अधिक बकाया है, वे आगामी छूट योजनाओं में बिल जमा कर सकते हैं या उन्हें सही करवा सकते हैं।

महिलाओं को जागरूक कर बताए गए हेल्पलाइन नंबर

संवाददाता, अमृतपुर

अमृत विचार। थाना पुलिस ने अभियान चलाकर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया। मिशन शक्ति 5 के तहत हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी।

नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमृतपुर पुलिस ने क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया।इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जिसमें 1098 चाइल्ड लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकाल सेवा, 1090 महिला पॉवर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस हेल्पलाइन की विस्तृत जानकारी दी ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराध, सुरक्षा उपायों, अधिकारों, आत्मनिर्भरता तथा महिला सशक्तिकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

उत्तर प्रदेश में राज्य के सभी 1647 थानों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना की गई है। यह केंद्र महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक समर्पित सहायता प्रणाली के रूप में कार्य कर रहे हैं। शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम एसआईआर प्रभारी बनाए गए सपा के राष्ट्रीय सचिव का किया स्वागत

भाजपा के षड्यंत्रों से सावधान रहें कार्यकर्ता

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

सपा कार्यालय में बैठक को संबोधित करते राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार।

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा-निर्देश पर फर्रुखाबाद जनपद के एसआईआर प्रभारी बनाए गए सपा के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार का आगमन समाजवादी पार्टी कार्यालय में हुआ। उनके स्वागत के लिए कार्यालय परिसर में नेताओं, पूर्व विधायकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने बताया कि जनपद के सभी सातों ब्लॉकों में ब्लॉक प्रहरियों द्वारा एसआईआर. कार्य पूरी मजबूती के साथ चल रहा है। उन्होंने यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि आगामी पांच दिनों में कार्य में और अधिक तेजी लाते हुए दोगुनी गति से सभी फॉर्म अपलोड कराए जाएं।

राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार ने कहा कि यह समय आपसी कटाक्ष का नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत करने का है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर एक-एक फॉर्म सुनिश्चित रूप से भरवाएं और अपलोड कराएं, क्योंकि यदि हम वोट सुरक्षित रख पाए तो आने वाले समय में समाजवादी सरकार बनना निश्चित है। उन्होंने चेताया कि यदि वोट सुरक्षित नहीं रख पाए, तो केवल भाषणों से काम नहीं चलेगा। कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी सरकार की नई-नई चालों और षड्यंत्रों से सावधान रहने की जरूरत है, तथा हर पल संगठन के कार्य की ओर ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व विधायक जमालुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत, दर्जा मंत्री रहे एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राम सेवक यादव, शमशाबाद ब्लॉक प्रहरी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष नदीम अहमद फारूकी, मोहम्मदाबाद ब्लॉक के प्रहरी आकाश शाक्य, प्रदेश सचिव एवं बढ़पुर ब्लॉक के एसआईआर. प्रहरी मंदीप यादव,जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह यादव एडवोकेट, जिला प्रवक्ता विवेक सिंह यादव आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थिति ब्लाक प्रहरियों ने एवं विधानसभा अध्यक्षों ने अपने-अपने कार्य का ब्यूरो प्रभारी के समक्ष रखा।

ट्रैक्टर की टक्कर से अधेड़ की मौत, मचा कोहराम

संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। लघु शंका के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली ने एक अधेड़ को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई।

शमशाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम छिछोनापुर पट्टी एवं वर्तमान निवासी मोहल्ला बाग, शमशाबाद निवासी अनिल कुमार राजपूत (50) पुत्र रघुवीर सिंह शनिवार को घर के बाहर लघु शंका कर रहे थे इसी दौरान सामने से आई ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे अनिल कुमार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शमशाबाद ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसों में 7 घायल, तीन की हालत गंभीर

कायमगंज। कायमगंज क्षेत्र में अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें तीन की हालत गंभीर है। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी रवी (23) कम्पिल थाना क्षेत्र के गांव किंदर नगला निवासी इमरान (25) कोतवाली क्षेत्र के गांव सत्तार नगर निवासी राजेंद्र (60) व ग्रीस चंद्र (65) थाना मेरापुर क्षेत्र के गांव बिजौली निवासी राम लखन (26) कोतवाली क्षेत्र के गांव जिराऊ निवासी संतोष (28) कोतवाली क्षेत्र के गांव ममापुर निवासी मिथलेश (25) पत्नी बबलू घायल हो गए। आसपास के मौजूद लोगों व 108 एम्बुलेंस की सहायता से सभी गंभीर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने राजेंद्र, ग्रीशचंद्र व संतोष की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

रोडवेज बस अड्डे पर यात्री से मारपीट व लूटपाट

फर्रुखाबाद। रायबरेली के खिरोह क्षेत्र के जोगापुर निवासी ज्ञानेंद्र सिंह पुत्र जयकर सिंह अपनी बहन के यहां गुरसहायगंज जाने के लिए घर से निकले थे। फर्रुखाबाद रोडवेज बस अड्डा पर उतरे थे। देर रात बस अड्डे पर कुछ अज्ञात लोगों ने ज्ञानेंद्र सिंह को पकड़ लिया। वे उन्हें एक एकांत स्थान पर ले गए, जहां उनके साथ मारपीट की और उनके पर्स में रखे पांच हजार, मोबाइल फोन तथा अन्य सामान छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद ज्ञानेंद्र सिंह ने किसी तरह एक राहगीर से मदद मांगी। राहगीर ने 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में भर्ती कराया। जिला अस्पताल लोहिया से इस घटना की सूचना थाना कादरीगेट पुलिस को भेज दी गई है। कादरीगेट थानाध्यक्ष कपिल चौधरी ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 30 नवंबर 2025 महोबा

न्यूज ब्रीफ

स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

महोबा। कानपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग में मदीना मस्जिद चौराहे पर स्पीड ब्रेकर न बनने से दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। अक्सर इस चौराहे पर तेज रफ्तार से आने वाले वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। इस चौराहे पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की मांग पूर्व नगर पालिका सदस्य बाबू मंसूरी ने की है ।

डीएपी की तरह यूरिया खाद को लेकर मारामारी

अजनर महोबा । अजनर साधन सहकारी समिति मे 500 बोरी खाद आई थी आज जैसे ही बंटने की खबर लगी तो सुबह से ही किसानों का तांता लग गया । चेकबुक वालों को ही दी गई, जिसके चलते करीब 300 किसान वापस लौट गये।

सड़क दुर्घटना में तीन महिलाएं घायल

इटावा। थाना चकरनगर क्षेत्र के अंतर्गत इंडेन पेट्रोल पम्प के पास सड़क दुर्घटना में तीन महिलाएं घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार इंडेन पेट्रोल पम्प के पास चकरनगर में किसी वाहन की टक्कर लगने से मोहनी पत्नी विकास कुमार, निमिता पत्नी सुभाष कुमार, गुड्डी देवी पत्नी मुनेंद्र सिंह घायल हो गईं।

पेंशनरों ने कटोरी बजाकर निकाला मौन जुलूस

संगठन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा, सरकार के खिलाफ जताया रोष

कार्यालय संवाददाता महोबा

कटोरी बजाकर मौन जुलूस निकालते पेंशनर। अमृत विचार

एडीएम को ज्ञापन सौंपते पेंशनर। अमृत विचार

अमृत विचार। पेंशनरों की समस्याओं को लेकर वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के तत्वावधान में शनिवार को पेंशनरों ने मौन जुलूस निकालकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। जुलूस के दौरान पेंशनर हाथों में कटोरी चम्मच बजाते हुए चल रहे थे।

जुलूस कचहरी स्थित पेंशन भवन से आरम्भ हुआ और कचहरी परिसर पर पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गया, जहां पर संस्थान के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए और इसके बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी शिव ध्यान पाण्डेय को सौंपकर समस्याओं का निस्तारण कराए जाने की मांग की। साथ ही समस्याओं का निस्तारण न होने पर संगठन 17 दिसम्बर को प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपे जाने की रणनीति बनाई गई है।

शनिवार की सुबह करीब ग्यारह बजे से जिले के पेंशनर हाथों में कटोरी और चम्मच लेकर पेंशनर्स भवन में एकत्र हुए। इसके बाद सभी ने कटोरी और चम्मच बजाते हुए मौन जुलूस निकाला। जुलूस परमानंद चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड, आल्हा चौक से होते हुए सदर तहसील प्रांगण पहुंचकर समाप्त हुआ। इस अनोखे तरीके से निकाले गए मौन जुलूस को देखने के लिए लोगों की खासी भीड़ नजर आई। जुलूस के बाद तहसील परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के महामंत्री बीके तिवारी ने कहा कि कहा कि जब देश के उपराष्ट्रपति सहित जनप्रतिनिधियों की चार चार पेंशन समय समय पर बढ़ायी जाती रहती हैं तो सरकारी सेवानिवृत्त कार्मिकों की पेंशन को आठवें वेतन आयोग की शर्तों से गायब किया जाना सरकार की पेंशन बंद करने की साजिश है। वहीं संस्थान के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्त कार्मिकों के लिए पेंशन कोई खैरात नहीं है। पेंशन, पेंशनरों द्वारा जीवन भर देश व प्रदेश की सेवा का प्रतिफल है। यदि सरकार ने समय रहते ध्यान न दिया तो पेंशनर अपने वोट की शक्ति का इस्तेमाल करेंगे।

पेंशनरों ने सभा के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि आठवें वेतन आयोग की टर्म्स ऑफ रिफरेंस में पेंशनरों को सम्मिलित किये जाने सहित राशिकरण की कटौती 11 वर्ष, 18 महीने का डीए का भुगतान दिलाया जाए। डिजिटल परिचय पत्र, पेंशन संगठन के अध्यक्ष, महामंत्री का सचिवालय पास, चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों का समय से निस्तारण कराया जाए। दीनदयाल उपाध्याय कैश लेस व्यवस्था में सभी शिक्षकों को सम्मिलित किये जाने आदि प्रमुख मांगों का निस्तारण कराए जाने की मांग की। इस अवसर पर शिवकुमार त्रिपाठी, अरविन्द खरे, रामशरण त्रिपाठी, ईश्वरी प्रसाद तिवारी, कालका प्रसाद गुप्ता, ओपी सिंह, अरुण खरे, इस्तियाक खां, जगदीश कुमार, महेन्द्र गुप्ता, बसंतलाल गुप्ता, बाबूलाल नायक, योगेश पाठक, पुष्पा सक्सेना, शहनाज परवीन, इन्द्रमा, गीता पाण्डेय, सत्यभामा, कमलेश शर्मा आदि मौजूद रहीं।

66 कृषकों से 1918 क्विंटल मूंगफली की खरीद हो चुकी

कार्यालय संवाददाता महोबा

- उर्वरक का 7813 और यूरिया का 12120 मीट्रिक टन लक्ष्य निर्धारित हुआ

अमृत विचार। रबी अभियान प्रारम्भ होते ही सहकारिता विभाग में फास्फेटिक उर्वरक (डीएपी एवं एनपीके) का लक्ष्य 7813 मीट्रिक टन एवं यूरिया उर्वरक का लक्ष्य 12120 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। उपर्युक्त लक्ष्य से सापेक्ष 1 अक्टूबर से 27 नवम्बर 2025 तक फास्फेटिक उर्वरक 4786 मीट्रिक टन का वितरण हो चुका है साथ ही 28 नवंबर को 596 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक का स्टॉक बिक्री केन्द्रों पर अवशेष है। पीसीएफ बफर गोदाम में 604 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक एवं 4432 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है, जिसे आवंटित समितियों में प्रेषण किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने देते हुए बताया कि जिले में उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक है, जिसे किसान उसे नियमानुसार प्राप्त कर सकते है। उन्होंने सभी सम्बन्धित कृषकों से अनुरोध किया है कि किसान फार्मर रजिस्ट्री नजदीकी जनसुविधा केन्द्र (सीएससी) में जाकर रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें, जिससे उर्वरक मिलने में आसानी रहेगी। सहकारी समितियों से प्राथमिकता के आधार पर पहले समितियों के सदस्यों को डीएपी एवं यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराया जायेगा, इसके पश्चात फार्मर रजिस्ट्री वाले किसानों को नकद के रूप में भी दिया जायेगा। बताया कि जिले में दलहन तिलहन खरीद के अन्तर्गत मूंगफली खरीद के लिए 9 क्रय केन्द्र संचालित है, जिनमें अब तक 66 कृषकों से 1918 क्विंटल मूंगफली की खरीद हो चुकी है। किसान बन्धु मूंगफली विक्रय के लिए अपने नजदीकी जनसुविधा केन्द्र अथवा नौ क्रय केन्द्रों में से किसी एक पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कराकर मूंगफली की बिक्री कर सकते है और एक क्विंटल मूंगफली का क्रय रेट 7263 रुपये निधारित किया गया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

अधिक सवारी बैठाकर सड़क पर दौड़ता वाहन। अमृत विचार

यात्रियों की जान जोखिम में डाल दौड़ रहे डग्गामार वाहन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चल रहे डग्गामार वाहनों पर प्रशासन नहीं लगा पा रहा अंकुश

अमृत विचार। जहां एक ओर यातायात माह नवंबर के तहत जगह जगह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को सुरक्षित यात्रा करने के साथ साथ यातायात नियमों की सीख दी जा रही है। वहीं शहर से कुलपहाड़, चरखारी, पनवाड़ी और कबरई तक यात्रियों को सफर कराने वाले संचालित डग्गामार वाहन यात्रियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। डग्गामार वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियों को ये डग्गामार वाहन बैठकर उनकी जान जोखिम में डालकर सफर कराकर मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं और प्रशासन इन डग्गामार वाहनों पर अंकुश लगाने में कोई ध्यान नहीं दे रही है।

गौरतलब है कि शहर के परमानंद तिराहे के समीप से डग्गामार वाहनों का चरखारी, कुलपहाड़, पनवाड़ी, कबरई सहित अन्य कस्बों व गांवों के लिए संचालन किया जाता है और वहीं पर ही सबसे ज्यादा ट्राफिक पुलिस तैनात रहती है और समय समय पर चेकिंग अभियान चलाया जाता है, बावजूद इसके डग्गामार वाहन यातायात नियमों को ताख पर रखते हुए सड़कों पर दौड़ रहे हैं। डग्गामार वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाकर उन्हें गन्तव्य स्थानों तक पहुंचाते हैं साथ ही बीच रास्ते में अगर आसपास गांव की सवारियों मिल जाती है तो उन्हें भी वाहन के पीछे और साइड पर खड़ा कर दिया जाता है जो यात्रियों की जिंदगी के लिए खतरनाक साबित हो सकता है । प्रति दिन सैकड़ों की संख्या में यात्री इस मार्ग पर सफर करने के लिए डग्गामार वाहनों का प्रयोग कर जान जोखिम में डाल रहे हैं और ये वाहन बिना रोक टोक के क्षमता से अधिक सवारियां भरकर फर्राटा भरते कभी भी देखे जाते है।

समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी, डॉ. एलसी अनुरागी सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से इस ओर ध्यान अकर्षिक करते हुए इन वाहनों पर कार्रवाई कर अंकुश लगाए जाने की मांग उठाई है।

पंचायत चुनाव से पहले बजट ठिकाने लगाने में जुटे प्रधान

संवाददाता बेलाताल महोबा

अमृत विचार। पंचायत चुनाव आने से पूर्व प्रधान बजट ठिकाने लगाने में जुटे हैं, मनरेगा का कार्य मजदूरों के बजाय जेसीबी मशीन से कराया जा रहा है और मजदूरों से काम होना दिखाया जा रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से की है।

मामला जैतपुर विकासखंड के बडखेरा गांव का है, जहां चकरोड और जलरोक बांध निर्माण कार्य आशाराम के खेत तक लाल मिट्टी बिछाई गई है। बरखेड़ा के जितेंद्र सिंह ने आरोप लगाया है कि देर रात निकट के पहाड़ से अवैध खनन कर लाल मिट्टी निकाल कर सड़क पर बिछाई गई। जेसीबी मशीन से जिस समय खनन किया गया उस समय आधा दर्जन असलहाधारी दबंग मौके पर डटे रहे। असलहाधारी दबंगों को देखकर किसी ने मौके पर पहुंचने की हिम्मत नहीं जुटाई।

गांव के मूरत सिंह कहते हैं यदि कार्य मनरेगा से हुआ तो आसपास खंती होना चाहिए, पर एक भी खंती नहीं है, इससे पूर्व सैकड़ों बार पहाड़ ग्राम समाज का होना बता कर लाल मिट्टी बेची गई है। ठेकेदार ने मामले का खुलासा होने के बाद 64 मजदूरों को मौके पर भेज फोटोग्राफी कराई है, अवैध खनन और रॉयल्टी की चोरी होने की शिकायत मिलते ही जिला खनिज अधिकारी आरबी सिंह ने टीम भेज मौके की रिपोर्ट मांगी है, जैतपुर विकासखंड में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा सरमन यादव कहते हैं। उन्हें जेसीबी से लाल मिट्टी बिछाई जाने की कोई शिकायत नहीं है, तकनीकी सहायक सूरज यादव ने बताया कि प्रधान मनमानी करेंगे तो वह मेजरमेंट नहीं करेंगे।

परीक्षा के दौरान नहीं पकड़ा गया एक भी नकलची

संवाददाता कुलपहाड़ महोबा

- शांतिपूर्ण ढंग से पहले दिन संपन्न हुई बीयू झांसी की सेमेस्टर परीक्षा

परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी की कापी देखते प्रोफेसर। अमृत विचार

अमृत विचार। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी की वार्षिक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शनिवार से शुरू हो गई हैं। नगर के जय बुन्देलखण्ड डिग्री कालेज, श्रीकिशोर गोस्वामी महाविद्यालय व एसके महाविद्यालय में परीक्षाएं नकलविहीन व शांतिपूर्ण ढंग से कराई जा रही है। महाविद्यालयों की चल रही परीक्षाओं को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के साथ-साथ शासन के दिशा निर्देशों के कराने के लिए कालेज प्रबंधन कड़ी मेहनत के साथ जुटा हुआ, जिससे प्रथम दिन की परीक्षा में एक भी नकलची नहीं पकड़ा गया।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी की वार्षिक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं आरम्भ हो गई है। इन परीक्षाओं को सम्पन्न कराने के लिए शासन के निर्देशानुसार कक्षों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों की हर हरकत को देखा जा सके। नगर क्षेत्र में जय बुन्देलखण्ड महाविद्यालय, श्री किशोर गोस्वामी महाविद्यालय एवं एसके महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के प्रथम दिन जय बुन्देलखण्ड परीक्षा केन्द्र पर प्रथम पाली हिन्दी साहित्य पंचम सेमेस्टर में 100 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 4 अनुपस्थित रहे, जबकि बीएससी की परीक्षा में सभी 13 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार श्री किशोर गोस्वामी महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र में पंचम सेमेस्टर हिंदी साहित्य के 87 पंजीकृत थे, जिसमें 5 छात्र अनुपस्थित हुए। जबकि बीएससी परीक्षा देने वाले समस्त सात परीक्षार्थी मौजूद मिले।एसके महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र में हिन्दी पंचम सेमेस्टर की प्रथम पाली में 6 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि बीएससी के सात परीक्षार्थियों ने परीक्षा में उपस्थित होकर अपना अपना पेपर हल किया। अतिरिक्त केन्द्राध्यक्ष कृष्णकांत प्रजापति ने बताया है कि विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में नकल विहीन आयोजित कराई जा रही है। परीक्षार्थियों की गेट सर्च के साथ साथ परीक्षा कक्षों में भी जामा तलाशी के साथ शांतिपूर्ण ढंग से प्रथम दिन की परीक्षाएं सम्पन्न हुई और कोई भी परीक्षार्थी नकल करते नहीं पाया गया है।

साप्ताहिक परेड में एसपी ने पुलिस बल की कराई दौड़

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी लेते हुए परेड का सूक्ष्म एवं प्रभावी निरीक्षण किया। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल की शारीरिक फिटनेस, मानसिक सजगता, अनुशासन, समन्वय एवं ड्रिल कौशल की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने उपस्थित आरटीसी आरक्षियों एवं पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को बेहतर शारीरिक क्षमता एवं सहनशक्ति विकसित करने के लिए सामूहिक दौड़ कराई। परेड के उपरांत टोलीवार निरीक्षण किया गया।

पुलिया ध्वस्त होने से ग्रामीण हो रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता महोबा

टूटी पड़ी पुलिया। अमृत विचार

अमृत विचार। कुड़ई बसरिया गांव के मुख्य मार्ग में बनी पुलिया बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी आज तक पुलिया का निर्माण न कराए जाने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हुए लोक निर्माण विभाग से पुलिया का निर्माण कराए जाने की मांग उठाई है ।

ग्राम पंचायत कुडई बसरिया निवासी मनीष तिवारी ने बताया कि अधिक बारिश होने से मार्ग में पुलिया धंस गई, जिससे लोगों को इस मार्ग का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बताया कि पुलिया ध्वस्त हो जाने के कारण ग्रामीणों को कई किमी. की दूरी तय करके अपने गन्तव्य स्थानों तक जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। बताया कि ग्रामीणों को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब किसी मरीज को वाहन से अस्पताल ले जाना हो या किसी इमरजेंसी कार्य से किसी को जाना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि कुडई में साधन सहकारी समिति है, जहां खाद वितरण का कार्य होता है। पुलिया टूटी होने के कारण इस बार खाद का वितरण थूरट से किया गया, जिससे स्थानीय किसानों को खाद नहीं मिल पाई। ग्रामीणों ने इस बावत कई बार संबन्धित अधिकारियों से शिकायत की। इसके बावजूद भी इस ध्वस्त पुलिया का निर्माण नहीं हो सका। ग्रामीणों ने बताया कि यदि पुलिया का निर्माण नहीं हो पा रहा है तो उसमें मिट्टी डलवा दी ताकि लोगों को आवागमन की समस्या से कुछ हद निजात मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिया का निर्माण या मिट्टी नहीं डलवाई गई तो जिलाधिकारी से मिल कर फरियाद की जायेगी।

इंडियन इंटरनेशनल सांइस फेस्टिवल में दस बच्चे चयनित

संवाददाता बेलाताल महोबा

- बच्चों के चयन होने से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर

अमृत विचार। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में 6 सितम्बर से 9 दिसम्बर तक होने वाले इलेवन इंडियन इंटरनेशनल सांइस फेस्टिवल में एक ही विद्यालय से दस बच्चों का चयन होने से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है। कस्बा जैतपुर के मीना इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के थीम पर चयनित यह बच्चे विज्ञान से समृद्धि आत्मनिर्भर भारत के लिए पेपर एवं पोस्टर का प्रजेंटेसन देंगे।

देश के सबसे प्रतिष्ठित विज्ञान महोत्सव पर उत्तर प्रदेश कोटे से मीना पब्लिक स्कूल के छात्रों का चयन हुआ है। विद्यालय की प्रधानाचार्य स्वाति अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में भी स्कूल के बच्चे लखनऊ, कोलकता, भोपाल एवं गुवाहाटी, आईआईएसएफ में पेपर एवं पोस्टर प्रजेंटेशन दे चुके हैं।

चयनित विद्यार्थियों में मान्या पाठक, दिव्या चौरसिया, प्रिंशी, इशिका, नाव्या पाल, दिव्यांशी प्रजापति, देवांश यादव, आरव, शैरिफ अली एवं जिगर ब्यास शामिल हैं। विद्यालय ओर से प्रधानाचार्य व साइंस टीचर नितेश गुप्ता विज्ञान महोत्सव में स्कूल का नेतृत्व करेंगे।

क्रिकेट टूर्नामेंट मुख्य अतिथि जेपी अनुरागी ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्राफी व पुरस्कार देकर किया सम्मानित

सौरा को सुपर ओवर में हराकर मऊरानीपुर बना विजेता

संवाददाता पनवाड़ी महोबा

मंच पर बैठकर मैच देखते जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। ग्राम पंचायत सौरा में चल रहे क्रिकेट लीग का फाइनल मैच सौरा क्लब व मऊरानीपुर इलेवन के बीच हुआ। दोनों टीमों के बीच फाइलन मुकाबला बड़ा ही रोमांचक रहा। दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बल्ले व गेंद से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मैच टाई हो गया और मैच का सुपर ओवर में पहुंच गया। इसमें मऊरानीपुर ने सौरा टीम को हराकर टूर्नामेंट की ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। फाइनल मैच देखने के लिए गांव के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी सैकड़ों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे। अंत में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ने विजेता व उपविजेता टीम को शील्ड व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सौरा गांव के डॉ. भीमराव अम्बेडकर मैदान में पिछले एक सप्ताह से क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का आयोजन ग्राम प्रधान रामाधीन अहिरवार की देखदेख में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में आसपास क्षेत्र के अलावा बाहरी टीमों ने भी प्रतिभाग किया । टूर्नामेंट के फाइनल मैच का टॉस हरपालपुर नगर पालिका के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने उछाल कर किया, जिसे मऊरानीपुर के कप्तान ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।

मऊरानीपुर के ओपनर बल्लेबाजों की शुरूआती जोड़ी ने पांच ओवर तक बिना विकेट खोए 50 रन बनाए और निर्धारित 20 ओवर में टीम के बल्लेबाजों ने पांच विकेट के नुकसान पर विरोधी टीम के समक्ष 191 रनों का लक्ष्य रखा। लंच के बाद सौरा टीम के बल्लेबाजों ने भी रनों का पीछा किया और आखिरी ओवर की एक गेंद पर तीन रन बनाने थे, लेकिन दो रन बनाए जाने से मैच टाई हो गया और मैच सुपर ओवर में चला गया।

सुपर ओवर में सौरा टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दस रन बनाए, लेकिन मऊरानीपुर की टीम ने चार गेंदो में ही दस रन बनाकर फाइलन मुकाबला जीत लिया। मैच में अंपायर की भूमिका में महिपाल सिंह, सुरेंद्र कुमार रहे, जबकि स्कोरबोर्ड को आनंद ने संभाला और कमलेश पाल, संजू, आरिफ ने अपनी कमेंट्री से मैच का आंखो देखा हाल दर्शकों को सुनाया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी ने मैच के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को शील्ड के साथ 21 हजार रुपये तथा उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये की डमी चेक व खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष संजय द्विवेदी, दिनेश राजपूत, रोहित राजपूत, जुबैर खान, जयराम अहिरवार, छोटेलाल वर्मा जमुना प्रसाद सहित सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे।

लोग जमा नहीं कर रहे गणना प्रपत्र

संवाददाता कुलपहाड़ महोबा

एसआईआर फार्म जमा करने के लिए बैठे बीएलओ। अमृत विचार

- प्रपत्र जमा कराने के लिए बीएलओ मतदाताओं के घरों के काट रहे चक्कर

अमृत विचार। इस समय एसआईआर का कार्य अपने चरम पर है। जगह-जगह शिविर लगाकर गणना प्रपत्रों का काम किया जा रहा है, लेकिन कुछ मतदाता गणना प्रपत्रों को भरकर वापस जमा नहीं कर रहे हैं। इससे बीएलओ की समस्या की समस्या बढ़ गई है, जबकि एसआईआर को 4 दिसम्बर तक पूर्ण किए जाने के लिए चुनाव आयोग ने समय निर्धारित कर दिया है। बीएलओ गणना प्रपत्र जमा करने के लिए मतदाताओं के घरों के चक्कर काटने रहे हैं।

मालूम हो कि इस समय जगह जगह शिविर लगाकर एसआईआर गणना प्रपत्रों का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ ने घर घर जाकर गणना प्रपत्रों को वितरित किया था । इनमें से तमाम मतदाताओं ने अभी तक गणना प्रपत्र भरकर वापस बीएलओ को नहीं दिये हैं। इसके चलते इस कार्य में लगे कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है। बीएलओ के अलावा नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी व उनकी टीम भी इस एसआईआर के कार्यों को समय से पूरा कराने में लगी हुई है। शिविर में मौजूद अधिशासी अधिकारी प्रवेंद्र कुमार ने बताया कि हमारी टीम भी इस कार्य को समय से पूर्व सम्पन्न कराने में लगी है।

इसी प्रकार संत विनोवा विद्यालय में शिविर लगाए बीएलओ राकेश सक्सेना, भुवनेन्द्र नामदेव आदि ने बताया कि हम लोगों ने गणना प्रपत्रों का वितरण समय से घर घर कर दिया था, लेकिन तमाम लोगों ने अभी तक गणना प्रपत्रों को भरकर जमा नहीं किया है। इसके चलते इस कार्य को समय से पूरा करने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जबकि 4 दिसम्बर अंतिम तिथि निर्धारित है। उन्होंने मतदाताओं से जल्द से जल्द गणना प्रपत्रों को जमा कर सहयोग करने की अपील की है, जिससे यह कार्य समय से पूरा हो सके और फार्मों को आनलाइन कर पूर्ण किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

कमरे में बंधी आधा दर्जन बकरियां चोरी

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के इटायल गांव में बीती रात चोर घर का ताला तोड़ उसमें बंधी आधा दर्जन बकरियां चोरी कर ले गए। पीड़ि पशुपालक ने कोतवाली में तहरीर दी है। इटाइल गांव निवासी धर्मवीर पुत्र देवीदीन ने बताया कि शनिवार की तड़के अज्ञात चोरों ने उसके मकान का ताला तोड उसमें बंधी आधा दर्जन बकरियां चोरी कर ले गए। सुबह जब उसने देखा तो हड़कंप मच गया। कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

मेले में उमड़ रही भीड़ सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सुमेरपुर(हमीरपुर)। श्री गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ के मौके पर तपोभूमि में विशाल मेला लगा हुआ है। भीड़ को मद्देनजर रखकर थानाध्यक्ष ने मेला पुलिस चौकी की स्थापना करके कस्बा इंचार्ज को मेला प्रभारी बनाया है। सुरक्षा के लिए प्रभारी के साथ 26 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। श्री गायत्री महायज्ञ की वर्षगांठ में तपोभूमि प्रांगण में विशाल मेला लगा है। महिलाएं, बच्चे चरखी झूले आदि का आनंद उठाते हुए गृहस्थी का सामान खरीद रहे हैं। मेले की सुरक्षा के लिए थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने तपोभूमि प्रांगण में मेला पुलिस चौकी की स्थापना करके कस्बा इंचार्ज संजय राय को प्रभारी बनाया है। उनके साथ ड्यूटी में 26 पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। यह कथा स्थल से लेकर यज्ञवेदी, मेला की सुरक्षा व्यवस्था देख रहे हैं।

एसपी ने 30 पुलिस कर्मियों के किए तबादले

हमीरपुर। पुलिस अधीक्षक लगातार पुलिस महकमे में बदलाव चला रही है। बीते दिनों एसपी ने निरीक्षक व उपनिरीक्षक के बाद 29 मुख्य आरक्षी व आरक्षियों का स्थानांतरण किया गया था। जिसमें से तीन सिपाहियों को लाइन हाजिर किया गया था। शुक्रवार की रात एक बार फिर से पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा ने 30 सिपाहियों का स्थानांतरण कर उन्हें अलग अलग थाने भेजा है। जिसमें 20 पुलिसकर्मी ऐसे हैं, जिन्हें पुलिस लाइन से अलग अलग थानों में स्थानांतरित किया गया है। इस कार्रवाई से महकमे में खलबली मची हुई है। स्थानांतरण सूची में आरक्षी आकाश कुमार को मुस्करा से जरिया, अभिषेक कुमार यादव को जरिया से बिवांर, भूपेंद्र निरंजन को जरिया से चिकासी, प्रिंस कुमार को जरिया से सुमेरपुर, महिला आरक्षी सरिता तिवारी को जरिया से राठ, वंदना यादव को जरिया से राठ, हरदीप सिंह को चिकासी से कोतवाली नगर, सुरजीत यादव को राठ से कोतवाली नगर भेजा गया है।

सड़क हादसे में दो लोग हुए घायल

मौदहा (हमीरपुर)। सामने से आ रहे ट्रक की रोशनी लगने से बाइक सवार गिर गए। तभी पीछे से आ रही दूसरी बाइक उन पर चढ़ गई, जिससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कस्बे के सिचौली पुरवा निवासी आदित्य गुप्ता (23) पुत्र मुन्ना लाल और तेज प्रताप (25) पुत्र रमेश सिंह बाइक से सुमेरपुर कस्बे की ओर से आ रहे थे। तभी नेशनल हाईवे पर मकरांव के निकट सामने से आ रहे ट्रक की रोशनी लगने से बाइक सवार चौंधियाकर सड़क पर गिर गए। तभी पीछे से आ रही दूसरी बाइक उन पर चढ़ गई। जिससे दोनों बाइक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां दोनों को गंभीर हालत के चलते प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दोनों को गंभीर चोटें बताई जा रही हैं।

मारपीट के मामले में दो भाई नामजद

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे से निमंत्रण कर लौट रहे व्यक्ति को दो भाइयों ने बेवजह गाली गलौज कर जमकर मारापीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों भाइयों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिवांर कस्बा निवासी तेजसिंह पुत्र रामभरोसे वर्मा ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते 24 नवंबर को वह कस्बे से एक निमंत्रण से वापस लौट रहा था। तभी फूल सिंह और रोहित कुमार ने उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। पीड़ित ने उक्त दोनों भाइयों से जान का खतरा बताया है।

सड़क हादसों में तीन लोग हुए घायल

कुरारा(हमीरपुर)। कस्बे के मनकी स्टैंड में शनिवार को कस्बा निवासी आशीष (16) पुत्र राम सिंह अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। वहीं सुशील (27) पुत्र रामबाबू निवासी शेखूपुर पारा जल्ला गांव के बीच बाइक से जा रहा था। तभी ट्रैक्टर की टक्कर लगने से घायल हो गया। उधर शिव मंगल (16) पुत्र गुलजारी निवासी पारा, कुरारा पारा मार्ग हादसे में घायल हुआ।

शादी टूटने से आहत युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव का मामला, घर में कोहराम

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। रिश्ता पक्का होने के बाद शादी टूटने से आहत होकर एक ट्रैक्टर चालक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो आनन फानन उसे फंदे से उतार कर कस्बे के सरकारी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

विकास।

कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव निवासी विकास (24) पुत्र राम सिंह ईंट-भट्ठे में ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। कुछ समय से उसकी शादी की बातचीत चल रही थी। एक जगह पर उसका रिश्ता भी पक्का हो चुका था। लेकिन कुछ समय बाद लड़की वालों ने शादी से करने से इंकार कर दिया। शादी टूटने से वह सदमे में आ गया और परेशान रहने लगा। शुक्रवार की रात करीब आठ बजे विकास ने अपने ही घर में धोती से फांसी का फंदा लगाकर झूल गया। कुछ देर बाद जब परिजनों ने उसे फंदे से लटका देखा तो घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने ग्रामीणों की मदद से आनन फानन उसे फंदे से उतार कर कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां तैनात डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मृतक चार भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। मृतक के पिता राम सिंह ने बताया बड़ा लड़का था। शादी टूटने से आहत होकर शुक्रवार की रात फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। वहीं कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। रिपोर्ट आने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य आरक्षी की हार्ट अटैक से हुई मौत

- **बिवांर (हमीरपुर)।** थानाक्षेत्र के टीहर गांव निवासी वीरेंद्र यादव (50) पुत्र गजराज यादव वर्तमान समय में ललितपुर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मुख्य आरक्षी पद पर तैनाती था। गुरुवार को ड्यूटी के दौरान अचानक अचेत होकर गिर गए हैं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दो भाइयों में छोटा था। वह अपने पीछे पत्नी, एक लड़का व दो लड़कियों को रोते-बिलखते छोड़ गया है। शनिवार को मृतक के शव के अंतिम संस्कार में आसपास गांव के लोगों ने पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया है।

वृद्धा से दिन दहाड़े बाइक सवारों ने की लूट

हमीरपुर। एसपी आवास के चंद कदम दूरी पर बाइक सवार लुटेरों ने ड्यूटी करके घर लौट रही बुजुर्ग महिला से दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन महिला को लेकर थाने पहुंचे। जहां पुलिस ने तहरीर लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है। सदर कोतवाली क्षेत्र के पातालेश्वर मोहल्ला निवासी जानकी (55) ने सदर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पति स्व.मोहन की मौत के बाद से अपने भाई रामदयाल के यहां रह रहीं है। जानकी नलकूप विभाग में चपरासी के पद पर तैनात है। शनिवार को नलकूप के कार्यालय में ड्यूटी कर घर लौट रहीं थी, जैसे ही वह चौरा देवी मंदिर के पास यमुना पथवे पर पहुंची। तभी बाइक सवार हेलमेट पहने दो युवकों ने उनके साथ छीना झपटी की। इस दौरान दोनों ने कान के 2 बाले, एक मंगलसूत्र और पर्स लूट कर फरार हो गए। पीड़िता ने अपने भाई रामदयाल को जानकारी दी। तहरीर मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण करते प्राचार्य डॉ. स्वामी प्रसाद। अमृत विचार

विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू, 21 जनवरी तक चलेंगी

हमीरपुर। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शांतिपूर्ण वातावरण में प्रारम्भ हुई।

ज्ञातव्य है कि नई शिक्षा नीति के तहत वर्ष में दो बार होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शनिवार से प्रारम्भ होकर 21 जनवरी 2026 तक सम्पन्न कराई जानी है। ओम हरिहर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के केन्द्राध्यक्ष डॉ. स्वामी प्रसाद ने बताया की परीक्षाएं विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के अनुसार तीन पालियों में सम्पन्न करायी जानी है। परीक्षा के प्रथम दिवस की प्रथम पाली में बीए पंचम सेमेस्टर हिन्दी एवं बीएससी पंचम सेमेस्टर जंतु विज्ञान की प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षाओं में शत प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जाती रही।

दो गांजा तस्कर हुए गिरफ्तार

मौदहा (हमीरपुर)। पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा के निर्देश पर कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक महिला सहित दो अंतर राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि महिला द्वारा बांदा से एक महिला का चुराया गया पीली धातु का हार बरामद कर चोरी का भी मामला दर्ज किया गया है।

कोतवाली पुलिस अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाए हुए है। जिसके चलते कम्हरिया दरगाह के निकट कम्हरिया सायर मार्ग से बल्लभगढ़ फरीदाबाद निवासी सीमा पत्नी नरेश और पलवल हरियाणा निवासी नीतू पुत्र बदन को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से दो पैकेट में चार किलो गांजा बरामद किया गया है। जबकि सीमा के पास से तीन दिन पहले बांदा से एक महिला का पीली धातु का चुराया हुआ हार भी बरामद किया गया है। जिसके बाद एनडीपीएस एक्ट के साथ चोरी का भी मामला दर्ज किया गया है। आरोपी नीतू के विरुद्ध नई दिल्ली के कालकाजी थाने में एक आपराधिक मामला दर्ज है।

चालक पर ट्रक गायब करने का आरोप

बिवांर। कुरारा थानाक्षेत्र के बेरी गांव निवासी विवेक पाल पुत्र रामबालक ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि थानाक्षेत्र के बांधुर बुजुर्ग गांव निवासी हिमांशु पुत्र दिलीप सोनी ट्रक में चालक का कार्य करता है।

उसने किस्त को न भरकर ट्रक को गायब कर दिया है। बैंक कर्मी ट्रक की किस्त भरने के लिए परेशान कर रहे हैं। विवेक ने ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसआई जगत नारायण ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

समय पर एसआईआर का काम पूरा करने पर बीएलओ सम्मानित

हमीरपुर। निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। गणना प्रपत्रों को प्राप्त कर उनको बीएलओ एप से डिजिटाइजेशन किए जाने का कार्य तय समय से पूर्व करने वाले बीएलओ स्वदीप, दुर्गा प्रसाद एवं अन्य को सराहनीय कार्य करने पर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने सम्मानित कर सराहना की। उन्होंने समस्त बीएलओ को अपना कार्य शत-प्रतिशत यथाशीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। सम्मान समारोह में एसडीएम कड़ेदीन शर्मा, तहसीलदार राजकुमार गुप्ता, वीरपाल सिंह सहित समस्त बीएलओ उपस्थित रहे।

बीएलओ को सम्मानित करते डीएम।

मासूम की रेप के बाद हत्या के दोषी को दोहरी उम्र कैद

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- **पांच वर्ष पूर्व बच्ची को सोते समय अगवा कर ले गया था, हत्या के बाद जला दिया था शव**
- **दोषी पर कोर्ट ने 66 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया, पांच साल बाद आया फैसला**

अमृत विचार। करीब पांच वर्ष पूर्व मासूम बच्ची को सोते समय अगवा कर दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर शव टुकड़ों में काटकर चूल्हे में जलाने के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कीर्ति माला सिंह ने आरोपी को डबल आजीवन कारावास व 66 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मौदहा कस्बे में रोड किनारे निवास कर रही महिला 25 जून 2020 को अपनी आठ वर्षीय पुत्री के साथ

चारपाई में सो गई। देर रात 2.30 बजे नींद खुलने पुत्री चादर सहित गायब मिली। आसपास तलाश के बाद कहीं भी उसका पता नहीं चल सका। जिसके बाद बालिका की मां ने कोतवाली में तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। सुबह रागौल मुहाल के लोगों ने संतोष कोरी पुत्र राजाराम के घर से मांस जलने की दुर्गंध उठने पर पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संतोष को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि बालिका को चादर सहित उठाकर अपने घर लाकर दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव के टुकड़े करके चूल्हे में जलाए हैं। पुलिस ने उसके घर से खून से सना चाकू, तवा के साथ ही दांत का टुकड़ा व हड्डियों के अवशेष के साथ उसके कपड़ों में सीमन व नाखूनों में खून पाया गया। जिसके बाद पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर आरोपी संतोष के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म व हत्या कर साक्ष्य मिटाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो कीर्ति माला सिंह ने मुकदमे की सुनवाई करते हुए आरोपी संतोष को दोषी मानते हुए डबल आजीवन कारावास के साथ ही 66 हजार का जुर्माना किया। जुर्माने की 80 प्रतिशत धनराशि मृतका के आश्रितों को दी जाएगी।

गुड टच और बैड टच के बारे में दी जानकारी

हमीरपुर। मिशन शक्ति के विशेष अभियान फेज (5.0) के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव कुमार सिंह के निर्देशानुसार शनिवार को हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन, चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम के द्वारा सुमेरपुर के मां गीता माहेश्वरी इंटर कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही विभाग द्वारा संचालित टोल फ्री नंबर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, व यूपी 112 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में चाइल्ड हेल्प लाइन से अनुभव शुक्ला और हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन से सिद्धार्थ दीक्षित मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। अमृत विचार

सीएचसी का निरीक्षण करते ज्वाइंट डायरेक्टर। अमृत विचार

ज्वाइंट डायरेक्टर ने सीएचसी पीएचसी का किया निरीक्षण

कुरारा(हमीरपुर)। स्थानीय सीएचसी व तीन पीएचसी का अपर निदेशक चित्रकूट धाम मंडल बांदा ने औचक निरीक्षण किया जहां उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण, स्टॉक रजिस्टर आदि देखा और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शनिवार को स्थानीय सीएचसी का अपर निदेशक चित्रकूट धाम मंडल बांदा डॉ.वीके वर्मा ने औचक निरीक्षण किया। जहां उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण केंद्र, स्टॉक रजिस्टर, इमरजेंसी वार्ड, भर्ती मरीजों का हाल, जननी सुरक्षा, लैब आदि का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पारा, कुसमरा, बेरी का निरीक्षण किया। जहां कुसमरा व पारा में फार्मासिस्ट अवकाश पर मिला। निरीक्षण के दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ.सुनील कुमार जायसवाल, सुधीर साहू, योगेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद का किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी शीर्ष नेतृत्व के द्वारा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद को अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद प्रथम बार मुख्यालय आगमन पर जनपद के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत एवं सम्मान किया।

सदर विधायक डॉ. मनोज प्रजापति, निवर्तमान जिला अध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता व सुनील पाठक, राठ विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत आदि ने सजेती टोल टैक्स पहुंचकर अगुवाई की। इसके बाद जिलाध्यक्ष भाजपा कार्यालय पहुंची। जहां पर हजारों की संख्या में भाजपाइयों ने पुष्पों के द्वारा भव्य स्वागत किया। सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को पगड़ी एवं तलवार तथा पटका पहना कर स्वागत किया।

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

इस मौके पर लालाराम निषाद, अरविंद मुखिया, रामदेव सिंह, लक्ष्मीरतन साहू, सिद्धार्थ सिंह, कुलदीप निषाद, रोहित शिवहरे, पुष्पराज सोनी, सिद्धार्थ पाठक, कृष्ण कुमार, आशीष गुप्ता शानू, कन्हैया शर्मा, हर्षित गुप्ता, आराधना राजपूत, अरविंद श्रीवास्तव, गीता उमर, उर्मिला सिंह, दया सिंह, तनुजा सिंह, रेखा सिंह, सीमा वर्मा एवं समस्त मंडल अध्यक्ष तथा जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन नरवेंद्र सिंह ने किया। सम्मान समारोह में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम स्वामी ब्रह्मानंद महाराज के 131वें जन्मोत्सव पर खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

दौड़ में कुमारी भाषा और अंकित विश्वकर्मा रहे अव्वल

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। बुंदेलखंड मालवीय त्याग मूर्ति स्वामी ब्रह्मानंद महाराज के 131वें जन्मोत्सव पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू हो गईं। शनिवार को ब्रह्मानंद महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर डॉ.सुरेंद्र सिंह ने स्वामीजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रतियोगिता की शुरुआत करते अतिथि। अमृत विचार

100 मीटर छात्रा दौड़ प्रतियोगिता में कुमारी भाषा ने प्रथम स्थान, कुमारी मुस्कान ने द्वितीय एवं कुमारी प्रांजल ने तृतीय स्थान पाया। छात्र वर्ग में अंकित विश्वकर्मा प्रथम, अजय सोनी द्वितीय और लोकेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। लंबी कूद में भाषा प्रथम, मुस्कान द्वितीय स्थान और प्रांजुल तृतीय स्थान पर रही। लांग जंप छात्र वर्ग में अंकित विश्वकर्मा प्रथम स्थान, सनी शर्मा द्वितीय एवं भारत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। ऊंची कूद में काजल प्रथम, दीक्षा द्वितीय एवं मुस्कान तृतीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में अंकित विश्वकर्मा प्रथम, हर्ष राजपूत द्वितीय एवं आलोक श्रीवास तृतीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो में दीक्षा प्रथम, प्रांजल द्वितीय एवं साक्षी ने तृतीय स्थान पाया। छात्र वर्ग में देव प्रकाश प्रथम, अंकित कुमार द्वितीय एवं अवधेश प्रसाद तृतीय स्थान पर रहे। जैवलिन थ्रो छात्रा वर्ग में साक्षी प्रथम, प्रांजल द्वितीय एवं दीक्षा तृतीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में अवधेश प्रसाद प्रथम, दीपक द्वितीय एवं अभिषेक कुमार तृतीय स्थान पर रहे। शॉट पुट थ्रो में दीक्षा प्रथम ,काजल द्वितीय एवं प्रांजल तृतीय स्थान पर रही। वही छात्र वर्ग में देव प्रकाश प्रथम, अंकित चतुर्वेदी द्वितीय एवं अभय सिंह तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के दौरान स्वामी ब्रह्मानंद सामाजिक कल्याण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित अंतर्जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्तराखंड देहरादून की टीम एवं उप्र एटा की टीम के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें उत्तराखंड देहरादून की टीम विजय रही। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि एसडीएम अभिमन्यु सिंह एवं विशिष्ट अतिथि राजीव प्रताप सिंह पुलिस क्षेत्रीय अधिकारी ने किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. भावना शर्मा रहीं। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष डॉ.इंद्रपाल सिंह, लक्ष्मी नारायण दादा, महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.बलवंत सिंह, प्रो. हल्के प्रसाद, डा.नरेश कुमार सिंह, डा.बीके पांडेय, डा.आरएस सिंह, डा.दशरथ सिंह, डा.आरपी सिंह, डा.एसजी राजपूत, डा.शैलेंद्र कुमार, डा.अवधेश नारायण शुक्ला, डा.दीपक सिंह, डा.दुर्गेश कुमार, डा. अंकिता सैनी, डा. शीला सिंह, डा. कमलेश राजपूत, डा. एसपी अग्रवाल, डा. आरबी शर्मा मीडिया प्रभारी, डॉ. प्रशांत अग्रवाल समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

दंगल में पहलवानों का हाथ मिलवाकर शुभारंभ कराते सुरेंद्र सिंह लोधी व अन्य।

पहलवानों ने बसवारी के दंगल में दिखाए दांवपेच

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। मुस्करा ब्लाक के बसवारी गांव में भव्य तरीके से कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह लोधी कछवा ने पहलवानों के हाथ मिलवाकर दंगल का शुभारंभ कराया। दंगल के दौरान दर्जनों पहलवानों ने अपने दांव पेंच दिखाकर दर्शकों को आश्चर्य चकित कर दिया। इस मौके पर सपा के जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि इसी दंगल से मास्टर चांदगीराम जैसे पहलवानों ने इसी अखाड़े पर कुश्तियां लड़ी। कहा कि अब राजनैतिक जाग्रति जरूरी हो गई है। नही तो यह सरकार खुली हवा में भी टैक्स लगा देते। दंगल के दौरान सैकड़ों की तादाद में ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

कबड्डी चयन ट्रायल दो दिसंबर से

चित्रकूट। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी भानु प्रसाद ने बताया कि प्रदेशस्तरीय समन्वय जूनियर बालक-बालिका कबड्डी के लिए जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में चयन ट्रायल किया जाएगा। बालिका टीम का चयन दो दिसंबर को होगा। इसकी प्रदेशस्तरीय प्रतियोगिता छह से आठ दिसंबर तक गाजीपुर में होगी। बालकों का ट्रायल तीन दिसंबर को होगा। प्रतियोगिता छह से नौ दिसंबर तक अमेठी में होगी। बताया कि खिलाड़ी अधिक जानकारी के लिये एथलेटिक्स कोच अंगद सिंह यादव से संपर्क कर सकते हैं।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

मानिकपुर (चित्रकूट)। ग्रामीणों ने शनिवार को उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर सिंचाई की व्यवस्था की मांग की। राहुल कुमार पटेल, भारतदीन, संतोष कुमार, देवचरन, अशोक कुमार, अनिल कुमार आदि ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व पीडब्लूडी ने ओहन नहर पूर्वी पटरी पर सड़क निर्माण कराया। इस दौरान किसानों की नहर से निकली झालों को तोड़ दिया था। इससे बगियापुरवा, पवारीकला, अगरहुंडा, चरदहा, अरवारा, रैपुरा आदि के किसानों को खेती की सिंचाई में परेशानी होने लगी। मांग की कि इन सिंचाई बंबियों को फिर से बनवाया जाए।

संदिग्ध हालात में युवक ने लगाई फांसी

राजापुर (चित्रकूट)। एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार रात ग्राम पंचायत लोधौरा के मजरा नकेहली की है। यहां 28 वर्षीय नीरज उर्फ पवन पुत्र रामलखन ने अपने कच्चे घर में साड़ी का फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि नीरज के कमरे का सुबह दरवाजा न खुलने पर झांककर देखा तो वह फंदे से लटकता मिला। गनींवा चौकी प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने घटनास्थल पहुंचकर जानकारी ली। मृतक के पिता ने पुलिस को तहरीर दी और संदेह जताया कि नीरज मानसिक तनाव से जूझ रहा था और शायद इसीसे उसने फांसी लगा ली।

दिसंबर में मनाया जाएगा टीका उत्सव

चित्रकूट। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ने बताया कि दिसंबर में प्रत्येक बुधवार व शनिवार को होने वाले टीकाकरण सत्रों को टीका उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। आशाओं, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से टीकाकरण से छूटे सभी पांच वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण कराया जाएगा। ब्लाक चिकित्सा इकाइयों में सायंकालीन समीक्षा बैठकें की जाएंगी।

मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक

चित्रकूट। थाना मानिकपुर, मारकुंडी, पहाड़ी एवं थाना बहिलपुरवा की एंटी रोमियो टीमों ने क्षेत्र में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। हेल्पलाइन नंबरों व कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करना है।

वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार

मानिकपुर (चित्रकूट)। एसआई सुभाष सिंह चौहान ने वारंटी प्रेमचंद्र पुत्र बुद्धू निवासी केकरामार को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में आरक्षी राजकुमार शामिल रहे।

आठ बीएलओ को दिए गए प्रशस्ति पत्र

चित्रकूट। एसआईआर के काम को शत-प्रतिशत पूरा करने वाले आठ बूथ लेवल आफीसरों को शनिवार को उप जिलाधिकारी पूजा साहू ने सम्मानित किया। बीएलओ कप्तान सिंह, आशीष साहू, रजनीकांत, पंकज साहू, अभिमन्यु सिंह, विपिन बिहारी सैनी, प्रह्लाद कुमार द्विवेदी, सुधीर कुमार पांडेय को प्रशस्ति पत्र दिया।

नए कुलगुरु ने कार्य भार ग्रहण किया

सीतापुर। शिक्षाविद एवं अकादमिक प्रशासक प्रो. आलोक चौबे ने शनिवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु का कार्यभार ग्रहण किया। उनकी यहां चार वर्ष के लिए मप्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगू भाई पटेल ने नियुक्ति की है। प्रो. चौबे ने भगवान कामतानाथ की पूजा की। कैंपस में विराजमान हनुमान जी के दर्शन किए और विवि में मां सरस्वती की प्रतिमा, महात्मा गांधी की प्रतिमा और राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

युवक की मौत के बाद बड़े भाई ने भी दी जान

परिजनों में मचा कोहराम, जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। सरधुआ थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत भदेहदू में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। एक दिन पहले ही उसके छोटे भाई की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। परिजनों ने उसे खेत में पेड़ से फंदे से लटका देखा तो सन्न रह गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा। एसओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ग्राम पंचायत भदेहदू निवासी धीरेंद्र सिंह (45) पुत्र शिव भूषण उर्फ नन्हू सिंह शनिवार तड़के घर से निकल गया था। सुबह गांव के लोग जब खेतों की ओर गए तो देखा कि धीरेंद्र का शव अपने खेत में एक कटहल के पेड़ से फंदे में लटका है। गांववालों ने परिजनों को सूचना दी तो मृतक के पुत्र विदित सहित अन्य परिजन वहां पहुंचे। थानाध्यक्ष सरधुआ राम सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है।

दो भाइयों की मौत से रोती-बिलखती बहन। अमृत विचार

भाई की मौत के बाद सहमा सा रहता था

- उधर, गांव में धीरेंद्र की खुदकुशी को लेकर तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। ग्रामीण नाम छिपाते हुए बताते हैं कि धीरेंद्र का गुरुवार को किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इस दौरान मारपीट में राकेश की मौत हो गई थी। घटना को छिपाने के लिए यह कह दिया गया था कि राकेश की मौत छत से गिरने से हुई है। उधर, घटना के बाद से धीरेंद्र सहमा सहमा रहने लगा था। हालांकि इस संबंध में एसओ का कहना है कि उनको इस तरह की कोई जानकारी नहीं है और न इस संबंध में किसी ने तहरीर दी।

दुष्कर्मी को दस वर्ष का कारावास

चित्रकूट। दुराचार के मामले में दोषसिद्ध आरोपी को कोर्ट ने 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। इसे 15000 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि एक महिला ने सात दिसंबर 2019 को मानिकपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि छह दिसंबर की दोपहर वह मवेशियों को चारा लेने खेत जा रही थी। इस दौरान रास्ते में प्रदीप उर्फ पिंटू यादव ने उससे बातचीत करते हुए हाथ पकड़कर गिरा दिया और दुराचार किया। उसने मुंह बंद रखने के एवज में पैसों का भी लालच दिया पर वह पैसे फेंककर घर चली आई। पति के सतना से लौटने पर उसने पूरी घटना की जानकारी दी और थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद त्वरित न्यायालय के अपर जिला जज नीरज श्रीवास्तव ने इस मामले में निर्णय सुनाया। दोषसिद्ध प्रदीप उर्फ पिंटू यादव को 10 वर्ष सश्रम कारावास के साथ 15000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

सब्जी विक्रेताओं ने फिर वहीं लगाई दुकानें

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। स्थानान्तरित होने के बावजूद सब्जी विक्रेताओं ने शनिवार को फिर उसी जगह दुकानें लगा लीं। पुलिस उन्हे हटाने गई तो जमकर बवाल हुआ और वे सड़क पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने पुलिस पर मारपीट और सब्जी फेंकने का भी आरोप लगाया है।

वर्षों से सुबह 5 बजे से लगभग 10 बजे तक मनीगंज में सड़क पर सब्जी का बाजार लगता चला आ रहा था। यहां सब्जी किसानों के साथ कुछ विक्रेता भी अपनी दुकान लगाते थे। लेकिन विगत कुछ माह से सब्जी बाजार की वजह से जाम लगने लगने का मामला सामने आ रहा था, जिसमे स्कूल बसों के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साथ आम आदमी को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसके चलते उपजिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद को उक्त सब्जी बाजार अन्यत्र लगवाए जाने का निर्देश दिया था और इसी के चलते गत सोमवार को सब्जी विक्रेताओ को पुराने रेलवे स्टेशन रोड पर स्थानान्तरित कर दिया था। लेकिन बिक्री कम होने और बन्दरों से परेशान होकर सब्जी विक्रेताओं को वहा पर अपना भविष्य अच्छा नहीं दिखा। इसके चलते शनिवार सुबह वह पुराने स्थान पर आ गये, लेकिन जैसे ही यह जानकारी रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भडाना को लगी तो वह मौके पर आ गये और उन्हे चिन्हित स्थान पर बाजार लगाने के लिए कहा। लेकिन वह नही माने तो पुलिस ने उन्हें जबरन हटाना शुरू किया इसपर बवाल हो गया और वह वहां से न जाने की जिद पर सड़क पर आ गये।

इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने भी उनका समर्थन किया और सब्जी बाजार यहीं पर रहने की वकालत भी की। इस दौरान सब्जी दुकानदारों ने पुलिस पर मारपीट और सब्जी फेंकने का भी आरोप लगाया है। कोतवाल अजय ब्रम्ह तिवारी के अनुसार प्रशासन ने सब्जी बाजार स्थानान्तरित कर दिया था लेकिन उन्होंने फिर लगा लिया था, जिसको हटाने के लिए पुलिस गई थी लेकिन मारपीट और सब्जी फेंकने की बात गलत है।

एक दिसंबर को यमुना नदी के तट पर होगी महाआरती

कालपी जालौन। मोक्षदायिनी एकादशी के पावन पर्व पर 1 दिसम्बर दिन सोमवार को नगर के यमुना नदी तट पर स्थित पीलाघाट में यमुना मइया की महाआरती का आयोजन किया गया है।

1 दिसम्बर दिन सोमवार को मां प्रसादम सेवा न्यास कालपी धाम एवं तिरंगा अगरबत्ती समूह कानपुर की ओर से भगवान वेद व्यास की जन्मस्थली कालपी धाम के प यमुना नदी स्थित पीलाघाट पर महाआरती की जायेगी। यह कार्यक्रम एकादशी के पर्व पर दोपहर एक बजे से मां वनखण्डी देवी शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर श्री जमुना दास जी महाराज के सानिध्य में सुन्दरकाण्ड पाठ के उपरान्त शाम 5 बजे मां यमुना की महाआरती का आयोजन किया गया है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों को आमंत्रित किया गया है तथा महाआरती की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। उक्त जानकारी धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं श्री जमुना दास जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य ऋषभ देव महाराज व पंडित नरेन्द्र शर्मा निदेशक तिरंगा अगरबत्ती कानपुर ने संयुक्त रूप से दी।

पौधों का महत्व बताते जिला जज शेषमणि शुक्ला। अमृत विचार

पौधे लगाकर कादंबरी बगिया की हुई शुरुआत

चित्रकूट। जिला जज शेषमणि शुक्ला की अध्यक्षता में शनिवार को राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर में पौधे वितरित कर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला जज ने बताया कि कदंब के समूह में पौधे लगाकर कादंबरी बगिया की शुरुआत की।

उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति के प्रति जवाबदेही निभाए और पौधे लगाकर ऋण चुकता करे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्णिका शुक्ला ने बताया कि पौधे लगाकर पर्यावरण को संतुलित किया जा सकता है। इस दौरान उप जिलाधिकारी पूजा साहू, गोपालकृष्ण गुप्ता, रामनरेश, वीर सिंह, संजय कुमार, दीपक कुमार आदि मौजूद रहे।

मायके वालों समेत 18 पर एफआईआर के आदेश

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- मायकेवालों ने की थी ससुरालियों को फंसाने की कोशिश
- दूसरी महिला के शव को बता दिया था राजकुमारी का शव

अमृत विचार। विवाहिता का अपहरण करने, उसकी हत्या का आरोप लगाकर ससुरालीजनों पर रिपोर्ट दर्ज कराने, किसी और महिला की हत्या कर उसके शव को विवाहिता का बताने के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने थानाध्यक्ष को मायकेवालों समेत 18 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

अधिवक्ता रामकृष्ण ने बताया कि उनके वादी गनेश प्रसाद ने इस संबंध में उनके माध्यम से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में प्रार्थनापत्र दिया था। गनेश ने बताया था कि वह कानपुर में एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। 26 फरवरी 24 की रात मऊ थानांतर्गत बसरेही गांव निवासी मंगल पाल, बाबूलाल ने उसकी पत्नी फूलकुमारी उर्फ राजकुमारी को अगवा कर लिया था। ये लोग गहने और रुपये भी ले गए थे। आरोप लगाया कि इन्होंने उसकी पत्नी को मन्ना निवासी महेवा (कौशांबी) को 80 हजार रुपये में बेच दिया था। मन्ना ने कई दिन तक उसे बंधक बनाकर दुराचार किया और फिर एरई अढौली थाना धाता (फतेहपुर) निवासी भीमसेन को एक लाख रुपये में बेच दिया। अधिवक्ता के अनुसार, गनेश का आरोप है कि भीमसेन ने राजकुमारी के साथ राजीनामा बना लिया था और गैरकानूनी रूप से पत्नी बनाकर रह रहा था। बताया कि उसके (गनेश प्रसाद के) बड़े भाई ने इस संबंध में राजकुमारी की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी।

फेरी लगाने वाले ने राजकुमारी को देखा

- गनेश ने बताया कि इसी दौरान पांच दिसंबर 2024 को फेरी लगाने वाले मनीशंकर ने फूलकुमारी को भीमसेन के घर में देखा था। इस पर उसके भाई भीमसेन के घर पहुंचे और वहां से फूलकुमारी को छुड़ाया। अधिवक्ता के अनुसार, गनेश प्रसाद ने इस संबंध में आरोपियों पर कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक तक की चौखट पर दस्तक दी पर उसकी नहीं सुनी गई। इस पर थक हारकर उसने न्यायालय से गुहार लगाई।

इन लोगों पर दर्ज एफआईआर के आदेश

- अधिवक्ता ने बताया कि सीजेएम राजेंद्र प्रसाद भारती ने पहाड़ी थानाध्यक्ष को इस संबंध में 18 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना करने के आदेश दिए हैं। इनमें बल्देव पाल, उसकी पत्नी राजरानी, ननका, सोहनलाल, चुनबाद, विजयपाल, मोहनलाल, देवीदयाल, फूलचंद्र निवासीगण इटवा थाना रैपुरा, लकपतिया देवी, अनिल दुबे, नथिया देवी, ढोकिया देवी, बेसनिया देवी, मंगल पाल, बाबूलाल निवासीगण बसरेही थाना मऊ और मन्ना निवासी महेवा, भीमसेन निवासी एरई अढ़ौली शामिल हैं।

मायके वालों ने लगाया उल्टा आरोप

- गनेश प्रसाद के अनुसार, जब उसने अपनी पत्नी फूलकुमारी उर्फ राजकुमारी के संबंध में उसके मायके वालों से पुलिस में जाने की बात कही तो ससुर बल्देव पाल ने उसकी हत्या करने के झूठे आरोप में उसके साथ उसकी मां विश्राम, पिता कामता प्रसाद, भाइयों नन्हेराम, अशोक, शिवमोहन आदि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद एक महिला की हत्या कर दी और उसका शव असोह थाना पहाड़ी में एक खेत के पास चेकडैम में फेंक दिया। मायकेवालों ने इसकी शिनाख्त राजकुमारी के रूप में कर दी। इसके बाद कई बार पुलिस ने उसे और उसके घरवालों को गिरफ्तार किया और मारपीट कर प्रताड़ित किया।

पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में

- अधिवक्ता रामकृष्ण कहते हैं कि पूरे मामले में पुलिस की भूमिका भी संदेहास्पद रही। पुलिस जबरन उनके वादी को महिला के शव को पत्नी का शव मानने के लिए दबाव डालती रही। इसके अलावा यह भी नहीं पता लगा पाई कि वह महिला कौन थी, जिसे राजकुमारी का शव बताया गया था। पुलिस का पूरा दारोमदार इस बात पर रहा कि किसी तरह फाइनल रिपोर्ट लगा दी जाए। उन्होंने दावा किया कि अगर विवेचक ठीक से विवेचना करेंगे तो कई पुलिस अधिकारी भी लपेटे में आएंगे। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शव पर मारपीट और गला दबाकर हत्या की बात सामने आई थी। 18 लोग आरोपी बनाए गए हैं।

परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करेंगे सारथी वाहन

चित्रकूट। पुरुष नसबंदी पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी ने सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सीएमओ ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक चिकित्सा इकाई में तीन सारथी वाहन एवं मुख्यालय में दो सारथी वाहन चलाए जा रहे हैं। इससे परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिल पाएगा। इच्छुक लाभार्थियों को सेवा प्रदान की जाएगी।

वाहन की टक्कर से दो महिलाओं समेत तीन लोग हुए घायल

राजापुर चित्रकूट। अज्ञात वाहन की टक्कर से दो महिलाओं सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर विधायक अनिल प्रधान ने सड़क पर तड़पते घायलों को अपने वाहन से अस्पताल भेजा। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस सेवा की आलोचना की।

सेमरदहा निवासी रन्नो देवी पत्नी मुन्ना यादव अपनी ननद मालती देवी की ससुराल हरदासपुर (फतेहपुर) गई थी। शनिवार को वह ननदोई सुरेश व एक अन्य महिला के साथ बाइक से घर लौट रही थी। कुई गांव के पास हाईवे पर किसी वाहन ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सपा विधायक अनिल प्रधान उसी रास्ते से निकल रहे थे। तीनों को तड़पते देख उन्होंने ग्रामीणों व गनर की मदद से इनको अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. दिनेश सिंह, फार्मासिस्ट अनिल सिंह, जितेंद्र सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद इनको प्रयागराज रिफर कर दिया।

बारिश का पानी बचाएं, इससे होंगे बहुत से फायदे

संवाददाता, रामनगर चित्रकूट

अमृत विचार। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव के मार्गदर्शन में शनिवार को जल जीवन मिशन की सेक्टर पार्टनर यूनोप्स ने ग्राम पंचायत कार्यालय में वर्षा जल संचयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की शुरुआत ग्राम प्रधान कामता प्रसाद ने की। प्रशिक्षण में यूनॉप्स के जनपदीय सलाहकार विद्यासागर गुप्ता ने वर्षा जल संचयन के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि हमें वर्षा जल बचाना चाहिए। यह प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का एक प्रभावी उपाय है। आईएसए समन्वयक अभिषेक मिश्रा ने बताया कि तालाब वर्षा जल को संग्रहीत करते हैं और कृषि एवं अन्य कार्यों के लिए जल उपलब्ध कराते हैं। अवर अभियंता हरिकेश सिंह ने बताया कि छोटे छोटे बांध या अवरोध, जो नदियों या नहरों पर बनाए जाते हैं, जल के प्रवाह को धीमा कर देते हैं। इससे मिट्टी के कटाव को कम करते हुए जल जमीन में समाकर भूजल स्तर बढ़ाने में मदद करता है। इसमें आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सदस्य, समूह सखी और ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यशाला में मौजूद गांव के लोग। अमृत विचार

बढ़ाया जा सकता है भूगर्भ जलस्तर: जानकारों ने बताया कि बारिश के पानी को व्यर्थ जाने के बजाय विभिन्न तकनीकों से संरक्षित कर भूगर्भ जलस्तर को बेहतर किया जा सकता है। इससे कुएं, तालाब और नलकूपों का जलस्तर बढ़ेगा।

बैठक | करीब 4,60000 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य

14 से चलेगा पल्स पालियो अभियान

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। शनिवार एसडीएम की मौजूदगी में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 14 दिसंबर से चलने वाले पल्स पोलियो अभियान के बारे में चर्चा की गई। साथ ही इसको लेकर दिशा निर्देश भी दिये गये।

वैसे तो वर्ष 2014 में ही देश पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी इस कार्यक्रम को और चलाने की सलाह दी है, जिससे यह रोग विश्व से पूरी तरह से खत्म हो जाए। इसके चलते इस बार यह अभियान 14 दिसम्बर से शुरू होगा, जिसमें पहले दिन बूथ पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी और इसके बाद विभागीय टीमें डोर टू डोर अभियान चलाएंगी, जिससे कोई बच्चा छूट न जाए। इतना ही नहीं अभियान की अवधि में रेलवे स्टेशन, बस अडडा सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर टीम मौजूद रहेगी। एसडीएम मनोज कुमार सिंह के अनुसार एक भी बच्चा अगर छूट गया और संयोग से वह अपंग हो गया तो अभियान टूट जाएगा। इसलिए सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाई जानी चाहिए। उनके मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की देखरेख में संचालित पल्स पोलियो अभियान के तहत महेवा में 43 टीमें 12,500 बच्चों को लगभग 20 हजार घरों तक जाकर यह खुराक देंगी। वहीं कालपी नगर में 18 टीमें 33 बूथों के अलावा 5 ट्रान्जिट टीमें लगभग 11,000 बच्चों को दो बूंद जिन्दगी की खुराक देगी। इसके साथ ही कदौरा ब्लाक क्षेत्र में 128 टीमें 73 बूथों के माध्यम से लगभग 22,500 बच्चों को दवा पिलाएंगी। एसडीएम के मुताबिक अभियान में लगभग 4,60000 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ बाल विकास विभाग के भी जिम्मेदारो के साथ बैठक की गई है। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश वर्दिया के अलावा बाबई,कदौरा के चिकित्सा अधिकारियों के अलावा बाल विकास से सुपरवाइज़र तथा डब्ल्यूएचओ के भी जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते अधिकारी। अमृत विचार

गौशाला में भुगतान को लेकर प्रधान अनशन पर

बरगढ़ (चित्रकूट)। गौशाला में भुगतान को लेकर ग्राम प्रधान शैलेश शुक्ला ने शनिवार को ब्लाक परिसर में अनशन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि गांव की गौशाला में लगभग 366 गोवंश हैं। इनकी देखरेख वह नियमावली के हिसाब से कर रहे हैं। लगभग पांच महीने से किसी भी प्रकार का कोई भुगतान नहीं किया गया। आरोप लगाया कि जब जब भुगतान की बारी आई तो धन की मांग की गई। बताया कि अगर न्याय नहीं हुआ तो अनशन जारी रखेंगे। इस संबंध में एसडीएम रामऋषि रमन ने बताया कि उन्होंने फोन में प्रधान से बात की है। आरोपों की जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई होगी। उधर, बीडीओ ओमप्रकाश ने बताया कि प्रधान के आरोप गलत हैं। पूर्व एसडीएम ने भी इनके खिलाफ आख्या दी थी। मैंने भी गौशाला में मुआयना किया था और गोवंश नहीं मिले थे। इनको तो जो धनराशि मिली, वह भी नहीं मिलनी चाहिए थी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल से बातचीत

बरेली का औद्योगिक विकास तभी जब होगा 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क'

निरंतर उन्नति कर रही बरेली में बीते एक दशक में चिकित्सा, शिक्षा व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। इन क्षेत्रों में आगे भी खूब विकास होगा, साथ ही, इंजीनियरिंग व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी इजाफा होगा, पर इसके लिए यहां 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क' की बहुत जरूरत है। ऐसा इसलिए है कि यहां के उद्यमियों व उद्यमों में कार्यरत श्रमिकों को समुचित डिजिटल तकनीक का जानकारी नहीं मिल पा रही है। अगर सरकार इसकी व्यवस्था करेगी, तो विकास की दौड़ में बरेली बहुत आगे होगी। इस शहर में पारंपरिक जरी जरदोजी व एग्रो आधारित प्लाईवुड का कारोबार भी बढ़ेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल का कहना है कि बुनियादी सुविधाओं में बगैर बदलाव के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकेगा। उद्योगों के विकास पर फोकस करते हुए वे कहते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के युग में उद्यमियों व उद्योगों में कार्यरत लोगों को बेहतर तकनीकी ज्ञान व प्रशिक्षण मिलेगा, तभी हम चीन व जापान जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा की स्थिति में पहुंच पाएंगे। औद्योगिक विकास के लिए 'डिटिजल नॉलेज' वाले युवाओं की बहुत जरूरत है, ताकि उद्यमियों को ऐप समेत अन्य तकनीकी सुविधाएं मिल सकें। अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहते हैं कि मोबाइल के पार्ट बाहर से क्यों निर्यात कर रहे हैं। स्वदेश में क्यों नहीं तैयार किये जा रहे हैं। हमें लागत को कम कर 'प्रतिस्पर्धी' बनने की जरूरत है।

चीन व जापान से सीख लेने की जरूरत

भारत व चीन एक समय बराबर पर रहे हैं, पर बीते वर्षों में चीन ने अपनी 'मेगा पॉलिसी' के जरिये तरक्की की। उन्होंने उद्योगों के लिए संपूर्ण बुनियादी ढांचा बनाकर दिया। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि हमें इन देशों से सीख लेने की जरूरत है। उद्योगों के बुनियादी ढांचे की 'कास्ट' अगर कम होगी, तभी उत्पाद सस्ते होंगे और हम चीन जैसे बाजार से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। चीन में प्रति व्यक्ति उत्पादन सस्ता है। 'वेंडरिंग' सरल है। चीन में उत्पादों की अच्छी मार्केटिंग होती है। ऐसा भारत व उत्तर प्रदेश में भी होना चाहिए। उद्यमियों को वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा करने के लिए हर स्तर पर सुरक्षा की जरूरत है।

गांव-गांव के बजाय लगाए जायं एक जगह उद्योग

गांव-गांव के बजाय एक ही क्षेत्र में उद्योग लगाये जायं तो इससे बुनियादी खर्चा बचेगा और उत्पाद सस्ते होंगे। चारों से ओर से लगभग 250 किलोमीटर दूरी पर स्थित बरेली में अच्छे 'फीचर' डालने होंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास के विजन-2047 में बरेली की भूमिका अहम होगी। सांस्कृतिक व पर्यटन के क्षेत्र में यहां बहुत संभावनाएं हैं। पर एकीकृत विकास जरूरी है। सूचना तंत्र का विकास भी बहुत आवश्यक है। होटल मैनेजमेंट की तरह आईटीआई के छात्रों को उनके संस्थान में रोजगार देना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, साथ ही, वे उद्योगों की जरूरत से अनुसार वे तैयार हो सकेंगे।

उद्यमियों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा डाटा : विकास के लिए 'नियोजित प्लान' की जरूरी है तो उसके लिए समुचित डाटा भी होना चाहिए। बरेली में उद्योगों के पास विकास के लिए समुचित डाटा नहीं है। सरकार भी डाटा उपलब्ध नहीं करा रही है। बरेली में विकास के 35000 करोड़ के एमओयू हुए, जिसमें सात हजार करोड़ के कार्य लागू हो सके हैं। बाकी फिलहाल नजर नहीं आ रहा है, जबकि जीएसटी देने के मामले में प्रयागराज मंडल पहला है तो बरेली पांचवें स्थान पर है।

परिवहन के लिए शुरू किये जायं रिवर पोर्ट : आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि मान्यताप्राात औद्योगिक संगठनों में कार्यालयों में सरकार को 'नॉलेज बैंक' स्थापित करना चाहिए, साथ ही, माल की बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए राज्य सरकार को 'रिवर पोर्ट' शुरू करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार को इस सिलसिले में सुझाव दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रिवर पोर्ट शुरू करने की बात कही है। इससे माल के परिवहन व्यवस्था में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों में उद्यमियों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य सरकार को नोडल एजेंसी बनानी होगी। साथ ही, हमें विभाग के उद्योगों के कार्यालयों को सुसज्जित करना होगा।

साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क में होनी चाहिए बड़ी कंपनियां : जैसे प्रदेश के लिए 'साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क' का महत्व ज्यादा है, उसी तरह बरेली में यह पार्क बनाना होगा। इसके आपरेशन सिस्टम में बड़ी कंपनियों को आना होगा, ताकि 'जॉब' में आने वाले युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके और इसका लाभ सभी लोगों को मिल सके। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि आज हमें छोटे उद्योगों में तकनीकी सिस्टम को चलाने के लिए 'वर्क फोर्स' की जरूरत है, पर वह उपलब्ध नहीं है। युवा एनसीआर या अन्य बड़े शहरों में चले जा रहे हैं। जो 'स्किल' पैदा हो रहा है, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें स्थानीय उद्योग से जोड़कर रखें।

तो अच्छा हो सकता था प्लास्टिक उत्पादन : बरेली हमेशा से केमिकल व सिंथेटिक उद्योग के लिए जानी जाती है, इस कारण इसके पुराने जानकार भी यहां उपलब्ध हैं, आज अगर बुनियादी ढांचा होता, तो अच्छा प्लास्टिक उत्पादन हो सकता था। इन चीजों का 'क्लस्टर' दे पाते। उनका कहना है कि मेडिकल उपकरण बहुत सा पार्ट केमिकल पर आधारित है, उन चीजों का उत्पादन कर सकते हैं। पूरे प्रदेश में भेज सकते हैं, इसके लिए डाटा सेंटर, कंसल्टेंट व तकनीकी ज्ञान रखने वाले लोगों की जरूरत है।

उद्योगों के विकास के लिए मीडिया की अहम भूमिका : उद्योगों के विकास में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मीडिया पारदर्शिता के साथ जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। इसी से चीजें आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि क्रांति तो इसी से आ सकती है। वीडियो व प्रिंट मीडिया के स्वरूप को लेकर उन्होंने कहा कि डिजिटल तो जरूरी है, पर प्रिंट बहुत जरूरी है, क्योंकि 'प्रिंट मीडिया' ही सही तथ्य प्रस्तुत करता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

दुनिया को लुभा रहे बरेली के बांस-बेंत के फर्नीचर

बरेली को यू ही बांस बरेली नहीं कहते। यहां के बने बांस-बेंत के फर्नीचर ने धाक जमा रखी है। कारोबारियों के मुताबिक यहां बने बांस-बेंत के फर्नीचर यूरोप, फिलिपींस, डेनमार्क सहित अन्य देशों को भी निर्यात हो रहे हैं। बांस और बेंत से बरेली में अनेक आकर्षक व उपयोगी वस्तुएँ बनती हैं। कुर्सियां, टेबल, सोफ़ा, बेड, स्टूल, रैक, शेल्फ़, झूला, बेबी क्रेडल,ट्रे, लैम्प, होम डेकोर आइटम, कैफ-रिसॉर्ट के लिए थीम आधारित सेट, फूलदान और सजावटी शोपीस, टोकरी, डलिया और स्टोरेज बॉक्स, फाउंटेन, शेड, गार्डन डेकोरेशन व अन्य वस्तुएं यहां के कारगर बनाते हैं।

आसाम, त्रिपुरा से मंगाते हैं बांस : कारोबारी खालिद ने बताया कि आसाम, त्रिपुरा से बांस मंगवाया जाता है। सरकार बांस की खेती को प्रोत्साहन दे रही है। मिशन बैंबू के तहत नवाबगंज और फतेहगंज पश्चिमी के किसान बांस की खेती कर रहे हैं। कुछ साल में ये बांस तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बांस से हर तरह का फर्नीचर नहीं बना सकते। क्योंकि ये अंदर से खोखला होता है। बेंत से हर तरह का फर्नीचर तैयार किया जा सकता है। बेंत का फर्नीचर ज्यादा लुभावना होता है। बरेली के पुराना शहर से लेकर सीबीगंज, पदारथपुर, ठिरिया, उड़ला जागीर, आलमपुर, गरगटा, फतेहगंज पश्चिमी, नवाबगंज के गांवों में बांस-बेंत के फर्नीचर बनाने का काम पीढ़ियों से हो रहा है।

बेहतरी के प्रयास : बांस- बेंत के काम को और निखारने के लिए बरेली में कई तरह के कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए गए हैं। इसमें किसानों का बांस खरीद कर कंपनियों के माध्यम से बांस के आभूषण, गृह सज्जा, फर्नीचर जैसे तमाम वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। कारीगरों को प्रशिक्षित करने के लिए आसाम, त्रिपुरा से प्रशिक्षक बुलाए जाते हैं।

घरों में होता है बेंत का काम

फर्नीचर कारोबारी खालिकिन नूर ने बताया कि छोटे कारखानों और घरों में बेंत का काम होता है। कोई कारीगर सोफा, कुर्सी, स्टूल जैसे फर्नीचर बनाने में उस्ताद होता है तो कोई सजावटी सामान में। इसीलिए अलग-अलग कारीगरों से सामान तैयार करवाते हैं। राज्य के कई शहरों के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी माल जाता है।

लकड़ी के फर्नीचर का जलवा

बरेली लकड़ी के फर्नीचर की बहुत बड़ी मंडी है। सैकड़ों दुकानें-शोरूम यहां के फर्नीचर की कहानी सुनाते हैं। यह शहर अपने फर्नीचर की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। फर्नीचर की लंबी रेंज ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की सुविधा देता है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए बेहतरीन फर्नीचर के साथ अब शहर में ब्रांडेड फर्नीचर के भी शोरूम बड़ी संख्या में खुले हैं।

गुणवत्ता के साथ बनाते हैं डिजाइन

बरेली फर्नीचर डीलर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गोयल कहते हैं कि बरेली के फर्नीचर की सबसे बड़ी खासियत है गुणवत्ता। हम ग्राहक के मनमुताबिक डिजाइन तैयार करवाते हैं, साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हैं। यही भरोसा बरेली के फर्नीचर बाजार को खास बनाता है। बरेली में बना फर्नीचर आसपास जिलों के अलावा उत्तराखंड समेत दूसरे कई प्रदेशों में जाता है।

मशक्कत से मिला ओडीओपी

ऐसोसिएशन के महामंत्री सौरभ गर्ग भी बरेली के फर्नीचर को खास बताते हैं। वह कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में बरेली से बड़ी फर्नीचर की मंडी नहीं। यहां सैकड़ों छोटे-बड़े प्रतिष्ठान हैं। दिल्ली बहुत बड़ी मंडी है। लेकिन वहां भरोसे की कोई गारंटी नहीं। आप मांगेंगे कुछ, दिखाया जाएगा कुछ और घर पहुंचेगा कुछ और। हमारी सबसे बड़ी पूंजी ही ग्राहकों का विश्वास है। उन्होंने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में फर्नीचर को शामिल कराने के लिए हमें बहुत मशक्कत करनी पड़ी। आडीओपी मिलने से इस कारोबार से जुड़े करोबारियों सहित हजारों कारीगरों को फायदा मिलेगा। वित्तीय सहायता, कौशल विकास, ब्रांडिंग और प्रचार के अलावा रोजगार सृजन होगा।

नई अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बरेली

परंपरा बदली, पहचान नहीं

बरेली। एक समय था जब कुमाऊं की रोजमर्रा की जरूरतों की सबसे बड़ी सप्लाई बरेली से ही पूरी होती थी। हल्द्वानी, काठगोदाम, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक हर तरह का सामान अनाज, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, निर्माण सामग्री बरेली की मंडियों से ही निकलता था। पहाड़ों की रोजमर्रा की जरूरतें, निर्माण सामग्री, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, अनाज, मशीनरी और उपभोक्ता वस्तुएं बरेली की मंडियों से ही निकलकर काठगोदाम और हल्द्वानी होते हुए पहाड़ों तक पहुंचती थीं। लंबे समय तक यह संबंध इतना मजबूत था कि बरेली को कुमाऊं की आर्थिक जीवन-रेखा तक कहा जाता था।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, तो वह पुरानी व्यापारिक परंपरा में बदलाव आने लगा, जिसके बाद कुमाऊं के बाजार अपने नए व्यापारिक केंद्र खोजने लगे और व्यापार का एक बड़ा हिस्सा बरेली की पकड़ से दूर चला गया। कई लोगों को लगा कि इससे बरेली की बाजार पहचान कमजोर हो जाएगी। लेकिन बरेली की असली ताकत केवल उसकी भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी अनुकूलन क्षमता है। बरेली ने अपनी पहचान बनाए रखने के लिए नए क्षेत्रों में खुद को और मजबूत किया। आज यह शहर फिर से पश्चिम यूपी की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बनकर उभर रहा है।

एक समय था जब कुमाऊं के व्यापारिक केंद्र हल्द्वानी और काठगोदाम बरेली की मंडियों पर निर्भर थे। पहाड़ों में निर्माण कार्य से लेकर त्योहारों और शादी-विवाह की सजावटी चीजें, हर तरह का सामान बरेली से जाता था। इस अवधि में बरेली की ग्रेन मंडी, खैराती लाल मार्केट, सर्राफा मार्केट, सिविल लाइन्स और कोहाड़ापीर जैसे इलाकों की गिनती उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्रों में होती थी। सामान की खरीद-फरोख्त का रूटीन इतना तयशुदा था कि बरेली के बाजारों पर कुमाऊं की मांग सीधा असर डालती थी। पहाड़ों के लोगों का बरेली सिर्फ व्यापार के लिए नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, खरीदारी और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आना आम था।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद दो बड़े बदलाव हुए। पहला प्रशासनिक और कर व्यवस्था का बंटवारा हुआ और दूसरा कुमाऊं में व्यापारिक केंद्रों का विकास होने लगा। नई राज्य सरकार ने हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और पंतनगर जैसे क्षेत्रों को विकसित किया। इससे स्वाभाविक रूप से बरेली पर निर्भरता घटने लगी। पहले जहां पहाड़ों की जरुरत के लिए हर बड़े व्यापारी को बरेली का रुख करना पड़ता था, वहीं अब हल्द्वानी और रुद्रपुर में ही बड़े गोदाम, मंडियां और कारोबारी प्रतिष्ठान बनने लगे। टैक्स संरचना बदलने से बरेली से माल भेजना अब पहले जैसा सहज नहीं रह गया। इन कारणों से बरेली का वह पारंपरिक एकाधिकार धीरे-धीरे टूटने लगा। यह बदलाव पूरी तरह स्वाभाविक था। कुमाऊं का बाजार बरेली से काफी दूर होता चला गया। लेकिन बरेली की असली क्षमता इसी मोड़ पर सामने आई। शहर ने बदलते समय के साथ खुद को ढाल लिया और नए क्षेत्रों में व्यापारिक विकास की राह को तलाशना शुरू किया और एक नई रफ्तार के साथ नई ऊंचाई पाया। बरेली की पुरानी मंडियों ने खुद को आधुनिक व्यापारिक जरूरतों के अनुसार ढाला। अनाज, फल-सब्जी और किराना व्यापार आज भी क्षेत्र में मजबूत स्तंभ हैं। इसके अलावा कपड़ा और सर्राफा बाजार का फैलाव बरेली को पश्चिम यूपी का प्रमुख रिटेल और थोक केंद्र बनाए रखता है।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद बरेली के व्यापार में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई। समय के साथ बरेली ने नए केंद्रों की खोज की और खुद को भी बदला लेकिन अपनी परंपरा से दूर नहीं हुआ। बरेली आसपास के सभी नए बाजारों की खोज की और उनमें अपनी गहरी पैठ बनाकर अपनी व्यापारिक क्षमता को साबित किया। **- राजेश जसोरिया, संयुक्त महामंत्री, उप्र उद्योग व्यापार मंडल**

पहले उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड एक थे, तब हमारा काम एक ही सिस्टम से होता था। उस समय काम आसान था, लेकिन नए ग्राहकों तक पहुंच सीमित थी। जब उत्तराखंड राज्य बना तो हमें दोनों जगहों पर अलग-अलग काम बढ़ाने का मौका मिला। अब हमारे पास दोनों राज्यों के लिए सप्लाई चैन, तेज डिलीवरी मौजूद हैं। **-रजत मल्होत्रा, सचिव, आईआईए, बरेली**

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से बरेली के सर्राफा करोबार में काफी बदलाव आया है, जहां कुमाऊं का मुख्य बाजार बरेली था वहीं आज बरेली अन्य क्षेत्रों के लिए भी बड़ा बाजार बन गया है। कुमाऊं को अलग हुए 25 साल हो गए, लेकिन अब भी कारोबार चल रहा है। बरेली ने खुद को बदला और नए बाजारों की तलाश की। **-संदीप अग्रवाल मिंटू, अध्यक्ष, ज्वेलर्स एंड बुलियन ए.**

25 साल पहले बरेली से अलग हुए उत्तराखंड के कपड़ों की जरूरतों को बरेली ही पूरा करता रहा, लेकिन उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से यहां के कपड़ा कारोबार में गिरावट तो आई लेकिन दिल्ली और लखनऊ के मध्य होने से बरेली को अन्य स्थानों के व्यापारी मिले, जिससे कपड़ा उद्योग पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। **-दर्शनलाल भाटिया, चेयरमैन- उप्रदेश व्यापार मंडल और अध्यक्ष- रेडिमेड** गारमेंट

परंपरा और आधुनिकता का मेल

बड़े बाजार से मॉल तक की यात्रा

बरेली। उत्तर प्रदेश का शहर बरेली तेजी से बदलते व्यापारिक केंद्र का प्रतीक बन चुका है। सदियों पुरानी परंपराओं वाली गलियां जैसे बड़े बाजार, चौक, कोहाड़ापीर, इमामबाड़ा, कुतुबखाना और किला इलाका जहां कभी थोक व्यापार और मोलभाव की रौनक हुआ करती थी, वहां अब आधुनिक मॉल, ब्रांडेड शोरूम और डिजाइनर स्टोर्स का प्रचलन है। यह बदलाव केवल इमारतों या दुकानों का नहीं, बल्कि व्यापार की सोच, ग्राहकों की बदलती पसंद और समय के साथ विकसित बाजार के स्वरूप का पर्याय है। फिनिक्स मॉल, सिटी मॉल और डीडीपुरम रोड जैसे नए आर्थिक केंद्रों ने पुरानी पहचान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खरीदारी अब सिर्फ जरूरत का माध्यम नहीं, बल्कि एक पूर्ण अनुभव बन चुकी है। बरेली का यह व्यापारिक सफर दर्शाता है कि परंपरा बदलती तो है, लेकिन मिटती नहीं बस नया रूप धारण कर लेती है। बड़े बाजार और चौक जैसी जगहें अभी भी सांस्कृतिक जड़ों का प्रतीक हैं, जबकि मॉल और ब्रांडेड स्टोर्स आधुनिकता का चेहरा। दोनों का संगम बरेली को 'संस्कृति और व्यवसाय का संतुलित शहर' बनाता है, जहां आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी झलकता है। यह यात्रा न केवल व्यापारियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज के अनुकूलन का जीवंत उदाहरण भी। भविष्य में बरेली और भी मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा, जहां पुरानी यादें नई कहानियों को प्रेरित करती रहेंगी।

ज्वेलरी व्यापार : सोनारों की गलियों से डायमंड शोरूम तक : चौक और कोहाड़ापीर की तंग गलियों में दशकों तक सोना-चांदी की छोटी-छोटी दुकानें चमकती रहीं। यहां हाथ से बनी ज्वेलरी झूमके, हार और चूड़ियां न केवल व्यापार का आधार थीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा भी थी। लेकिन आधुनिकता की लहर ने इस क्षेत्र को भी नया रूप दे दिया है। अब तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, पीएनजी और साराफा मार्केट जैसे ब्रांडेड शोरूम स्थानीय ज्वेलर्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मशीन-कट डिजाइन्स, डायमंड सेक्शन और हॉलमार्क्ड गारंटी अब ग्राहकों की प्राथमिकता हैं। अब ग्राहक सिर्फ डिजाइन नहीं, बिल और वारंटी भी चाहता है, कोहाड़ापीर के एक सुनार ने कहा। यह परिवर्तन न केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी नई तकनीकों अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। ज्वेलर्स एण्ड बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल मिंटू ने बताया कि बरेली ने खुद को बदलते हुए परिवेश में बदला और प्राचीनता और परंपरा के साथ ही आधुनिकता को महत्व दिया। पहले जहां ज्वेलरी की छोटी दुकानें होती थी वहीं आज महानगर में कई बड़े ब्रांड के शोरूम में है। जिसने बरेली को एक अलग ही पहचान दी है।

मिठाई और बर्तन : स्वादिष्ट परंपरा से फ्यूजन सुविधा तक : बरेली की मिठाई रसगुल्ला, पेड़ा, लड्डू और बर्फी हमेशा से शहर की शान रही है। इमामबाड़ा रोड और सिविल लाइंस इलाकों में छोटे हलवाइयों की दुकानें स्वाद का खजाना हुआ करती थीं। लेकिन अब ब्रांडेड चेन जैसे छप्पन भोग, बिकानेरवाला और हल्दीराम ने बाजार में अपनी पैठ बना ली है। फ्यूजन स्वीट्स, ड्राय फ्रूट मिठाइयां और बेकरी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है, जहां पैकिंग और प्रेजेंटेशन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना स्वाद। स्वाद वही है, लेकिन पैकिंग और प्रेजेंटेशन में बड़ा बदलाव आया है। इसी तरह, बर्तन व्यापार में भी क्रांति आ चुकी है। किला रोड और डीडीपुरम इलाकों में पहले पीतल, तांबे और स्टील के पारंपरिक बर्तन बिकते थे। अब नॉन-स्टिक, माइक्रोवेव-सेफ, डिजाइनर क्रॉकरी और किचन सेट की दुकानें खूब फल-फूल रही हैं। यह बदलाव आधुनिक रसोई की जरुरतों को पूरा करता है, जहां सुविधा और सौंदर्य दोनों का ध्यान रखा जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर और फोम उद्योग : जीवनशैली की नई मांगें : सिविल लाइंस और डीडीपुरम रोड अब इलेक्ट्रॉनिक्स का मुख्य बाजार है। जहां पहले टीवी और रेडियो तक कारोबार सीमित था, वहीं अब स्मार्टफोन, एलईडी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और होम ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स की भरमार है। ग्राहक ऊर्जा-कुशल और स्मार्ट डिवाइसेस की तलाश में हैं, जो आधुनिक जीवन को आसान बनाते हैं। फर्नीचर और फोम उद्योग भी पीछे नहीं हैं। किला रोड, प्रीतम नगर और अन्य इलाकों में लकड़ी के पारंपरिक काम से निकलकर मॉड्यूलर फर्नीचर, फोम मैट्रेस और डेकोर स्टूडियो उभर आए हैं। स्लीपीहेड, स्लीपवेल जैसे ब्रांड घर-घर पहुंच चुके हैं। अब ग्राहक लकड़ी का वजन नहीं, फर्नीचर की डिजाइन और कम्फर्ट को तवज्जो देता है, एक फर्नीचर निर्माता ने कहा। यह क्षेत्र नई पीढ़ी की आरामप्रिय जीवनशैली को दर्शाता है।

कपड़ा व्यापार: गलियों से ब्रांड्स तक

पुराने दिनों में कुतुबखाना और बड़े बाजार बरेली का थोक और खुदरा व्यापार का केंद्र रहा। हाथों से सिलाई और बुनाई का काम होता था और ग्राहक कपड़े की मजबूती व कीमत पर जोर देते थे। लेकिन अब रेडीमेड गारमेंट्स, डिजाइनर बुटीक और ब्रांडेड फैशन स्टोर्स मॉल्स व मार्केट कॉम्प्लेक्स में फैल चुके हैं। ग्राहक अब क्वालिटी के साथ ब्रांड वैल्यू, स्टाइल और फैब्रिक की चमक भी तलाशते हैं। यह बदलाव बरेली को उत्तर भारत के फैशन हब के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के चेयरमैन व रेडिमेड गारमेंट के अध्यक्ष दर्शनलाल भाटिया ने बताया कि पहले बरेली में छोटी दुकानें होती थी और ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता भी सीमित हुआ करती थी। अब बड़े ब्रांडों के शोरूम खुल गए हैं और ग्राहकों के सामने कपड़ों के चयन और खरीदने का अवसर बढ़ा है। ग्राहकों की क्षमता और पसंद ने बरेली को एक छोटे बाजार से बड़े बाजार में बदल दिया है। आज बरेली में सभी बड़े ब्रांड मौजूद है।

मॉल संस्कृति : खरीदारी से अनुभव तक का सफर

पिछले एक दशक में मॉल संस्कृति ने बरेली के व्यापार को नया आयाम दिया है। जहां पहले ग्राहक गलियों में मोलभाव करते थे, वहीं अब परिवार के साथ एयर-कंडीशंड मॉल्स जैसे फिनिक्स मॉल और सिटी मॉल में शॉपिंग, फूड कोर्ट, मनोरंजन और समय बिताने का पूरा पैकेज मिलता है। अब शॉपिंग एक अनुभव है, जहां लोग देखना, घूमना और समय बिताना चाहते हैं, एक युवा ग्राहक ने साझा किया। ये मॉल न केवल आर्थिक केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के स्थान भी बन चुके हैं, जो पुरानी मंडियों की रौनक को आधुनिक रूप में जीवित रखते हैं।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

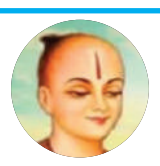

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण।।

तुलसीदास जी कहते हैं, धर्म का असली मूल दूसरों पर दया करना है और अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान ही पाप की बुनियाद है। जब तक जीवन है इंसान को दया करना नहीं छोड़नी चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा पर शब्द संयम भी जरूरी

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत-संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था, तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे। अब परिवार में सभी के पास अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। जानकारियों का स्रोत है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी है। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। यह दोधारी तलवार है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा, पीछे कमरे में। मैंने कहा, आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा, फोन है, तो क्यों जाएं?

सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केंद्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है, लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसी किसी नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर एक साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खंड-2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के संबंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है, लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया, "संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त, अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।" इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं, इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होता है। निर्धारित समय पर अस्त होता है। चंद्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है- शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण है। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौंदर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनुच्छेद 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है, लेकिन राजनीतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमंडल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्रवाई नहीं कर सकते, इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है।

वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय संवाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग है। इसी तरह बात-बे-बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारती समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए, लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहां तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

मोबाइल फोन बच्चों को बना रहा है आक्रामक

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। धौलपुर का यह अकेला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर लिया। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा, बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है।

यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं, जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है। ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉश्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

> पिछले कुछ महीनों में मोबाइल फोन की वजह से कई बच्चों ने जान दे दी। इन सभी को मोबाइल फोन के इस्तेमाल से रोका गया था। यही नहीं, एक मां ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसका बच्चा मना करने के बावजूद लगातार फोन यूज कर रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण व्यवहार में आक्रामकता, एकाकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है, जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है।

सामाजिक समरसता की प्रेरक भूमि

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दिव्य स्वर्णमंडित शिखर पर लहराता भगवा ध्वज हमें अपनी गौरवशाली परंपरा का स्मरण करा रहा है। इस ध्वज के नीचे हमें राम मंदिर के लिए हुए असंख्य बलिदानों का स्मरण हो जाता है। यह ध्वज भारत की आशाओं-आकांक्षाओ का ही नहीं अपितु हिंदू राष्ट्र के तेज पुंज का प्रतीक है। राम मंदिर का पावन प्रांगण सामाजिक समरसता की दिव्यता का अनुभव कराता है।

जाति-पांति पूछे नहिं कोई हरि को भजे सो हरि को होई। यह पंक्ति राम मंदिर में चरितार्थ होती है। रामलला के दर्शन का स्थान नियत है, वहीं से सबको दर्शन करना होता है। श्याम वर्ण की रामलला की मूर्ति जो गर्भगृह में स्थापित है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

श्रीराम मंदिर के परकोटे में महर्षि अगस्त्य व महर्षि वाल्मीकि के अलावा देवी अहिल्या , निषादराज गुहा और माता शबरी का मंदिर बना है। संत तुलसीदास का मंदिर है, तो जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। इस नाते श्रीराम की जन्मभूमि सामाजिक समरसता की दिव्य भूमि व एकात्मता की सामार्थ्य भूमि बन गई है। यह संतों की पूजा भूमि, हिंदुओं की पुण्यभूमि, कारसेवकों की शौर्य भूमि, जन-जन की श्रद्धा भूमि, जन कल्याण की प्रेरणा भूमि और भारतीयता की आदर्श भूमि है।

अब यहां से युगों-युगों तक समरसता की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। रघुवंश के परम रक्षक व राम के कुलगुरु गुरु वशिष्ठ ने परशुराम के कोप से रघुवंश की रक्षा की थी। राम के समय तक वह सशरीर अयोध्या में रहे। परकोटे में ही महर्षि विश्वामित्र का मंदिर है। यज्ञ की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को वही वन में लेकर गए। सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र संचालन की विद्या राम को विश्वामित्र ने ही दी। भगवान शंकर से प्राप्त समस्त दिव्यास्त्र उन्होंने ही श्रीराम को दिए।

बृजनंदन राजू
वरिष्ठ पत्रकार

भगवान राम के जीवन चरित्र को सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि ने ही देवर्षि नारद की प्रेरणा से रामायण के रूप में लिपिबद्ध करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण के दिन सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समरसता का संदेश दिया। निषाद राज गुह और राम की मित्रता से कौन परिचित नहीं है। वह राम के सखा हैं, इसलिए उनको भी स्थान दिया गया है।

देवी अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया था। राम की अनन्य भक्त मां शबरी ने वनवास के दौरान श्रीराम को मीठे बेर खिलाए थे, तो शबरी का भी मंदिर है। म सेतु बंधन के समय गिलहरी ने अपना योगदान दिया था। मंदिर परिसर में एक टीले पर गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसके अलावा परिसर में पक्षीराज जटायु की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। लंकाधिपति रावण जब माता जानकी का हरण कर आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था, तब गिधराज जटायु ने सीता का विलाप सुनकर रावण से घनघोर युद्ध किया था। रावण ने जटायु के पंख काट दिए थे। राम की आंखों के सामने उनका शरीर छूटा। राघव ने अपने हाथों से उनकी अंतिम क्रिया संपनन्न की और पिता का दर्जा उन्हें दिया।

सभी की भूमिका से होगा लोकतंत्र स्वस्थ

देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मतदाता सूचियों का सटीक व वास्तविक होने के लिए चुनाव प्रक्रिया का पारदर्शी होना अतिआवश्यक है। सरकार मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण व हर समय किसी न किसी निकाय, विधानसभा, या लोकसभा के चुनाव चलते रहने के कारण आचार संहिता के लागू रहते विकास कार्यों के बाधित होने के प्रति एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा को स्पष्ट कर चुकी है। एक राष्ट्र एक चुनाव पर निश्चित स्तर पर संगोष्ठियां, बैठकें आयोजित कर जनता का नजरिया प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराकर बिहार का चुनाव कराया। विपक्ष के तमाम तर्क-कुतर्क को दर किनार कर बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ और उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी पोलिंग बूथ पर पुनः मतदान की नौबत नहीं आई। एसआईआर के बाद बिहार चुनाव से उत्साहित राष्ट्रीय चुनाव आयोग कई प्रदेशों में एसआईआर करा रहा है। बीएलओ को एसआईआर के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विपक्ष एसआईआर को वर्ग विशेष को परेशान करने वाली कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसके माध्यम से घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने व एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थान पर वोट न बनने के लिए उचित व आवश्यक मानता है।

नोटा को प्रभावी बनाने के लिए एक मत प्रतिशत निर्धारण किया जाना चाहिए और निर्धारित मत प्रतिशत नोटा का होने पर उस क्षेत्र का चुनाव रद्द घोषित कर प्रत्याशियों की पार्टियों से चुनाव व्यय वसूल कर नए प्रत्याशियों के बीच चुनाव का प्रावधान करना चाहिए।

देश की लोकसभा में नेता विपक्ष सारे देश में वोट चोरी का राग अलापते व इसके लिए जेन जी को आगे आने का आह्वान करने से भी नहीं हिचकते। मतदाता सूचियों की अशुद्धि पर हाइड्रोजन बम फोड़ रहे हैं, लेकिन एसआईआर में पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील नहीं करते। देश का सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर के प्रति अपना नजरिया स्पष्ट कर चुका है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत कर चुका है, जिसके परिणामस्वरूप एसआईआर का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में बेसिक शिक्षा राजस्व विभाग और निकाय कर्मी बतौर बीएलओ जुटे हैं और घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि, मृतकों का सत्यापन व पलायन करने वाले मतदाताओं को सूचियों से बाहर कर रहे हैं, क्योकि पारदर्शी व वास्तविक मतदाता सूची समयबद्ध चुनाव आयोग को सौंपनी है।

सवाल यह है कि विशेष गहन पुनर्रीक्षण की आवश्यकता क्यों है? देश के लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए मतदाता सूची निर्माण में जुटे कर्मियों का दायित्व निर्धारण कर सेवा शर्तों में दायित्व संयोजन के अनुरूप गांव, नगर पंचायत, नगर पालिका, महापालिका वार्ड नगर निगम में नागरिक रजिस्टर पर जन्म मृत्यु और मतदान की आयु प्राप्त करने वालों को मताधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया यदि निरंतर चलाई जाए तो इस कार्य में जुटे किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी पर न तो अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त व्यय होगा।

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

लोकतंत्र को स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक से इसमें योगदान की अपेक्षा की जाती है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति जागरूक होना ही चाहिए और मतदान न करने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कुछ बुद्धिजीवी तर्क देते हैं कि वोट देना या न देना, उनका मौलिक अधिकार है, तो उनसे निवेदन है कि वे नकारात्मकता को त्याग कर अपने वोट देने को ही मालिक अधिकार मानें।

चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दल राजनीतिक व जातीय समीकरण के आधार पर अपना प्रत्याशी उतारते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि मतदाता को कोई भी प्रत्याशी चुने जाने के योग्य नहीं लगता, तो उसका चुनाव में भाग लेने का रुझान ही नहीं रहता और वह मतदान से दूर रहकर अपनी हताशा को जाहिर करता है। चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों की मनोदशा का आकलन करने से लिए 'नोटा' का विकल्प दिया।

नोटा के विकल्प से यह तो पता चला कि क्षेत्र विशेष में कितने मतदाता किसी प्रत्याशी को चुने जाने के योग्य नहीं समझते, लेकिन नोटा का मत व्यक्त करने वालों को नजरअंदाज कर डाले गए मतपत्रों की गणना के आधार पर बहुमत पाने वाले प्रत्याशी को चयनित घोषित कर दिया जाता है। इस तरह नोटा का कोई अर्थ ही नहीं है, तो ऐसा मतदाता लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर मतदान करे ही क्यों?

अंतरशक्तियों के जागरण से मीरा अमृत की तरह पी गईं जहर

भक्तिकाल की कवयित्री तथा संतों की सूची में 'मीराबाई' का नाम शामिल है। मीरा थीं तो राजघराने की, लेकिन मीरा की स्थिति-परिस्थिति देखकर तो प्रतीत होता है कि उनमें शिवत्व का वास था, क्योंकि धर्मग्रंथों में विष का संबंध या तो देवाधिदेव शिव से मिलता है या मीरा से। जहां देव-समूह की रक्षा के लिए शिवजी बड़े आह्लाद के साथ विषपान करते हैं, वहीं कृष्ण की भक्ति के बल पर उन्हें विष दिया गया, तो उसे उसमें देव-तत्व का अमृत मिलाकर मीरा पी गईं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मीरा के जीवन का इतिहास है कि उच्चस्तरीय परिवार में उनका विवाह हुआ। राजमहल में रहने वाली मीरा पर जन्म-जन्मांतर की भक्ति का असर था, लिहाजा वह जोगन (योगी) बन गईं। इस कथ्य पर गौर किया जाए तो मनुष्य का शरीर किसी राजमहल से कम नहीं है। इस महल में दस द्वार और सात झरोखे हैं। द्वार के रूप में दस ज्ञानेंद्रियां और कर्मेन्द्रियां हैं तो सात झरोखों में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार चक्र शामिल हैं।

मीरा का जोगन बनना यह प्रमाणित करता है कि बाह्यजगत के बजाय अंतर्जगत में स्थित होकर इन चक्रों को उन्होंने जागृत कर लिया। योग दर्शन में इन चक्रों को साधने को ही कुंडलिनी जागरण भी कहते हैं। मीरा के अत्यंत प्रचलित भजन में एक पद 'महलों में पली बन के जोगन चली, मीरा गली गली हरि गुण गाने लगी...' का उल्लेख है, जिसका सीधा अर्थ है कि मीरा ने अंतर्जगत में स्थित आह्लाद रूप में स्थित ईश्वरीय शक्तियों से जब संबंध बनाया तो शरीर की नस-नाड़ियों के रूप में जितनी गलियां हैं, सब से गोविंद शब्द स्वतः निकलने लगा।

योग की सिद्धि में रोम-रोम से 'ऊँ' और 'राम' की गूंज होने लगती है। इसी 'राम' गूंज को डाकू जीवन जी रहे रत्नाकर को महर्षि नारद ने बताया और इसकी साधना कराई तो डाकू प्रवृत्ति छूट गई तथा ऋषित्व भाव जागृत हो गया। फिर तो वाल्मीकि होकर रामायण की रचना की तथा प्रथम कवि कहलाए।

मीरा की अंतरशक्तियों के जागरण का यह परिणाम रहा कि वह जहर को अमृत की तरह पी तो गईं ही, साथ ही समुद्र के खारापन को दूर करने के लिए मीठी सरिता का मिलन करा दिया।

कंपनियों के 'लचीलेपन' से दबाव में काम कर रहे कर्मचारी

दफ्तर अब चहारदीवारों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कभी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने, तो कभी फोन के कैमरे पर, तो कभी घर के डाइनिंग टेबल पर ही मीटिंग शुरू हो जाती है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी क्रांति और कारोबारी प्राथमिकताओं के बदलते समीकरण ने नौकरी और करियर की दुनिया को बिल्कुल नई शक्ल दी है। एक पीढ़ी पहले जिन अवसरों की कल्पना भी मुश्किल थी, वे आज दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन इस उजली तस्वीर के पीछे एक साया भी है। लगातार बढ़ता दबाव, अस्थिरता का डर और वह असर, जो हमारे जीवन के बाकी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

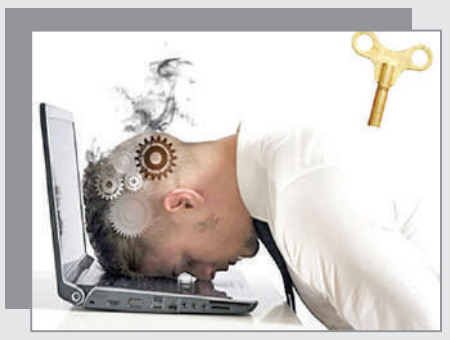

कभी 'पक्की नौकरी' सुनकर मन में एक सुकून उतर आता था। आज यह शब्द बहुतों के लिए बीते समय की कहानी हो चुका है या मूल रूप से सरकारी नौकरियों के संदर्भ में ही उचित लगता है। स्थायी पदों की जगह अब ठेका, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग और गिग वर्कर ने ले ली है। कंपनियां इसे 'लचीलापन' कहती हैं, लेकिन इस लचीलेपन की कीमत कर्मचारी अपने भविष्य की अनिश्चितता और लगातार बढ़ते दबाव से चुकाते हैं। हर समय यह चिंता साथ रहती है, कहीं प्रदर्शन में कमी न रह जाए, कहीं पद न चला जाए। शहरों में लाखों लोग ऊंची डिग्री लेकर भी ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके ज्ञान और योग्यता से मेल नहीं खाते, जबकि दूसरी तरफ़ कंपनियां कहती हैं कि उन्हें सही कौशल वाले लोग नहीं मिल रहे। यह असंगति न केवल नौकरी के आनंद को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर
मथुरा

दफ्तर के माहौल में भी बदलाव साफ़ है। अब समय पर काम पूरा करना 'बेसिक' है। असली अपेक्षा है हर वक्त उपलब्ध रहना, हर संदेश का जवाब तुरंत देना और हर कॉल उठाना। चाहे वह रात हो या छुट्टी का दिन। वर्क-फ्रॉम-होम और तेज़ डिजिटल कनेक्टिविटी ने काम को घर का स्थायी मेहमान बना दिया है। जो मोबाइल और ईमेल कभी सुविधा के प्रतीक थे, अब दबाव के प्रतीक बन चुके हैं।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका असर हमारे परिवार, रिश्तों और सामाजिक जीवन तक जाता है। क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ का मतलब सिर्फ़ अच्छा वेतन या सुविधाजनक दफ्तर नहीं है। इसमें शामिल है सम्मानजनक माहौल, प्रबंधन का व्यवहार, सीखने और आगे बढ़ने के मौके और सबसे अहम, निजी समय का सम्मान। जब काम की मांग इन सब पर हावी हो जाती है, तो घर के दृश्य भी बदल जाते हैं। बच्चों के साथ खेलने का वक़्त, बुजुर्ग माता-पिता की बातें सुनने का सुकून, पति-पत्नी के बीच का खुला संवाद, दोस्तों से मिलने-जुलने का मौका, सब धीरे-धीरे सिमटने लगता है।

दुनिया में इस प्रवृत्ति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। फ्रांस और स्पेन में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कानून है, जो कर्मचारियों को कार्य समय के बाद डिजिटल रूप से अलग रहने का अधिकार देता है। जापान में 'प्रोडक्टिविटी विद वेल-बीइंग' मॉडल पर काम हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों का स्वास्थ्य कंपनी की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है। आइसलैंड और ब्रिटेन में 'फोर डे वीक' के प्रयोग से पता चला कि कार्य-दिवस कम करने से उत्पादन और रचनात्मकता घटती नहीं, बल्कि कई बार बढ़ती है।

भारत के लिए यह चर्चा और भी अहम है, क्योंकि यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा युवा हैं और देश की आर्थिक रफ्तार इन्हीं कंधों पर टिकी है। ऐसे में वर्क-लाइफ़ बैलेंस का सवाल सिर्फ़ कर्मचारियों की सुविधा का नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की आर्थिक स्थिरता का है। समाधान के तीन बड़े स्तंभ हैं, शिक्षा और उद्योग के बीच कौशल का मेल, श्रम नीतियों में स्पष्ट और मानवीय सीमाएं और कंपनियों में कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देना, लेकिन बात केवल नीतियों तक सीमित नहीं है। असली बदलाव तब होगा जब दफ्तर की संस्कृति बदले, प्रबंधन की सोच में परिपक्वता आए और कर्मचारियों के समय और ऊर्जा का सम्मान किया जाए। संतुलन सिर्फ़ व्यक्तिगत आदत नहीं है, यह उस पूरे माहौल का परिणाम है जिसमें व्यक्ति काम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

इस सर्दी ट्रेंड में रहेंगे ये ड्रीमी हेयर कलर

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में वूमेन फैशनेबल गर्म कपड़ों पर खूब ध्यान देती हैं, लेकिन हेयर कलर को लेकर वह ज्यादा नहीं सोचतीं। यह आपको एक नया और शानदार लुक देने का भी सही समय है। इस सर्दी में हेयर कलरिंग की दुनिया में कुछ रोमांचक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बार सारा जोर ऐसे रंगों पर होगा, जो आपके प्राकृतिक रूप को निखारते हुए शानदार लुक दें। इस सीजन के ट्रेंड्स गहरे, चमकदार रंगों के साथ ही सोच-समझकर किए गए फ्यूजन पर होगा। हेरिटेज गोल्ड (सर्दियों की धूप से प्रेरित) से लेकर गॉथिक ब्रुनेट तक, हर किसी के लिए एक नया हेयर कलर है।

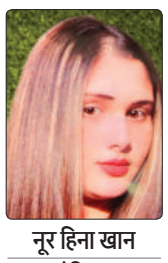

नूर हिना खान
लेखिका

ख्याल रखने वाली बातें

सर्दियों के महीनों में रंगीन बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ और जीवंत बने रहें।

- अपने बालों के रंग को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सल्फेट-मुक्त शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें।
- सर्दियों की शुष्क हवा बालों को सुखा सकती है। हाइड्रेटिंग हेयर मास्क और तेलों का नियमित रूप से उपयोग करें।
- अत्यधिक हीट स्टाइलिंग से रंग फीका पड़ सकता है और बाल खराब हो सकते हैं। हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का उपयोग करें और कम तापमान पर स्टाइल करें।

गोल्डन स्ट्रॉबेरी ब्लोंड

यह एक ऐसा हेयर कलर है, जिसकी चमक और धूप वाली वाइब्स की वजह से कुछ ऐसा लुक आता है, जो सर्दियों के फीके महीनों को चटख बना देगा। यह शेड ब्लोंड की चमक को कॉपर वार्मथ के साथ मिलाता है, जिससे एक ग्लोइंग लुक मिलता है, जो फ्रेश लगता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जो वार्मथ और डेप्थ चाहते हैं, या उन ब्रुनेट्स के लिए जो थोड़ा लाइटर होना चाहती हैं। बस गोल्डन कॉपर अंडरटोन या फेस-फ्रेमिंग पीस वाला वार्म हनी बेस मांगें।

हेरिटेज गोल्ड

यह हेयर कलर ट्रेंड पुराने ज़माने से लिया गया है। यह एक हल्का ब्लॉन्ड है, जो रेट्रो और नॉस्टैल्जिक लगता है, फिर भी फ्रेश है। ठंडे महीनों के लिए यह एकदम सही है। यह हल्की गर्माहट देता है। यह नेचुरल ब्लॉन्ड या ब्रुनेट के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जो डेप्थ और मीडियम कंट्रास्ट बनाए रखते हुए मैच्योर, एलिगेंट तरीके से गर्माहट जोड़ना चाहते हैं। अपने कलरिस्ट से हाइलाइट्स के बाद म्यूट गोल्डन बैलेज या वार्म ग्लॉस लगाने के लिए कहें, ताकि आपके बालों में रिचनेस वापस आ सके।

गॉथिक ब्रुनेट

गॉथिक ब्रुनेट शेड उन लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जिनका बेस नैचुरली डार्क होता है। आप अपने कलरिस्ट से एस्प्रेसो या ब्लैक चेरी-टोंड ग्लॉस मांगें, ताकि आपका नैचुरल कलर एक या दो शेड और गहरा हो जाए। बाल जितने डार्क होंगे, लाइट में उतने ही ग्लॉसी दिखेंगे।

म्यूटेड मिड

म्यूटेड मिड असल में सॉफ्ट, न्यूट्रल-वार्म शेड्स जो ब्लॉन्ड, ब्रुनेट और कॉपर के बीच आते हैं, सबसे ऊपर रहेंगे। यह सभी हालिया ट्रेंड्स का एक फ्यूज़न है, लेकिन जानबूझकर हल्का और बिना किसी शर्त के। इस तरह के शेड्स कम मेंटेनेंस वाले, वर्सेटाइल और शानदार होते हैं। बस अपनी पसंद के शेड के लिए एक नेचुरल मिट्टी जैसा अंडरटोन मांगें और इसे ग्लॉसिंग ट्रीटमेंट से बनाए रखें, ताकि फिनिश रिफाइंड रहे और रंग चमकदार और खास दिखे।

मशरूम मोका

यह अर्थियर शेड एक कूल-न्यूट्रल ब्लेंड है, जो डायमेंशन जोड़ता है और ब्रुनेट बालों को एक क्लासी लुक देता है। यह कई तरह की स्किन टोन पर अच्छा लगता है और आसानी से बढ़ता है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो कम मेंटेनेंस वाला कलर चाहते हैं। आप अपने कलरिस्ट से पूरे बालों में ऐश बैलेज के साथ एक न्यूट्रल ब्रुनेट बेस मांगें। इससे मोचा-टोंड ट्रांजिशन में आसानी होगी।

हनी बटर ब्लोंड

हनी बटर ब्लोंड सर्दियों में छा जाने वाला है, क्योंकि वार्म, क्रीमी शेड्स आखिरकार फिर से स्पॉटलाइट में आ रहे हैं। इस शेड को सॉफ्ट कैंडललाइट ग्लो से डिफाइन किया जाता है, जो मूडी मौसम में बालों में चमक और शाइन लाता है। लुक पाने के लिए, अपने कलरिस्ट से वार्म-न्यूट्रल ब्लोंड के लिए कहें, जिसमें हल्का गोल्डन डायमेंशन और ग्लॉसी फिनिश हो, ताकि बटर जैसी गर्माहट बढ़े।

चेरी कोला ब्रुनेट

चेरी कोला ब्रुनेट इस सर्दी में खास तौर से देखने लायक शेड है। यह सब चेरी टोन की गहरी और हल्के हिंट की वजह से है। यह गहरे बालों को बिना पूरी तरह लाल हुए एक मूडी, पॉलिश्ड ग्लो देता है, जो इसे उन ब्रुनेट्स के लिए एक बढ़िया ऑप्शन बनाता है, जो कुछ नया चाहती हैं। अच्छी बात यह है कि चेरी कोला ब्रुनेट सभी पर सूट करता है। अपने स्टाइलिस्ट से डीप ब्रुनेट बेस के लिए कहें, जिसे सॉफ्ट वायलेट-रेड लोलाइट्स या चेरी-टोंड ग्लॉस से बेहतर बनाया गया हो, ताकि कोला जैसी रिचनेस मिल सके।

मॉडल आफ द वीक

नामः आंचल स्वरूप

टाउनः कानपुर

एजुकेशनः स्नातक

अचीवमेंटः मिस ग्लैम ऑफ उत्तर प्रदेश 1st रनर अप

ड्रीमः प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

बॉलीवुड के हीमैन 'गरम धरम'

धर्मेंद्र सिंह देओल बॉलीवुड के 'हीमैन' थे। फिल्मों में उनके गुस्से से भरी खास डायलॉग डिलीवरी की वजह से ही उन्हें 'गरम धरम' भी कहा जाता था। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक थे। पंजाब के एक छोटे से गांव से आकर फिल्मी दुनिया में आला मुकाम बनाना उनकी दृढ़ता और जुनून की कहानी है।

धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में हुआ था। उनके पिता, केवल कृष्ण सिंह देओल, सरकारी स्कूल में हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पंजाब में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था और दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखकर उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा। अपने सपने को पूरा करने के लिए, वह फिल्मफेयर की 'न्यू टैलेंट' प्रतियोगिता में चुने जाने के बाद मुंबई आ गए। मुंबई में शुरुआती संघर्ष के बाद, धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 1960 के दशक में उन्होंने रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन 1970 के दशक में वह एक्शन हीरो के रूप में उभरे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में चमकने का मौका दिया।

धर्मेंद्र के करियर में मील का पत्थर साबित हुई 1975 की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'शोले'। इसमें 'वीरू' का उनका किरदार आज भी अमर है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सत्यकाम', 'चुपके चुपके', 'यमला पगला दीवाना' जैसी कई सफल फिल्में शामिल

हैं। धर्मेंद्र ने आखिरी समय तक अभिनय नहीं छोड़ा था। उनके निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम है 'इक्कीस'। उन्हें 1997 में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर हैं, जिनसे उन्हें सनी देओल, बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। बाद में, उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना देओल हैं। अभिनय के अलावा, वह एक सफल निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। उन्होंने 2004 से 2009 तक बीकानेर से संसद सदस्य के रूप में कार्य किया।

इंडिगो शुरू करेगी कई नई उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो ने शनिवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट से अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की। वाणिज्यिक उड़ानें 25 दिसंबर से शुरू होंगी। इंडिगो ने बताया कि वह 26 दिसंबर से नवी मुंबई से उत्तरी गोवा (मोपा) के लिए उड़ान शुरू करेगी जो सोमवार और गुरुवार छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध होगी। 29 दिसंबर से कोयंबटूर और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार ,30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कॉरपोरेट प्रावधानों का पालन न करने पर जीआरएसई को नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम 17(1), 18(1) तथा 19(1)/19(2) के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं।

लेंसकार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चश्मे और आंखों की देखभाल से जुड़े उत्पाद बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 19.8 प्रतिशत बढ़कर 103.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 86.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। लेंसकार्ट ने समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से एकीकृत आय में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 1,735.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,096.14 करोड़ हो गया।

तेलंगाना को 1.39 लाख मेगावाट बिजली की जरूरत

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के लक्ष्य के अनुसार तेलंगाना को 2047 तक तीन हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य को 1,39,310 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को हर साल 13 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि और 10 प्रतिशत बिजली मांग वृद्धि दर्ज करनी होगी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी

परियोजनाओं के लिए होगा इस्तेमाल, भारत सरकार के साथ एमओयू पर साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया।

भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किए गए जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटिग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई है।

● महाराष्ट्र को मिलेगा सर्वाधिक 50 करोड़ डॉलर का ऋण

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 % बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मांग 8.5 प्रतिशत और घरेलू यात्रा की मांग 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। हवाई यात्रा की मांग को राजस्व यात्री किमी के रूप में मापा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 2024 के मुकाबले अक्टूबर 2025 में मांग 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। कुल क्षमता (उपलब्ध सीट किमी) 5.8 और लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 प्रतिशत अधिक है।

टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर जसूजा ने कहा, टीयर-2 शहर भारत की विकास गाथा के प्रमुख इंजन बने हुए हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2% हुई

वडोदरा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लिया और इस दौरान कहा, 8.2 प्रतिशत की यह वृद्धि सरकार द्वारा किए गए ढेर सारे सुधारात्मक उपायों को दर्शाती है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कारोबार में सुगमता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। गुजरात सरकार इस पदयात्रा का आयोजन करमसद से राज्य के नर्मदा जिले स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर उन दावों का खंडन करती है जो कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे थे, और यह दर्शाती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा, हम निरंतर और मजबूत वृद्धि देखते रहेंगे।

● वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत के माल और सेवाओं के निर्यात ने भी उच्च वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल-अक्टूबर अवधि में माल निर्यात मामूली 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सेवा निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि

क्रिसिल ने जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

कोलकाता। क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला पहली छमाही में अपेक्षा से ज्यादा आठ प्रतिशत वृद्धि के बाद लिया गया है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जो अनुमान से अधिक है। हालांकि मुद्रास्फीति में नरमी के कारण चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत ही रही। जोशी ने बताया कि पहली छमाही में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्क बढ़ने के असर से वृद्धि के 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के अनुसार वास्तविक जीडीपी की ऊंची वृद्धि की मुख्य वजह निजी खपत रही। आपूर्ति पक्ष से देखें तो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी आई। जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति कम होने से देश में वैकल्पिक खर्च बढ़ा है।

एसुस दूसरी तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है। कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़ श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किए हैं। इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए। एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा। एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ज़ेनबुक ए14 लॉन्च किया और भारत में एनवीडिया आरटीएक्स 5000 सीरीज़ में नंबर एक बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

मछली पालन पर आधारित स्टार्ट अप व इनोवेशन के लिए साझेदारी

कोच्चि। मत्स्य पालन पर आधारित स्टार्टअप्स और इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत आईसीएआर-सीआईएफटी का जेडटीएम-एबीआई सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय केंद्र (नेशनल-लेवल कोऑर्डिनेशन हब) की भूमिका निभाएगा। यह केंद्र योग्य उद्यमियों की पहचान करेगा तथा उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करेगा।

जेडटीएम-एबीआई में पंजीकृत स्टार्टअप्स को एसबीआई से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन तथा स्टार्टअप फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो प्रोजेक्ट की पात्रता और बैंक के मानदंडों के अधीन होंगी। अधिकारियों के अनुसार इस सहयोग से मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी तथा स्टार्टअप्स की वृद्धि और इंडस्ट्री के विकास को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

दिल्ली में विस्फोट, वायु प्रदूषण और नए श्रम कानूनों के मुद्दे भी विपक्ष की लिस्ट में, भाजपा बना रही जवाबी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाए रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नए श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं।

शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है। सरकार ने जहां इस सत्र में कॉरपोरेट कानून, परमाणु ऊर्जा और शिक्षा सहित दस विधेयकों को पारित कराने का एजेंडा तैयार किया है वहीं विपक्ष एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार किए जा रहे दावों, चीन के साथ संबंधों, आतंकवाद, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए इसे संसद में जोर शोर से उठाने का संकेत दिया है। एसआईआर के मुद्दे पर तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात भी की है।

विपक्ष एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव का मुद्दा भी उठा रहा है। कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र से पहले संसद में पार्टी की रणनीति बनाने के लिए रविवार को पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर 'संसदीय रणनीतिक समूह' की बैठक बुलाई है। संकेत है कि कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ राज्यसभा और लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार किये जा रहे दावों, चीन के साथ व्यावसायिक संबंधों तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में प्रदूषण को गंभीर मुद्दा बताते हुए सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर चुके हैं। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने भी सत्र की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की ओर से रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

● कल से शुरू होने जा रहे सत्र के लिए बनाई जा रही है रणनीति

एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने से इन्कार कर चुकी है सरकार

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर नियमानुसार संसद में चर्चा कराने को तैयार है। एसआईआर के मुद्दे को चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकास की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए सरकार का कहना है कि इस पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा सकती। सरकार का यह भी कहना है कि एसआईआर का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी है। पिछले सत्र में भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में बाधा डाली थी। सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे में 12 विधेयक विचार के लिए सूचीबद्ध हैं जिनमें से दो जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025 और दिवालिया एवं दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पहले से ही लोकसभा की प्रवर समिति के पास हैं।

इन विधेयक पर होगा फैसला

सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले विधेयकों में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड विधेयक 2025, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025, मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग विधेयक 2025, परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025, निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल है।

पुतिन के आने से पहले रूसी संसद भारत के साथ दे सकती है सैन्य समझौते को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने होने वाली बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा से पहले रूसी संसद के निचले सदन स्टेट डूमा में भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की दो दिन की यात्रा पर आ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते (आरईएलओएस) को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ करना है। इस समझौते पर गत 18 फरवरी को मास्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन रक्षा उप मंत्री अलेक्ज़ेंडर फोमिन ने हस्ताक्षर किए थे। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी इतर तास के अनुसार रूसी सरकार ने स्टेट डूमा में इस समझौते के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस समझौते में दोनों देश एक-दूसरे की भूमि पर सैन्य कर्मियों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की पारस्परिक तैनाती की प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव में रूस और भारत के बीच उस समझौते को मंजूरी देने की बात कही गई है जिसके तहत रूसी सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती भारतीय ठिकानों पर और भारत की सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती रूसी ठिकानों पर की जा सकती है साथ ही उन्हें तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार सैन्य बलों को संयुक्त अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मानवीय सहायता, आपदा राहत तथा दोनों पक्षों द्वारा सहमत अन्य परिस्थितियों में भेजा जा सकता है। रूसी सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज के अनुमोदन से भारत और रूस के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। भारत इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी तरह का समझौता कर चुका है।

● लॉजिस्टिक समर्थन समझौते पर लंबे समय से चल रही है बातचीत

भारत-रूस के बीच पहले से है सशक्त रक्षा साझेदारी

भारत और रूस के बीच सशक्त रक्षा साझेदारी है जिसे नियमित त्रि-सेवा अभ्यास इंद्र और कई उच्च-स्तरीय संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों जैसे ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल परियोजना, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम, और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से मजबूती मिल रही है।भारतीय सेनाओं के पास रूसी मूल के अनेक प्लेटफॉर्म जिनसे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ सहयोग का पता चलता है। इनमें एस- 400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक टी-90, विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और ए के-203 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, भारत मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 कामोव केए -226 हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण करने जा रहा है जो द्विपक्षीय सैन्य-प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करता है।

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने एक साथ नाश्ता कर अटकलों को किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। इस मुलाकात से कर्नाटक के दोनों कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी। शिवकुमार शनिवार को सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन कर उसे सत्ता सौंपी है इसलिए पार्टी को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के साथ मतभेदों को खारिज करते हुए कहा, हमारे बीच कोई गुटबाजी नहीं है। हम साथ चलेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे और पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों और बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने की स्थिति में निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की।

● कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं भविष्य में भी रहेंगे एकजुट

लेह हिंसाः आयोग ने बयान दर्ज कराने का समय 10 दिन बढ़ाया

लेह/जम्मू। लेह हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग ने बयानों को दर्ज कराने और सबूत जमा कराने की समय-सीमा लेह एपेक्स बॉडी के अनुरोध के बाद 10 दिन बढ़ा दी है।

गृह मंत्रालय ने 17 अक्टूबर को इस उद्देश्य से आयोग का गठन अधिसूचित किया था कि 24 सितंबर को लेह में कानून-व्यवस्था संबंधी गंभीर स्थिति पैदा होने से जुड़े हालात की जांच की जाए, इस स्थिति के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए और उन घटनाओं का मूल्यांकन किया जाए जिनमें 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की मौत हुई थी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य के दर्जे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में चार आम नागरिकों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली विस्फोटः न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन डॉक्टर और एक मौलवी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इन आरोपियों में मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान अहमद वागय शामिल था जिन्हें प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से भंडाफोड़ किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

एनआईए ने कहा, एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

सीमा पर सजग प्रहरी

दिल्ली में लाल किले पर आत्मघाती हमले के बाद हाई अलर्ट के दौरान जम्मू के बाहरी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान।

ए 320 : सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आ जाना इसके पीछे वजह बताई जा रही है। जेटब्लू की उस घटना को लेकर विमानों के साफ्टवेयर को अपडेट करने के निर्देश दिए गए जिसके बाद अमेरिका सहित तमाम देशों में संचालित इन विमानों के साफ्टवेयर अपडेशन का काम शुरू कर दिया गया जिसका असर विमानों के संचालन पर पड़ा। भारत में भी इसका प्रभाव पड़ा। भारत में एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइन एयरबस का संचालन करती हैं।

भारत में 462 एयरबस हो रहे संचालित

भारत सहित दुनिया भर में एयरबस के ए320 परिवार के विमानों के लिए अनिवार्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपडेट के आदेश जारी किए गए जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया के बेड़े में ए320 परिवार के 104 विमान हैं। इंडिगो के पास 318 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 40 विमान ए320 परिवार के हैं। इस प्रकार देश में इस समय ए320 परिवार के कुल 462 विमान परिचालन में हैं। 300 विमानों पर मॉडिफिकेशन की जरूरत होगी।

लोकप्रिय विमान की सुरक्षा पर सवाल

एयरबस 320 का निर्माता यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एयरबस है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी है। एयरबस 320 एक विश्वसनीय विमान है, लेकिन वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट ने इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। भारत में कई एयरलाइन्स एयरबस 320 का संचालन करती हैं, और वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट के कारण कई फ्लाइट्स रद्द या देरी से चल रही हैं। डीजीसीए ने आवश्यक कदम उठाए हैं और एयरलाइन्स को सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए कहा गया है।

सॉफ्टवेयर वर्तमान संकट की वजह

विमानों के सॉफ्टवेयर में अपडेशन वर्तमान संकट का कारण रहा। जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मिलकर विमानन कंपनियों को नया सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्देश दिया है।

6000 विमान प्रभावित

छह हजार विमानों को वापस बुलायाएक रिपोर्ट के मुताबिक 30 अक्तूबर को जेटब्लू की एक फ्लाइट कैनकन, मेक्सिको से नेवार्क, न्यू जर्सी जा रही थी। अचानक फ्लाइट काफी तेजी से ऊंचाई से गिरने लगी। इसकी वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। फ्लाइट 1230 ने जहाज के कंट्रोल में दिक्कत और अचानक बिना किसी कंट्रोल के ऊंचाई गिरने के बाद टैम्पा, फ्लोरिडा में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। एयरबस के मौजूदा समय में करीब 11,300 ए320 विमान संचालित हो रहे हैं, जिनमें से कंपनी करीब 6000 ए320 विमानों को वापस बुलाया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्ध एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3 .45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह (31) असम का रहने वाला है।

धुरंधर के ट्रेलर पर आपत्ति जताई

कराची। कराची में आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अपनी बहादुरी और एनकाउंटर विशेषज्ञ के रूप में मशहूर हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी ने धमकी दी है कि अगर उनके पति को आगामी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में गलत और नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। रणवीर सिंह अभिनीत और आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म जासूसी पर आधारित है। इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर कराची के कुख्यात त्यारी इलाके की कहानी की झलक पेश करता है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त चौधरी असलम का किरदार निभा रहे हैं।

बदमाशों ने एटीएम से 12 लाख रुपये लूटे

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में अज्ञात बदमाशों ने शनिवार को एक सार्वजनिक बैंक की स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) से 12 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भागते समय मशीन में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंचोड़ी पुलिस थाने के भेड़ गांव में हुई। इसने बताया कि जब स्थानीय लोगों ने शनिवार सुबह जले हुए एटीएम को देखा तो बैंक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

तूफान दितवा ने पकड़ी गति, आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

- रविवार तड़के आंध्र, पुडुचेरी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा

चेन्नई, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दितवा' अब तेज हो गया है और 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यह चेन्नई से लगभग 350 किलोमीटर दूर केंद्रित है और शनिवार आधी रात तक तमिलनाडु के तट से टकरा सकता है। मौसम कार्यालय ने नवीनतम जानकारी में बताया कि यह इस तूफान ने पहले श्रीलंका में तबाही मचाई थी जहां 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। यह तूफान पहले 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ रहा था लेकिन अब इसने रफ्तार पकड़ ली है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के ऊपर स्थित चक्रवाती तूफान पिछले 6 घंटों के दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा और शनिवार सुबह 11:30 बजे उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। यह अब जाफना (श्रीलंका) से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व, वेदारन्नियम (तमिलनाडु) से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 250 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 350 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और रविवार सुबह तड़के उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और आस-पास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की अत्यधिक संभावना है।

श्रीलंका में मृतकों की संख्या 123 हुई : उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'दितवा' के श्रीलंका से टकराने के बाद 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने पुष्टि की है कि अब तक 123 मौतें दर्ज की गई हैं, और देश भर में 3,73,430 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में 488 अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। चक्रवात 'दितवा' शनिवार तड़के श्रीलंका से निकल गया, लेकिन गंभीर मौसम अभी भी द्वीप को प्रभावित कर रहा है।

चक्रवात दितवा के मद्देनजर तेज हवाओं के बीच शनिवार को चेन्नई के कासिमेदु बंदरगाह तट पर खड़ी मछली पकड़ने वाली नावें।

आंध्र प्रदेश के कई जिलों में हाईअलर्ट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में साइक्लोन दितवा के मद्देनजर राज्य के मुख्य सचिव पी. विजयानंद ने चित्तूर, तिरुपति, अन्नामाया, श्री सत्य साईं, नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जिलों के जिलाधीशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। विजयानंद ने शनिवार को जिलाधीशों के साथ वीडियो पर बातचीत कर साइक्लोन के दौरान अगले मंगलवार तक किसी भी मछुआरे के समुद्र क्षेत्र में नहीं जाने का निर्देश दिया।

वायु सेना ने 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई : भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।

बांग्लादेश लौटने का फैसला अकेले मेरे बस में नहीं

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्व निर्वासित कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि बेहद गंभीर बीमारी से जूझ रहीं उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए उनका वतन वापस लौटना पूरी तरह उनके हाथ में नहीं है। बीएनपी की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को छाती में संक्रमण के कारण हृदय और दोनों फेफड़े प्रभावित होने के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2008 से लंदन में रह रहे रहमान (60) ने शनिवार को फेसबुक पर कहा कि किसी भी बच्चे की तरह वह इस मुश्किल समय में मां के पास रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरों की तरह, इस बारे में एकतरफा फैसला लेना सिर्फ मेरे हाथ में नहीं है और न ही केवल मेरे बस में है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्यादा बात नहीं कही जा सकती। रहमान ने कहा कि उनके परिवार को अब भी उम्मीद है कि एक बार राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो जाए तो उनका स्वदेश लौटने का इंतजार खत्म हो जाएगा।

पुतिन की यात्रा से पूर्व भारत से सैन्य समझौता करेगा रूस

मॉस्को, एजेंसी

- रूस की संसद के निचले सदन में पुष्टि की तैयारी

रूस की संसद का निचला सदन 23वें द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चार एवं पांच दिसंबर को निर्धारित भारत की राजकीय यात्रा से पहले उसके साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी देने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है।

मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच सैन्य सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से इस वर्ष 18 फरवरी को रेसीप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट (रेलोस) पर हस्ताक्षर किए थे। सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार स्टेट डूमा ने रेलोस दस्तावेज को अपने संपुष्टि डेटाबेस में सरकार के इस नोट के साथ अपलोड कर दिया है कि रूस सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज की पुष्टि से रूस और भारत के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा।

रेलोस समझौते का उद्देश्य संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य अभियानों के लिए समन्वय प्रक्रिया को आसान बनाना है। स्थानीय रक्षा सूत्रों के अनुसार, रेलोस से सैन्य अभ्यास और आपदा राहत अभियान समेत संयुक्त गतिविधियों के लिए प्रक्रियाएं सरल करके सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। इस प्रकार के समझौते सहभागी देशों के लिए शांतिकालीन अभियानों के भौगोलिक अवसरों का विस्तार करते हैं। इज्वेस्तिया दैनिक समाचार पत्र ने इस समझौते पर हस्ताक्षर के समय उल्लेख किया था कि इस समझौते के प्रावधान आर्कटिक क्षेत्र में संयुक्त अभ्यासों पर भी लागू हो सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय नौसेना के तलवार श्रेणी के युद्धपोत तथा विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य आर्कटिक क्षेत्र की अत्यधिक ठंड में भी संचालित किए जा सकते हैं और ये साजो-सामान संबंधी सहायता के लिए रूसी नौसैनिक अड्डों का उपयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार रूसी नौसेना भारतीय सुविधाओं का उपयोग करके हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत कर सकेगी जिससे चीन तथा क्षेत्र से बाहर के अन्य देशों के प्रभाव को संतुलित किया जा सकेगा।

इंडोनेशिया में मृतक संख्या 279 हुई

अगम। इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंदुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 279 हो गई। लापता लोगों की तलाश हो रही है।

इमरान खान के जीवित होने का सरकार दे सबूत

लाहौर, एजेंसी

- बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने सरकार से इसका सबूत पेश करने की मांग की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक जिंदा हैं। खान के बेटे कासिम खान ने शुक्रवार शाम एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम इमरान खान के जीवित होने का सबूत मांगते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (73) की जेल में हत्या कर दी गई है, क्योंकि ना तो उनके परिवार के सदस्यों और ना ही उनके वकीलों एवं पार्टी के लोगों को एक महीने से उनसे मिलने दिया गया है। खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान की तीन बहनें, पीटीआई के कार्यकर्ता और खैबर पख़्तूनख़्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफ़रीदी कुछ दिनों से अदियाला जेल के बाहर डेरा डाले हुए हैं और शहबाज शरीफ सरकार पर खान के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत देने का दबाव बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीस ने किया विवाह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने शनिवार को राजधानी केबनरा में अपने आधिकारिक आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में अपनी संगिनी जोडी हेडन से विवाह कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। विवाह समारोह में ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता रसेल क्रो और कई कैबिनेट मंत्रियों समेत करीब 60 मेहमान शामिल हुए। अल्बनीस और हेडन ने कहा कि हम अपने परिवार के साथ खुश हैं।

जी-20 में अफ्रीका को न बुलाना अनुचित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- राष्ट्रपति रामाफोसा ने की ट्रंप के फैसले की निंदा

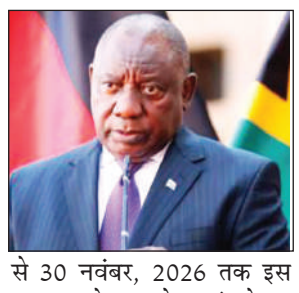

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के मानवाधिकार हनन को स्वीकार नहीं करता है।

अमेरिका ने किया था बैठक का बहिष्कार

परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था। अमेरिका अपने दूतावास से एक प्रतिनिधि भेजना चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे अस्वीकार कर दिया था कि रामाफोसा के लिए एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रतीक सौंपना अपमानजनक होगा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा राजनयिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रंप दंडात्मक कदम उठाते रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 21.29 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

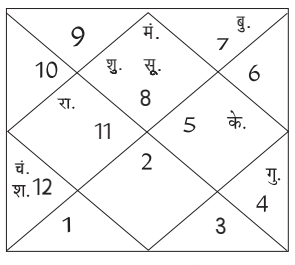

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 01 दिसंबर 01.11 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपसे लोग नाराज हो सकते हैं। अपने बड़ों की अवमानना न करें। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद होगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है। शाम को मित्रों से चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज व्यवसाय में आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लंबित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आपका पूरा ध्यान घर-परिवार पर रहेगा।

मिथुन — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिन्ता रहेगी।

कर्क — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह — आज व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

तुला — आज व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। लोन से जुड़े हुए अवरोध दूर होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई बात सत्य होगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। नये विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। व्यावसायिक लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे।

धनु — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। एआई क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिल सकता है।

मकर — आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विवेक और संयम से निर्णय लेने से आपको लाभ होगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नये कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आज सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेंस को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ होगा।

सुडोकू-176

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

						2		
				5				
6								
		2						
					7	6		
	8			4				
		9						

सुडोकू - 175 का हल

1	2	3	4	9	7	8	5	6
8	5	4	1	3	6	2	9	7
6	9	7	5	2	8	4	3	1
3	8	6	7	1	9	5	2	4
9	4	5	6	8	2	1	7	3
7	1	2	3	5	4	9	6	8
4	7	1	9	6	5	3	8	2
5	3	8	2	7	1	6	4	9
2	6	9	8	4	3	7	1	5

जिस तरह की पिचों पर हम खेल रहे हैं, उनमें किसी को गेंदबाज बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हर गेंद स्पिन होती है या कुछ सीधी हो जाती है। एक गेंदबाज को तभी अच्छा माना जा सकता है जब वह अच्छी पिचों पर विकेट लेता है।

-हरभजन सिंह

स्टेडियम

कानपुर, रविवार, 30 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऐसा लगता है, मानो भारत के पास ऑफ स्पिनर नहीं है : भज्जी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका से हाल में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में हारने के बाद महान स्पिनर हरभजन सिंह को लगा कि भारतीय टीम के पास पांच दिन के मैच के लिए कोई विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर ही नहीं है और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर का कार्यभार बढ़ाने की बात कही। आर अश्विन के संन्यास के बाद एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ पहली घरेलू श्रृंखला में भारत के स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के सामने कमजोर पड़ गए। मेहमान टीम के स्पिनरों ने दो टेस्ट में 25 विकेट हासिल किए। हरभजन से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास दाएं हाथ का कोई विशेषज्ञ स्पिनर नहीं है तो उन्होंने जवाब में 'पीटीआई' से कहा ऐसा ही लगता है।

दक्षिण अफ्रीका को सुधार करना होगा: प्रिंस

रांची। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शनिवार को कहा कि उनकी वनडे टीम को अब भी 'क्लच मोमेंट्स' को बेहतर बनाने की जरूरत है क्योंकि वे 2027 विश्व कप से पहले संयोजन का परीक्षण करना जारी रखे हैं। प्रिंस ने माना कि पिछले एक साल में टीम का फोकस टेस्ट क्रिकेट और आने वाले टी-20 विश्व कप पर रहा है जिससे 50 ओवर का प्रारूप प्रयोगात्मक चरण में है। भारत के खिलाफ पहले वनडे से पहले प्रिंस ने कहा हम 50 ओवर में अलग-अलग संयोजन आजमा रहे हैं और अंतिम टीम के करीब पहुंचने से पहले हमारे पास अब भी समय है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की गहराई से संतुष्ट होने के बावजूद प्रिंस ने कहा अगर कोई क्षेत्र है जहां हमें सुधार करना है तो वह है 'क्लच मोमेंट्स'। सफेद गेंद का क्रिकेट हमेशा दबाव भरे माहौल भरा होता है। रविवार को यहां भारी ओस पड़ने की उम्मीद है इसलिए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है।

रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

रांची, एजेंसी

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा।

भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे।

मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की निगरानी में अभ्यास करते कुलदीप यादव, तिलक वर्मा व अन्य भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके (दाएं) और टोनी डी जॉर्जी। एजेंसी

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मेरे पास स्पिन के खिलाफ परेशानी का कोई पक्का जवाब नहीं : राहुल

रांची : कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल ने शनिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम की स्पिन के खिलाफ लगातार संघर्ष करना विशेषकर घरेलू पिचों पर, चिंता का विषय है लेकिन उनके पास भारत की पारंपरिक रूप से मजबूती में आई गिरावट का कोई जवाब नहीं है। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो सत्र में टेस्ट क्रिकेट में घरेलू पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के बार-बार कमजोर पड़ने के चिंताजनक पैटर्न के बीच आई है जिसमें कभी भारत का दबदबा हुआ करता था। न्यूजीलैंड ने 2024 में और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हाल में भारत को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। राहुल ने कहा हमने पिछले कुछ सत्र में स्पिन अच्छी तरह नहीं खेली है। मुझे सच में नहीं पता कि हम पहले क्यों कर पाते थे और अब क्यों नहीं कर पा रहे। मेरे पास कोई निश्चित जवाब नहीं है। हम बस इतना कर सकते हैं कि व्यक्तिगत रूप से और बतौर बल्लेबाजी समूह यह देखें कि कैसे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को तकनीकी और रणनीतिक बदलावों की तलाश करनी होगी और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। राहुल ने कहा यह रातोंरात नहीं बदलने वाला। हम सुधार की जरूरतों को देखेंगे और उम्मीद है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक हम बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

मिथुन पर रोमांचक जीत के साथ श्रीकांत फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- त्रिशा- गायत्री महिला युगल में खिताब के लिए करेंगी दावेदारी
- महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा को मिली हार

महिला डबल्स सेमीफाइनल में त्रीसा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद। एजेंसी

अमृत विचार : पूर्व वर्ल्ड नंबर वन के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश कर भारतीय चुनौती को कायम रखा।

दूसरी ओर महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने फाइनल में प्रवेश के साथ खिताब बचाने की अपनी दावेदारी पेश की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शनिवार को सेमीफाइनल खेले गए। चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्नति व तन्वी की हार के साथ महिला एकल में भारत का सफर समाप्त हो गया। मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन व त्रिशा जॉली की जोड़ी को हार मिली। पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत ने 59 मिनट चले तीन गेम के रोमांचक मैच में हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 21-15, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। श्रीकांत ने पहले गेम में कुछ संघर्ष के बाद जीत हासिल की। दूसरे गेम में वो आगे रहने के बाद पिछड़ गए और 9-15 के स्कोर पर फाउल के चलते प्रतिद्वंद्वी को फायदा मिला। यह गेम मिथुन मंजूनाथ ने तेज सर्विस की बदौलत अपने नाम की। तीसरे और निर्णायक गेम में श्रीकांत ने बेहतरीन कोर्ट कवरेज की बदौलत जीत से फाइनल में जगह बनाई। 2016 के चैंपियन के.श्रीकांत अब चैंपियनशिप में अपने दूसरे खिताब की दावेदारी करेंगे। मलेशियाई मास्टर्स के उपविजेता रहे श्रीकांत की कल लंबे समय बाद घरेलू टूर्नामेंट में खिताब और साथ में साल के शानदार समापन पर निगाह होगी। श्रीकांत ने इससे पूर्व फ्रेंच ओपन 2017 में खिताबी जीत दर्ज की थी। श्रीकांत की अब फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ंत होगी जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए। पहला गेम कोगा ने 21-12 से जीता। दूसरे गेम में जेसन ने जीत दर्ज की। तीसरे गेम में जब जेसन 11-0 से आगे थे तब जापानी खिलाड़ी ने मैच छोड़ने का फैसला किया। वहीं, महिला एकल के पहले सेमीफाइनल मे जापान की हीना अकेची ने भारत की तन्वी शर्मा को 21-17, 21-16 से हराया। तुर्किये की नेस्लिहान अरीन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को 21-15, 21-10 से हराया।

किदांबी श्रीकांत। एजेंसी

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

मुंबई, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी-20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

19 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
01 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
एलिमिनेटर : तीन फरवरी
फाइनल : पांच फरवरी।

दृष्टिबाधित महिला टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया।

राष्ट्रपति ने टीम सदस्यों को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता दूसरों को करियर में नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने टीम की तरफ से भेंट की गई क्रिकेट गेंद पर भी हस्ताक्षर किए। भारत ने हाल में कोलंबो में फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीता था।

ओलंपिक हॉकी के दिग्गजों को सम्मानित किया गया

चेन्नई : तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के उद्घाटन के दौरान ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय और तमिलनाडु हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 1979 में शुरू किए गए जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का 14वां चरण अभी चेन्नई और मदुरै में चल रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने 28 नवंबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच भारत बनाम चिली का औपचारिक उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिसमें तमिलनाडु के ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले हॉकी खिलाड़ी भी थे।

अजलन शाह हॉकी | जुगराज सिंह ने किए चार गोल, बेल्जियम से आज होगी खिताबी भिड़ंत

कनाडा को 14-3 से रौंदकर भारत फाइनल में

इपोह, एजेंसी

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया।

11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे क्वार्टर में गोलों की झड़ी लगी रही जिसमें राजिंदर ने 24वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में और जुगराज ने 26वें मिनट में गोल कर दिए। अब भारतीय टीम 7-1 से आगे थी जिससे कनाडा ने तीसरे क्वार्टर में अपने आक्रमण में थोड़े बदलाव किए जिससे 35वें मिनट में उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला। मैथ्यू सरमेंटो ने इसे पोस्ट में डालकर स्कोर 7-2 कर दिया। इस बीच जुगराज ने इसी क्वार्टर में 39वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई। जिसके बाद सेल्वम कार्ति ने 43वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को 9-2 तक पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर बस एक औपचारिकता मात्र थी लेकिन इसी में दोनों टीमों ने ज्यादा गोल किए। इस क्वार्टर में छह गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और इसके बाद 50वें मिनट में जुगराज के पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

चिली और स्विट्जरलैंड (लाल जर्सी) के खिलाड़ी।

जूनियर विश्व कप : मलेशिया और नीदरलैंड्स की विजयी शुरुआत

मदुरै : मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए। बाद में दक्षिण अफ्रीका ने यहां पूल ए मैच में आयरलैंड को 2-1 से हराया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रूबेन सेंडजुल (43वें मिनट) और रॉस मोंटगोमरी (54वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।